राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 सीएम स्टालिन के आवास से लेकर...

जडेजा ने धोनी को पीछे... 11

वर्ष : 13 | अंक : 174 | पटना, शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना : सीएम नीतीश ने 25 लाख महिलाओं के खाते में भेजे 10-10 हजार

सीएम बोलें- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कृतसंकल्पित

प्रात : किरण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को महिला रोजगार योजना के तहत 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 2500 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना की पहली किश्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में हस्तांतरित की थी। मुख्यमंत्री कुमार ने शुक्रवार को सुबह एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 2500 करोड़ रुपए की राशि लाभार्थी महिलाओं के खाते में हस्तांतरित की। कार्यक्रम में दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार मौजूद थे।

यह दूसरा अवसर है जब नीतीश सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की राशि को लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित की है। इससे पूर्व 26 सितंबर को 75 लाख महिलाओं के बैंक खाते में कुल 7500 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गये थे। इस अवसर पर श्री कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री और अधिकारीगण और प्रदेश के कोने-कोने से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ी जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि 24 नवंबर 2005 को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद उन्होंने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल किया। उन्होंने कहा

कि वर्ष 2006 में बिहार में पहली बार पंचायत चुनावों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई और इसके ठीक बाद 2007 में नगर निकायों में भी उन्हें 50 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में पुलिस भर्ती में और 2016 में सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण ने बिहार सरकार के महिला सशक्तिकरण के संकल्प को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने स्कूल जाने वाली बालिकाओं के लिए जब साइकिल योजना शुरू की तो बहुत लोगों को आश्चर्य हुआ क्योंकि उससे पहले बिहार में लड़कियां साइकिल नही चलाती थीं। बाद में यह योजना सफल रही और प्रदेश में महिलाओं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का साधन बनी। श्री कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले वह केंद्र की राजनीति में थे और देश भर में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों को काम करते हुए देखा करते थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 में विश्वबैंक से ऋण ले कर स्वयं सहायता समूह शुरू किया गया,जिसे जीविका का नाम दिया गया।

उन्होंने कहा कि करीब 20 साल बाद आज बिहार में 11 लाख जीविका समूह काम कर रहे हैं, जिनके सदस्यों की संख्या एक करोड़ 40 लाख हो गयी है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृतसंकल्प है और जिन एक करोड़ महिलाओं को दस हजार की राशि दी जा चुकी है और भविष्य में जिन महिलाओं को शुरूआती राशि दी जाएगी, उन्हें अपना कारोबार शुरू करने के बाद उसे आगे बढ़ाने के लिए दो लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। इसके साथ ही बिहार सरकार ने महिला रोजगार योजना के तहत एक करोड़ का जादुई आंकड़ा हासिल कर लिया है।

योजना की राशि से किराने की दुकान शुरू करूंगी: अंजू

समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ी समस्तीपुर की अंजू कुमारी एक करोड़वीं लाभार्थी बनी जिनके खाते में मुख्यमंत्री ने दस हजार की राशि हस्तांतरित की। इस उपलब्धि के बाद अंजू ने मुख्यमंत्री और कार्यक्रम से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए जीविका दीदी बनने के बाद अपनी सफलता से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सब्जी की खेती उनकी आय का साधन है और भविष्य में मुख्यमंत्री रोजगार योजना से मिली राशि का उपयोग कर वह किराने की दुकान शुरू करेंगी। अंजू ने अपने संबोधन के दौरान बिहार सरकार की साइकिल, शौचालय, 125 यूनिट बिजली फ्री और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत बुजुर्गों को मिलने वाली राशि को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए करने के लिए भी मुख्यमंत्री श्री कुमार के प्रति आभार प्रकट किया।

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक,129 प्रस्तावों पर मुहर

राज्यकर्मियों और पेंशनभोगियों को तोहफा, 3 प्रतिशत बढ़ा मंहगाई भत्ता

55 प्रतिशत से बढ़ाकर महंगाई भत्ता किया गया 58 प्रतिशत

प्रात : किरण

पटना। केंद्र के बाद बिहार सरकार ने राज्यकर्मियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सभी वर्ग के कर्मियों और पेंशनधारकों के महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी कर दी है। डीए को 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका निर्णय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य कैबिनेट की विशेष बैठक में लिया गया। कैबिनेट में लिए निर्णयों की जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट में 129 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें कई विभागों में बहाली से संबंधित प्रस्ताव से लेकर सड़क निर्माण समेत कई अहम एजेंडे शामिल हैं। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकारी कर्मियों के साथ ही पेंशनधारकों को बढ़े हुए डीए का लाभ 1 जुलाई 2025 के प्रभाव से मिलेगा। इस बढ़ोतरी से राज्य सरकार के खजाने पर 917 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। बिहार

के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को दीपावली और छठ से पहले आर्थिक सौगात दी है। राज्य सरकार के फैसले से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दीपावली का तोहफा मिला है।

इससे पहले केंद्र सरकार ने भी केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी की थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने महंगाई भत्ता/राहत दर 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने को स्वीकृति प्रदान की है। यह संशोधित दर 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि पहले 1 जनवरी 2025 से 55 महंगाई भत्ता दिया जा रहा था और अब केंद्र सरकार द्वारा 1 जुलाई 2025 से 58 प्रतिशत दर स्वीकृत किए जाने के बाद बिहार सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को उसी तिथि से बढ़ा हुआ भत्ता देने का निर्णय लिया है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की जीवनयापन महंगाई से प्रभावित न हो, इसलिए सरकार उन्हें समय पर राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस फैसले से वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 917.78 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, ताकि उन्हें जीवनयापन की बढ़ती महंगाई और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद सम्मानजनक कार्य और जीवनयापन सुनिश्चित हो सके। इसी प्रयास के तहत राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के अनुरूप महंगाई भत्ता/राहत की दर 55% से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 25.0°C

न्यूनतम तापमान 22.0°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,20,245
चांदी	1,53,000
सेंसेक्स	81,207
निफ्टी	24,894

पूर्णिया में ट्रेन की चपेट में आने से 4 की मौत, सीएम ने जताया दुख

प्रात : किरण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पूर्णिया जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आकर चार लोगों की मौत पर दुख जताया। सीएम नीतीश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पूर्णिया जंक्शन पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 4 लोगों की मृत्यु की घटना अत्यंत दुखद है। इस दुर्घटना में घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। उन्होंने आगे लिखा, शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना है।

प्रदेश सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार के सदस्य को 4 लाख रुपए मुआवजा देने की भी घोषणा की है। इस घटना से पूरे सीमांचल क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। यह दुर्घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे जोगबनी-कटिहार रेल खंड पर कस्बा रेलवे स्टेशन क्रॉसिंग के पास हुई। एक

अधिकारी के अनुसार, मखाना की खेती में लगे पांच युवक दशहरा मेले से पैदल लौट रहे थे और पटरियों के किनारे चल रहे थे, तभी जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।

उनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को पूर्णिया सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से एक की बाद में मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। कस्बा पुलिस स्टेशन के चौकीदार एमडी हबीउद्दीन ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में चार युवकों की जान चली गई, जबकि एक का अभी भी इलाज चल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितंबर को ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया था। इसके तुरंत बाद इस रूट पर नियमित परिचालन शुरू हो गया।इससे पहले, गुरुवार को बिहार के कैमूर जिले में एक सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। वाहन में सवार सभी घायल यात्रियों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भभुआ ले जाया गया।

बिहार विस चुनाव : चुनाव आयोग अलर्ट 425 वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच भारत निर्वाचन आयोगे बिहार विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए तैनात किए जाने वाले केंद्रीय पर्यवेक्षकों को जानकारी दी। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा के आगामी आम चुनाव और कुछ राज्यों के उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात किए जाने वाले सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों के लिए एक ब्रीफिंग का आयोजन किया। बैठक में 287 आईएएस अधिकारी, 58 आईपीएस अधिकारी और आईआरएस, आईआरएएस, आईसीएएस तथा अन्य सेवाओं के 80 अधिकारियों सहित 425 अधिकारियों ने भाग लिया। यह ब्रीफिंग बैठक आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ केंद्रीय पर्यवेक्षकों को जानकारी दी। ज्ञानेश कुमार ने पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए उन्हें लोकतंत्र का प्रकाश स्तंभ बताया। आयोग की आंख और कान के रूप में केंद्रीय पर्यवेक्षकों को सभी चुनाव कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों से परिचित होने, प्रत्यक्ष क्षेत्रीय जानकारी प्रदान करने और उनका कड़ाई से एवं निष्पक्ष अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और मतदाताओं की शिकायतों के निवारण के लिए उनके लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहें।

नियमावली में संशोधन होने के बाद होगा शिक्षकों का स्थानांतरण

पटना। शिक्षकों के स्थानांतरण करने के लिए शिक्षा विभाग नियमावली में संशोधन कर रहा है। नियमावली संशोधित होने के बाद ही शिक्षकों के स्थानांतरण करने के लिए ऑन लाइन आवेदन लिए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को सूचना जारी कर कहा है कि शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए नियमावली में संशोधन करने का कार्य प्रक्रियाधीन है। संशोधित नियमावली की अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद ही शिक्षकों से स्थानांतरण के लिए ऑन लाइन आवेदन लिए जाएंगे। इसकी सूचना बाद में दी जाएगी। स्थानांतरण के लिए भौतिक रूप से आवेदन पत्र जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री सचिवालय के सचिव बने डॉ. चंद्रशेखर

- सूबे में सात आईएएस अधिकारियों का तबादला

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है जिसमें पटना के जिलाधिकारी समेत सात आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार, चंद्रशेखर सिंह का तबादला कर अनिमेष कुमार पराशर को पटना कमीशनरेट का नया कमिश्नर बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें बिहार शहरी अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त जिम्मा भी मिला है। पटना के पूर्व कमिश्नर चंद्रशेखर सिंह को मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के पद पर तैनात किया गया है। इस पद पर उन्हें राज्य प्रशासन के अहम मामलों को संभालना और चुनाव से पहले प्रशासनिक संतुलन बनाए रखना है। सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के अनुसार, हिमांशु शर्मा और शीर्षत कपिल अशोक को नई जिम्मेदारियां मिली हैं। हिमांशु शर्मा, जो अब तक बिहार ग्रामीण जीवकोपार्जन विभाग (जीविका) में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी थे, उन्हें स्वास्थ्य विभाग का विशेष सचिव और आपदा प्रबंधन विभाग का विशेष कार्य अधिकारी बनाने का प्रभार दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने पाक में 300 किमी अंदर तक किया था अटैक : वायु सेना

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर अंदर तक हमला किया था। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने यह खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि यह दुश्मन के क्षेत्र में अब तक की सबसे लंबी दूरी थी। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने न सिर्फ दुश्मन के क्षेत्र में अंदर तक प्रवेश किया, बल्कि 300 किलोमीटर तक की अब तक की सबसे लंबी दूरी की मार भी हासिल की, जिससे पाकिस्तान अपने ही क्षेत्र में संचालन करने में असमर्थ रहा। एयर मार्शल सिंह ने मिशन की रणनीतिक सफलता पर कहा, हम दुश्मन के क्षेत्र में अंदर तक प्रवेश करने और उच्च सटीकता के साथ हमले करने में सक्षम थे।

मंजूरी सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में पर्यटन विभाग के कई योजनाओं की मंजूरी

गयाजी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित होगा विष्णुपद मंदिर

प्रात : किरण

पटना। गयाजी में विश्वनाथ कॉरिडोर, वाराणसी की तर्ज पर विष्णुपद मंदिर क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। इसके लिए मुख्य परामर्शी के तौर पर अहमदाबाद के एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट का मनोनयन किया गया है। इस पर होने वाले वहन की स्वीकृति कैबिनेट से दी गई है। पटना में बांकीपुर बस स्टैंड परिसर की भूमि पर जन-निजी भागीदारी के माध्य से पांच सितारा होटल का निर्माण कराया जाएगा। होटल के निर्माण के लिए आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार के स्तर से अनुमोदित रियायती एकरारनामा दस्तावेज के आधार पर सफल निविदाकर्ता को लेटर ऑफ अवार्ड निर्गत

करने की स्वीकृति दी गई है। कोलकाता की सारगा होटल प्राइवेट लिमिटेड को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। लीज की गई जमीन के न्यूनतम पंजीकृत मूल्य का भुगतान 90 वर्ष के लिए लीज पर दिया जाएगा। इस जमीन का न्यूनतम पंजीकृत मूल्य (एमवीआर) 68 करोड़ 4 लाख रुपये है। इस पर 9.5 प्रतिशत की वार्षिक दर से ब्याज की गणना की जाएगी। ब्याज समेत भूमि के पंजीकृत मूल्य की राशि का भुगतान अधिकतम 11 वर्षों में निवेशक के स्तर रियाती एकरारनामा दस्तावेज में अंकित शर्तों के अनुरूप किया जाएगा। संबंधित कंपनी को सालाना 18 करोड़ 60 लाख रुपये अनुमान्य जीएसटी की राशि भुगतान एवं रियायती एकरारनामा दस्तावेज की शर्तों के अनुरूप वार्षिक लाइसेंस प्रीमियम के रूप में किया जाएगा।

विभिन्न विभागों में 756 स्थानों पर बहाली: राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र, पटना के संचालन के लिए 45 पद का सृजन किया गया है। संजय गांधी जैविक उद्यान में वन जीवों के प्रबंधन, देखभाल एवं संपदाओं की देखभाल के लिए 172 पद की स्वीकृति। वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रशासकीय प्रबंधकीय तंत्र को मजबूत करने के लिए, वाणिकी कार्यों के नियंत्रण एवं जन समुदाय से बेहतर समन्वय के लिए संबंधित 9 नए वन प्रमंडल का सृजन किया गया है। इनमें 927 पदों को स्वीकृति किया गया है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत सचिवालय एवं संबंधित कार्यालयों में 78 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। अग्निशमन मुख्लाय में बिहार सचिवालय सेवा, बिहार सचिवालय आशुलिपिकीय सेवा, बिहार सचिवालय लिपिकीय सेवा तथा कार्यालय परिचारी/परिचारी के 42 पदों का सृजन किया गया है। बेल्ट्रॉन में सेवानिवृत लिपिक के 40 पद और संविदा आधारित कंप्यूटर ऑपरेटर के 40 पद का सृजन किया गया है। बिहार सिविल कोर्ट, कोर्ट मैनेजर (चयन, नियुक्ति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2025 की स्वीकृति का निर्णय लिया गया है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में फॉलोअर श्रेणी के तहत पहले से स्वीकृत 177 पदों के अतिरिक्त 73 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। गव्य विकास निदेशालय अंतर्गत गैर योजना मद में 9 जिलों में नए जिले गव्य विकास कार्यालय की स्थापना एवं विभिन्न कोटि के 72 नए पदों का सृजन की स्वीकृति। संग्रहालय निदेशालय (मुख्यालय) तथा अन्य राजकीय संग्रहालयों को सुचारू रूप से चलाने के लिए विभिन्न कोटि के 139 नए पदों का सृजन किया गया है।

हवाई अड्डा का अध्ययन के लिए राशि जारी : राज्य सरकार ने मोतिहारी, छपरा एवं भागलपुर में हवाई अड्डा का पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन (प्री फिजिब्लिटी स्टडी) के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से कराने तथा इनका चयन कराने के लिए 1 करोड़ 21 लाख 58 हजार रुपये स्वीकृति दी गई है। भागलपुर के सुल्तानगंज के तहत ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा के निर्माण के लिए 931 एकड़ भूमि अर्जित करने के लिए 472 करोड़ 12 लाख रुपये की प्राशसनिक स्वीकृति दी गई है। सहरसा में हवाई अद्डा के रनवे विस्तार के लिए 12.08 एकड़ जमीन अर्जित करने के लिए 147 करोड़ 76 लाख रुपये मुआवजा राशि की स्वीकृति दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

लहूलुहान हालत में एक 22 वर्षीय युवती की आईजीआईएमएस में मौत

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरकेपुरम इलाके में संदिग्ध परिस्थिति में लहूलुहान हालत में मिली एक 22 वर्षीय युवती की आईजीआईएमएस में मौत हो गयी। युवती कौन है कहा से आयी इसको लेकर पुलिस छानबीन में लगी है। पुलिस ने अस्पताल लाने वाले ऑटो चालक के ब्यान पर यूडी केस दर्ज किया है। साथ ही एफएसएल की टीम बुलाकर जांच की प्रक्रिया पुरी कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। बताया जाता है कि एक ऑटो चालक आरकेपुरम इलाके से एक व्यक्ति के कहने पर जख्मी हालत में एक युवती को आईजीआईएमएस पहुंचाया। उस व्यक्ति ने ऑटो का भाड़ा भी नही दिया। दुल्हिन बाजार के शेरपुरा निवासी विपिन कुमार ने पुलिस को दिये ब्यान में बताया है कि वो अपने ऑटो लेकर बालाजीनगर में एक अपार्टमेंट से सवारी लेने जा रहा था। तभी एक व्यक्ति ने उसे रोका और कहने लगा कि मेरी पत्नी छत से गिड़ गयी है। उसे अस्पताल पहुंचा दो। वो व्यक्ति पास के एक स्कूल के निकट ले गया। जहां देखा कि एक युवती लहूलुहान हालत में गिड़ी पड़ी है। उसे लेकर अस्पताल पहुंचा और उतार दिया। जब भाड़ा मांगा तो ऑन लाइन पैसा देने की बात कहते हुए मेरा मोबाइल नंबर लिया पैसा भी नही दिया। बाद में पता चला कि युवती की मौत हो गयी। जिसके बाद वो व्यक्ति भी युवती को छोड़ कर भाग गया। पुलिस इन बिंदुओ पर छानबीन में लगी है। मृतका भूरा रंग का जींस पैंट व काले रंग की टॉप पहनी है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि संदिग्धावस्था में युवती की मौत की बात सामने आयी है। युवती की पहचान नही हुआ है। उसके पास कोई नही है। छानबीन की जा रही है।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में संशोधन एवं नए प्रावधानों को मिली स्वीकृति

पटना। बिहार सरकार द्वारा युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग देने के उद्देश्य से चलाई जा रही बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शिका में आवश्यक संशोधन एवं नए प्रावधानों को जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से योजना का क्रियान्वयन और बेहतर होगा तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। संशोधित मार्गदर्शिका के अंतर्गत अब सभी आवेदकों के लिए अधिकतम 4 लाख रुपये का शिक्षा ऋण पूरी तरह से ब्याज मुक्त उपलब्ध कराया जाएगा।

बिहार के दानापुर आशोपुर स्थित वस्तु विहार सोसाइटी में फाइलेरिया उन्मूलन की अनूठी पहल

डॉ अनुज सिंह रावत, राज्य सलाहकार फाइलेरिया द्वारा सभी को जागरूक किया गया

• राज्य में 1.58 लाख व्यक्ति हाथीपांव से ग्रसित

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और बिहार सरकार, राज्य से फाइलेरिया उन्मूलन हेतु दृढ़ संकल्पित है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए गाँधी जयंती एवं विजयदशमी के अवसर पर दानापुर आशोपुर स्थित वास्तु विहार सोसाइटी में एक अनूठी पहल की गयी। राज्य सलाहकार फाइलेरिया, डॉ अनुज सिंह रावत की निगरानी में फाइलेरिया से बचाव के लिए सरकार द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाने वाली दवा का सामूहिक सेवन कर अपने सोसाइटी, समाज और राष्ट्र से फाइलेरिया बीमारी के उन्मूलन का संकल्प लिया गया। डॉ रावत ने सभी सम्मानित सदस्यों को बताया कि फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। इस बीमारी की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में बिहार के सभी 38 जिलों में यह बीमारी अपने व्यापक प्रसार पर है और वर्तमान में 1.58 लाख व्यक्ति हाथीपांव से ग्रसित का आंकड़ा सरकार के पास पंजीकृत है, जबकि संख्या इससे बहुत अधिक है। डॉ रावत ने बताया कि इस बीमारी से बचाव का तरीका बहुत ही आसान है कि सरकार द्वारा साल में एक बार प्रदान की जाने वाली एलबेंडाजोल और डी.ई.सी. की दवा का सेवन स्वयं करें और अपने परिवार के सभी सदस्यों को कराएं. यह दवा पूरी तरह से सुरक्षित है और इसका कोई भी दुष्प्रभाव नहीं आता है. डॉ रावत ने सभी को अवगत कराया कि दवा का सेवन हमेशा भरपूर पेट खाना खाने के बाद ही करना है. कभी भी खाली पेट दवा का सेवन नहीं करना है। इस मौके पर डॉ. अरविन्द, उमाकांत चौधरी, मुकुंद झा, मुकेश सिंह, आदित्य झा, बी.के. सिंह, प्रभात कुमार सहित अदिति ब्लाक ए, बी एवं गंगा ब्लाक ए, बी, सी के अनेक गणमान्यों ने दवा सेवन किया और फाइलेरिया बीमारी के उन्मूलन का संकल्प लिया।

भारी बारिश के बावजूद रावणदहन देखने उमड़ी भीड़, मांडवीधाम परिसर में 75 फीट रावण का दहन

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर /पातेपुर: जिले के अतिप्राचीन शक्तिपीठ एवं राम सर्किट का प्रमुख स्थान में से एक मांडवीधाम के मैदान में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण दहन कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस बार 75 फीट का रावण आकर्षण का केंद्र रहा। बिजली से संचालित रावण के पुतले की भाव भंगिमा, हरकत मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा था पर दो दिन की बारिश से रावण दहन कार्यक्रम प्रभावित रहा। दिन भर हुई बारिश के कारण मैदान जलमग्न था पर रावण दहन देखने को भीड़ उमड़ पड़ी। मेला समिति के स्वयंसेवकों और स्थानीय प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत की। विभिन्न प्रकार के पटाखों से सुसज्जित रावण के पुतले से निकलती रंग बिरंगी रोशनी वाली आतिशबाजी प्रकृति की चुनौतियों से लड़ती हुई आसमान में छटा बिखेर रही थी। रावण दहन कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष चंदेश्वर प्रताप सिंह एवं सचिव यतींद्र नारायण सिंह के द्वारा किया गया। रावण पुतला निर्माण से जुड़े विवेक कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, मोनेलाल पासवान दर्जनों कारीगर कि महीने दिन की अथक मेहनत के बाद पुतला निर्माण पूरा किया गया था

इस बार की रंगीन आतिशबाजी ने पूरे आकाश को रंगीन सितारों से जगमग कर दिया। रावण दहन कार्यक्रम के बाद देर रात तक मांडवीधाम परिसर में माँ मांडवी महारानी के दर्शन की भीड़ उमड़ती रही।

बारिश के साथ श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा के साथ माता की विदाई दी

प्रात: किरण, संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवार को देर रात रिमझिम बारिश के साथ श्रद्धालुओ ने पुष्पवर्षा के साथ माता की विदाई दी। विजया नगर में विजयादशमी पर ये नजारा दिखा। बारिश के बीच नगर के सुलतानपुर में बड़ी देवी जी व छोटी देवी जी के साथ खोईछा मिलन पूरे परंपरा के अनुसार किया गया। वही पेठिया बाजार काली स्थान में मां काली व बड़ी देवी का खोईछा मिलन हुआ। सुलतानपुर में बड़ी देवी की प्रतिमा कांधे पर लेकर श्रद्धालु छोटी देवी के पास पहुँचे। दोनों देवी के पहुँचते ही पुष्प वर्षा के साथ करतल ध्वनि व जयकारा से पुरा इलाका गुंजयमान हो उठा। जिसके बाद पूरे विधि विधान से पुरोहित बृज बिहारी मिश्र, प्रदीप्त व सिद्धार्थ भारद्वाज ने खोइछा मिलन व आरती कराया। जिसमें भारी संख्या में शामिल महिलाएं आरती व देवी भजन पर झुमते नजर आयी। माता की प्रतिमा को सबसे पहले महिलाओ ने कांधे पर उठा आगे बढी। बाद में युवाओ ने कांधे पर लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए। खोईछा मिलन का अदभूत नजारा देख महिलाओ आंखे छलक आयी। उधर प्राचीन कालीस्थान में मछुआटोली स्थित मां काली व पेठियाबाजार बड़ी देवी की प्रतिमा से प्राचीन परंपरा के अनुसार मिलन कराया गया। श्रद्धालू महिला एवं पुरूषों की भारी भीड़ जुटी रही। खोइछा मिलन का दृश्य देख महिलाओ के आंखे भर आयी। श्री श्री दक्षिणेश्वरी काली मंदिर पेठिया परिसर में श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। जय मां दुर्गे,जय जय काली के जयकारे से इलाका गुंजायमान हो उठा। मुख्य पुजारी बृज मोहन मिश्र ने मिलन सम्पन्न कराया।

वृद्धों का सम्मान ही समाज की असली पहचान है : अर्पणा बाला

प्रात: किरण, संवाददाता

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अन्तर्गत स्वायत्त संस्था के तत्वावधान में राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गुलजारबाग महारानी कॉलोनी स्थित वृद्धा आश्रम में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक ढंग से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के सचिव अर्पणा बाला ने दीपक के महत्व को समझाते हुए कहा कि जैसे दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, वैसे ही वृद्धजन अपने जीवन के अनुभव और ज्ञान से हमारी आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके जीवन में कभी अंधकार न आए। अर्पणा बाला ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह दिन हमें अपने संस्कार और जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला अवसर है। वृद्धजन केवल पारिवारिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन की भी जड़ें हैं। जिस प्रकार किसी वृक्ष की मजबूती उसकी जड़ों पर निर्भर होती है, उसी प्रकार समाज की प्रगति भी बुजुर्गों की छाया और आशीर्वाद पर टिकी होती है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को वृद्धों को बोझ नहीं समझना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज की नींव की ईंट मानकर उनका आदर करना चाहिए। उनके आशीर्वाद और अनुभव से ही समाज खुशहाल बन सकता है। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने माना कि वृद्धजन समाज की धरोहर हैं और उनके अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। उन्हें केवल आर्थिक और शारीरिक सुरक्षा ही नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारा और सामाजिक सम्मान भी मिलना चाहिए। कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि वृद्धाश्रमों में रहने वाले लोग अपने ही हैं और उन्हें परिवार की तरह स्नेह और अपनापन मिलना चाहिए। इस कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। पटना सिटी कार्यालय प्रभारी शाकम्भरी, अंशुमली, शिवम् जी सहाय, सुंदरम, मंजु देवी (पर्यावरण अध्यक्ष), ललिता देवी (चंडी वाहिनी अध्यक्ष), अनिता देवी, राखी देवी, संजय अलबेला, रामानन्द यादव, पूनम देवी (समाज सेविका), रानी (पर्यावरण शहरी अध्यक्ष), किरण देवी समेत कई सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर वृद्धजन सम्मान और सेवा की प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की सचिव अर्पणा बाला ने सभी सदस्यों, कार्यकताओं और आश्रम परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें रोजमर्रा के जीवन में भी वृद्धों के सम्मान और सेवा को अपनाना होगा। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस आयोजन को समाज में जागरूकता का माध्यम बताया।

एम्स पटना में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा को लेकर विभिन्न कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत पटना स्थित एम्स अस्पताल में भी कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चले इस स्वच्छता पखवाड़े के अंतिम दिन यानी 2 अक्टूबर को इस कार्यक्रम का समापन हुआ। अंतिम दिन स्वच्छ और हरित त्योहार और ोिख्क हं२३ी सामुदायिक उत्सवों पर खास फोकस दिया गया। कार्यक्रम में अस्पताल परिसर में कार्य कर रहे तमाम स्वच्छताकर्मी और स्वच्छाग्रही शामिल हुए। स्वच्छता के नारे लगाते हुए और सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए अस्पताल परिसर में एक रैली निकाली गई जिसमें तमाम स्वच्छताकर्मियों, नर्सिंग अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और अन्य कर्मचारियों के साथ साथ संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनूप कुमार, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित राज और डॉ. चांदनी सिन्हा, चीफ नर्सिंग ऑफिसर रथीस नायर और संस्थान के जन संपर्क अधिकारी असीम कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकारी निदेशक ने एक तरफ जहां अस्पताल के स्वच्छताकर्मियों की जमकर तारीफ की वहीं कहा कि अस्पताल में स्वच्छता केवल एक आवश्यकता नहीं बल्कि मरीजों की जीवन रक्षा और समाज की स्वास्थ्य सुरक्षा का मूल आधार भी है।

दानापुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। स्वच्छता पखवाड़ा -2025, 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। दानापुर मंडल के द्वारा इसके पहले बुधवार को स्वच्छता पखवाड़ा-2025 का शुभारंभ हुआ क स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत करते हुए दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार के नेतृत्व में मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधन विभाग के द्वारा स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया क जिसके अंतर्गत मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, दानापुर के प्रांगण में मंडल रेल प्रबंधक महोदय के द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता जागरूकता हेतु स्वच्छता शपथ दिलायी गयी।

स्वच्छता के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु स्वच्छता बैनर, पोस्टर तथा सेल्फी प्वांइट लगाया गया था, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार हुआ। इसके साथ ही दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों जैसे पटना जंक्शन, दानापुर , पाटलिपुत्र, राजेंद्रनगर टर्मिनल, पटना साहिब सहित अन्य स्टेशनों पर स्वछता शपथ एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया ताकि रेल यात्रियों, कर्मचारियों एवं आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके क इसी क्रम में दानापुर स्टेशन पर यात्रियों एवं कर्मचारियों के बीच नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

मेमू कार शेड, झाझा में भी श्रमदान का आयोजन किया गया। स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के अंतिम एवं स्वच्छता पखवाड़ा -2025 के दूसरे दिन दिनांक 02.10.2025 को स्वच्छता पखवाड़ा, विशेष अभियान 5.0 तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की जयंती को साथ साथ मनाया गया , सर्वप्रथम मंडल रेल प्रबंधक महोदय एवं शाखा अधिकारियों द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में महात्मा गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

बापू के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में दानापुर कॉलोनी में वृहद श्रमदान, मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधन विभाग के सहयोग से किया गया। दानापुर रेलवे स्कूल में आयोजित ड्राइंग, निबंध तथा कचरे से उपयोगी वस्तु बनाने वाली प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान देते हुए दानापुर मंडल के सभी कोचिंग डिपो द्वारा वेस्ट टू आर्ट के तहत बनाये गये वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा अवलोकन किया गया। साथ ही साथ दानापुर मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर प्रभात फेरी, श्रमदान के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये गये, जिसमें मंडल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने अपना अहम योगदान दिया।

इसी के साथ दिनांक 02.10.2025 को ही स्पेशल कैंपेनिंग 5.0 के अंतर्गत दानापुर मंडल के पाटलिपुत्र स्टेशन पर ल्ल३-८३३ी१ल्लॅ स्टीकर के माध्यम से यात्रियों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता का अभियान चलाया गया क पटना जंक्शन पर विशेष साफ -सफाई की गई तथा स्वच्छता का संदेश दिया गया क पाटलिपुत्र, बक्सर, राजेंद्र नगर स्टेशन पर यात्रियों द्वारा स्टेशन की साफ -सफाई की प्रतिक्रिया ली गई क राजगीर कोचिंग डिपो द्वारा वेस्ट टू आर्ट के अंतर्गत चिनाव रेल ब्रिज एवं राजेंद्र नगर कोचिंग डिपो द्वारा तेजस विमान का मॉडल बनाया गया। पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र स्टेशन में श्रमदान का आयोजन, पटना जंक्शन में चौपाल का आयोजन भी किया गया। पखवाड़ा के तीसरे दिन दिनांक 03.10.2025 को भी स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्पेशल कैंपेनिंग 5.0 के अंतर्गत संयुक्त रूप से दानापुर मंडल के झाझा, जमुई, किऊल, लखीसराय , मोकामा, बख्तियारपुर, पटना साहिब, पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर स्टेशनों एवं प्रशासनिक भावनाओं के कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधन विभाग द्वारा मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मशीनीकृत सघन सफाई सुनिश्चित की गई तथा स्टेशनों पर डस्टबिन की उपलब्धता , स्टेशनों के नाले तथा शौचालयों की व्यापक साफ सफाई सुनिश्चित की गई।

अक्षर आंचल योजना को और सशक्त बनाने की दिशा में लिया गया ऐतिहासिक निर्णय

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना को और सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस योजना के तहत कार्यरत 20,000 शिक्षा सेवक तथा 10,000 शिक्षा सेवक (तालीमी मरकज) को अब शिक्षण सामग्री मद में पूर्व निर्धारित राशि 3,405/- रुपये प्रतिवर्ष के स्थान पर 12,000/- रुपये प्रतिवर्ष (1,000/- रुपये प्रतिमाह) उपलब्ध कराई जाएगी। इससे प्रत्येक केन्द्र को 8,595/- रुपये की अतिरिक्त सहायता प्राप्त होगी। कुल 30,000 केन्द्रों पर इसका वार्षिक अतिरिक्त भार 25.7850 करोड़ रुपये होगा। साथ ही, शिक्षा की गुणवत्ता में तकनीकी सहयोग और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक शिक्षा सेवक / शिक्षा सेवक (तालीमी मरकज) को एकमुश्त 10,000/- रुपये की सहायता राशि स्मार्ट फोन क्रय के लिए स्वीकृत की गई है। इसके लिए 30,000 केन्द्रों पर कुल 30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान किया गया है। इस प्रकार दोनों मदों पर सरकार को कुल 55.7850 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार वहन करना पड़ेगा। यह निर्णय शिक्षा सेवकों को न केवल शिक्षण सामग्री के बेहतर उपयोग हेतु प्रोत्साहित करेगा, बल्कि डिजिटल गतिविधियों जैसे ऑनलाइन शिक्षण, छात्र उपस्थिति निगरानी और समुदाय के साथ संवाद को भी और अधिक सशक्त बनाएगा। राज्य सरकार का यह कदम शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता को नई ऊँचाई देगा तथा महादलित, दलित और अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग की शैक्षिक प्रगति में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

02 अक्टूबर से कोलकाता - नंगल डैम एक्स. का पटना साहिब स्टेशन पर ठहराव

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। कोलकाता से खुलकर नंगल डैम जाने वाली गाड़ी संख्या 12325 कोलकाता - नंगल डैम एक्स. का पटना साहिब स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया। पटना साहिब स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव का बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री नन्द किशोर यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सम्मानित प्रतिनिधिगण , मंडल के अधिकारीगण, कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में यात्री भी उपस्थित थे। इसी प्रकार से डाउन दिशा में गाड़ी संख्या 12326 नंगल डैम - कोलकाता एक्सप्रेस का दिनांक 05.10.2025 से पटना साहिब स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। पटना साहिब स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव से यात्रियों एवं स्थानीय लोगों के बीच हर्ष का माहौल है। पटना साहिब स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव के मिल जाने से सिख धर्म के अनुयायियों को उनके प्रमुख धार्मिक स्थल पटना साहिब गुरुद्वारा के निकटतम स्टेशन से ट्रेन को पकड़ने में विशेष सुविधा होगी।

पटना में मखाना महोत्सव में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

शिवराज सिंह पटना में रबी कार्यशाला व कृषि सलाहकार संवाद में भी करेंगे सहभागिता

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना/नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 4 अक्टूबर को पटना (बिहार) के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान शिवराज सिंह पटना में मखाना महोत्सव में शामिल होंगे, वहीं रबी कार्यशाला एवं कृषि सलाहकार संवाद कार्यक्रम में भी सहभागिता करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पटना प्रवास, बिहार राज्य में कृषि विकास और नवाचार की दिशा में एक और अहम कदम है। शिवराज सिंह 4 अक्टूबर, शनिवार को सुबह 10.10 बजे दिल्ली से रवाना होकर 11.55 बजे पटना पहुंचेंगे। वे दोपहर 12.30 बजे गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन पहुंचकर पौधारोपण कार्यक्रम में भागीदारी करेंगे। तत्पश्चात, दोपहर 1 से 2 बजे तक मखाना महोत्सव में शिरकत करेंगे, जिसमें बिहार के ह्यमखानाह्ण उत्पाद की वृद्धि और किसानों की आय संवर्धन पर विचार-विमर्श किया जाएगा। शिवराज सिंह दोपहर ढाई बजे से बापू सभागार-गांधी मैदान में रबी कार्यशाला एवं कृषि सलाहकार संवाद कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे, जिसमें किसान भाई-बहन तथा कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के सदस्य भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), नवाचार एवं कृषि योजनाओं पर चर्चा के साथ ही बिहार के किसानों की उत्पादकता बढ़ाने की विशेष रणनीतियों पर भी विविध संवाद-सत्र एवं बैठकें आयोजित होंगी।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./टेली/2025/13

दानापुर, दि. 29.09.2025 भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं :– **1. कार्य का नाम एवं स्थान :** दानापुर मंडल के अंतर्गत पटना स्टेशन पर वीडियो निगरानी प्रणाली (VSS) के साथ एकीकृत एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) आधारित फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (FRS) सीसीटीवी प्रणाली के प्रावधान हेतु कार्य। **2. अनुमानित लागत :** रूपये 41542592.32, **3. बयाना राशि:** 357700.00, **4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 21.10.2025 को 15:00 बजे तक। **5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 21.10.2025 को 15:00 बजे। **6. वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in, 7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर। **नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

स० सं० एवं दूर सं० अभि० /दानापुर

पीआर/1075/डीएनआर/एस एण्ड टी/टी/25–26/36

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा सूचना

ई–खुली निविदा संख्या :–ईसीआर–एसएनटी–ओटी–215ए–2025–26

मुहरबंद निविदाएं भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य निष्पादन हेतु आमंत्रित किया जाता है।, **क्र.सं. (i) विवरण: कार्य का नाम एवं स्थान और कार्य पूर्ण करने की अवधि : टिपण्णी–**पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में बेगूसराय (बीजीएस को छोड़कर) से कटिहार (केआईआर को छोड़कर) खंड (161 किमी) में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग का डिजाइन निर्माण, आपूर्ति, स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग। **मंडल :** सोनपुर, पूर्णता अवधि 24 महीने। **(ii) अनुमानित लागत : रूपये** 265,97,08,403.01 (दो सौ पैंसठ करोड़ सन्तानवे लाख आठ हजार चार सौ तीन रूपये और एक पैसे मात्र) **(iii) अग्रधन जो जमा करना है :** एक करोड़ **(iv) निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय खोलने की तिथि एवं समय :** 30.10.2025 अपराह्न 14.00 तक एवं 30.10.2025 अपराह्न 14.30 बजे।, **(v) वेबसाईट एवं सूचना पट्ट का विवरण जहाँ से निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सके : www.ireps.gov.in,** प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता/पूर्व मध्य रेल/हाजीपुर का कार्यालय सूचना पट्ट एवं उप –मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (कार्य)/पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के कार्यालय सूचना पट पर देखा जा सकता है।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (कार्य)/ पूर्व मध्य रेल/हाजीपुर

पीआर / 1074 / एचक्यू / एस एण्ड टी / टी / 25-26 / 40

गांधी मैदान में हुआ रावण वध : कार्यक्रम में शामिल हुये राज्यपाल व मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर राज्य में शांति एवं सौहार्द्र कायम रखने का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को पटना के गाँधी मैदान में बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयादशमी के मौके पर श्री रामलीला महोत्सव एवं रावणवध समारोह-2025 का दीप प्रज्जवलित कर विधिवत उद्घाटन किया। श्रीकृष्ण स्मारक समिति, कला संस्कृति एवं युवा विभाग तथा श्री श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस रावण दहन कार्यक्रम में सबसे पहले आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं धार्मिक पुस्तक भेंट कर किया गया। मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर राज्य में शांति एवं सौहार्द्र कायम रखने का संदेश दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने श्रीराम एवं श्री लक्ष्मण के स्वरूप की आरती की। तत्पश्चात बारी-बारी से बुराई के प्रतीक कुंभकरण, मेघनाद एवं रावण का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ गोपाल सिंह, आयुक्त पटना प्रमण्डल डॉ चन्द्रशेखर सिंह, पुलिस महानिरीक्षक पटना प्रक्षेत्र जितेन्द्र राणा, जिलाधिकारी पटना डॉ त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय शर्मा, पटना नगर निगम के आयुक्त अनिमेश पराशर, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के महासचिव अरविन्द कुमार, श्री श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट के चेयरमैन कमल नोपानी, अध्यक्ष अरूण कुमार, संयोजक श्री मुकेश नंदन सहित श्री श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट के सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के गाँधी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विशाल आदमकद प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, विधायक अरूण कुमार सिन्हा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विकास आयुक्त डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, आयुक्त पटना प्रमंडल डॉ चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेन्द्र राणा, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के महासचिव अरविंद कुमार सिंह सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन, कीर्तन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीतों का गायन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने गांधी जी की वेशभूषा में पधारे सुरेश कुमार हज्जू से भी मुलाकात की।

महागठबंधन स्वार्थ एवं परिवार के लिए गठबंधन है : जदयू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने बिहार में विपक्षी महागठबंधन पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर हो रही खींचतान ने विपक्षी दलों के असली चेहरे को उजागर कर दिया है। अब साफ हो गया है कि इस गठबंधन की प्राथमिकता जनता की भलाई नहीं बल्कि व्यक्तिगत लाभ और सत्ता का लालच है। उन्होंने कहा कि आरजेडी जो पिछली बार 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इस बार 135 सीटों से कम पर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। कांग्रेस भी 70 सीटों पर अडी हुई है। जबकि नए सहयोगी वीआईपी ने 15-20 सीटों का दावा किया है और वाम दल भाकपा माले 40 सीटों की मांग कर रहा है। जेएमएम और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पारस गुट) भी सम्मानजनक सीटों की दावेदारी कर रहे हैं।

इस पूरी खींचतान से यह साफ हो गया है कि महागठबंधन में नेताओं के व्यक्तिगत स्वार्थ और सीटों की लालसा ही निर्णायक है, न कि जनता के मुद्दे या बिहार का विकास। जनता सवाल कर रही है कि जब गठबंधन के नेता खुद सीटों और पदों की लड़ाई में उलझे हुए हैं, तो उनके वादे, घोषणाएँ और विकास के दावे कितने भरोसेमंद हैं?

तेलहन, दलहन और गेंहूँ उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर

- उद्यानिक फसलों और जलवायु अनुकूल कृषि हेतु नई पहल : विजय
- कृषि विभाग की 9 योजनाओं को मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में कृषि विभाग की 9 महत्त्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि इन योजनाओं की स्वीकृति से राज्य के किसानों को न केवल नई तकनीक और संसाधनों का लाभ मिलेगा, बल्कि कृषि क्षेत्र में उत्पादन, विविधीकरण और सतत विकास की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार कृषि विभागीय आशुलिपिक संवर्ग नियमावली, 2025 के आलोक में विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु 218 नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। इससे विभाग की कार्यक्षमता और बेहतर होगी। कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कई योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। तेलहनी फसलों को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय खाद्य तेल-तेलहन मिशन अंतर्गत 25.85 करोड़ रुपये तथा दलहन फसलों के लिए रबी मौसम में मसूर उत्पादन कार्यक्रम हेतु 95.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार रबी में गेहूँ बीज विस्थापन दर बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 36 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वर्षा आधारित क्षेत्रों के विकास हेतु रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (फअऊ) योजना के लिए 34.46 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं उद्यानिक फसलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष हस्तक्षेप योजना के तहत 38.26 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। कृषि अवसंरचना के विकास हेतु भी महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। लखीसराय के कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर के आधुनिकीकरण एवं समुचित विकास के लिए 41.71 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इसके अलावा जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने हेतु राज्य स्कीम मद से 31.25 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से राज्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय वृद्धि, कृषि में तकनीकी उन्नति और बाजार ढाँचे का आधुनिकीकरण सुनिश्चित होगा। बिहार सरकार किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर सहमति जल्द : तेजस्वी

- नेता प्रतिपक्ष ने जदयू विधायक डॉ. संजीव के राजद में शामिल होने का किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने जदयू विधायक डॉ. संजीव के राजद में शामिल होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण वह खुद मौके पर नहीं पहुंच पाए, लेकिन ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित किया। तेजस्वी ने कहा कि डॉ. संजीव को हमने ऑनलाइन सदस्यता दिलाई है। वह हमारी पार्टी में शामिल हुए हैं, हम उनका स्वागत करते हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या और भी एनडीए विधायक राजद में शामिल होंगे, तो तेजस्वी ने कहा कि बहुत लोग इच्छुक हैं राजद में आने के लिए। जैसे-जैसे सबकुछ तय होगा, आप लोगों को सूचित कर दिया जाएगा। इसमें कोई छुपाने वाली बात नहीं है, सबके सामने खुलासा होगा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे पर तेजस्वी ने कहा कि जल्द ही सहमति बन जाएगी। महागठबंधन में सीटों का बंटवारा बहुत जल्दी हो जाएगा और इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी। चुनाव आयोग की बैठक को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह उनकी नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने इस पर ज्यादा टिप्पणी करने से इनकार किया। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हालिया घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पार्टी का एकमात्र एजेंडा अफवाह फैलाना, झूठ फैलाना, नफरत फैलाना और दंगा-फसाद करना है, यही चाल और चरित्र है।

कांग्रेस नेता उदित राज के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर दिए गए बयान को लेकर तेजस्वी ने कहा कि इस पर वह कुछ नहीं कहेंगे। हालाकि, तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अभी तक आरएसएस का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की युवाओं से प्रस्तावित वर्चुअल मीटिंग को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि काम कब करेंगे? मन की बात, दिल की बात और चुनाव की बात ही करेंगे। जब चुनाव आता है तो बातें करते हैं, चुनाव खत्म होता है तो कोई बात नहीं करते। बेरोजगारी सबसे ज्यादा बिहार में है, लेकिन उस पर कभी एक शब्द भी नहीं कहा।

बिहार चुनाव सह-प्रभारी बनने के बाद पटना पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य

- कहा- हर सवाल का जवाब विधानसभा चुनाव में देगी बिहार की जनत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बिहार विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी बनने के बाद शुक्रवार को पहली बार पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस बीच, केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए कहा कि जनता हर सवाल का जवाब वोट के जरिए देगी। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एआईएमआईएम के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी के आरोपों पर जवाब दिया।

आई लव मोहम्मद पर ओवैसी के सवालों को लेकर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, बिहार की जनता हर सवाल का जवाब विधानसभा चुनाव में देगी। बिहार के इतिहास में एनडीए की अब तक की जितनी बड़ी विजय हुई है, उससे बड़ी विजय 2025 के चुनाव में होगी। संभल में प्रशासन की कार्रवाई पर उन्होंने कहा, अवैध तरीके से कब्जाई गई चीजों की जांच कराई जाती है और तब नोटिस दिया जाता है। जो समझदार लोग हैं, वे सरकार की कार्रवाई से पहले ही अपना काम कर लेते हैं। गैर कानूनी काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस दौरान केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता उदित राज पर पलटवार किया, जिन्होंने आरएसएस पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

मौर्य ने कहा, उनके (उदित राज) नेता राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र पर बयान देते हैं। इसी संविधान और लोकतंत्र के बल पर वे नेता विपक्ष हैं। तीन-तीन राज्यों में उनकी सरकारें हैं। कुछ राज्यों में सरकार के साथ कांग्रेस का गठबंधन है। वे सभी इसी संविधान और लोकतंत्र के बलबूते जीते हैं। यह अनर्गल प्रलाप करना ही कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों का आचरण है।

उन्होंने आगे कहा, हर सवाल का जवाब जनता देती है। हमको सिर्फ जनता के बीच रहना है और जनता का आशीर्वाद लेना है। भाजपा प्रगति के पथ पर चल रही है। देश में तीसरी बार सरकार चल रही है और आगे भी चलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है।

जयंती पर मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ मनायी गयी तथा उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। पटना के शास्त्रीनगर पार्क में राजकीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शास्त्रीनगर पार्क में स्थापित स्व लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर विधान पार्षद राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विकास आयुक्त डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, आयुक्त पटना प्रमंडल डॉ चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेन्द्र राणा, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के महासचिव अरविंद कुमार सिंह सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने स्व लाल बहादुर शास्त्री की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

अनर्गल आरोपों से मेरी राजनीति को खत्म करने की साजिश नहीं होगी सफल : अशोक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए आमजन की समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान हेतु आवश्यक पहल की। साथ ही, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उक्त मौके पर प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी भी मौजूद रहे।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अनर्गल और आधारहीन आरोप लगाकर मेरी राजनीति को खत्म करने की साजिश कभी सफल नहीं होने वाली है। चुनाव नजदीक है, इसलिए जनता के अदालत में सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरा जीवन खुली किताब की तरह है और मेरी संपत्ति का प्रत्येक विवरण सार्वजनिक रूप से घोषित है। ऐसे में जनता किसी के बहकावे में नहीं आने वाली है। श्री चौधरी ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना प्रदेश की महिलाओं के जीवन में स्थायित्व लाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में देश की ऐसी पहली योजना है, जिसके तहत प्रदेश के प्रत्येक परिवार की एक महिला को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने कोई चेहरा टिकने वाला नहीं है और प्रदेश की 14 करोड़ जनता का विश्वास और स्नेह उनके प्रति अटूट है।

सख्ती : सूबे में साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई का हुआ गठन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में साइबर अपराध के तेजी से बढ़ते मामलों की समुचित तरीके से जांच करने और संबंधित अपराधियों को सजा दिलाने के लिए एक अलग साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई का गठन किया गया है। वर्तमान में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के अंतर्गत कार्यरत इस इकाई को अलग कर दिया गया है। यह सीधे पुलिस मुख्यालय के अधीन काम करेगा। इसके संचालन के लिए 23 नए पदों का सृजन किया गया है और पूर्व से सृजित एवं विमुक्त विभिन्न कोटि के 321 पदों को कर्णांकित तथा 207 पदों को हस्तांतरित किए जाने की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा किसी तरह की अपराधिक गतिविधि से जमा की गई अपराधियों या भ्रष्टचारियों के स्तर पर जमा की गई संपत्ति को जब्त करने के लिए नए कानून के तहत विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत नियमावली का गठन किया गया है। बिहार में आपराधिक न्यायालयों और दंडाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई संपत्ति जब्ती के प्रस्तावों पर विचारण, जांच और अन्वेषण करने के लिए खास नियमावली तैयार की गई है। ताकि संपत्ति जब्ती की प्रक्रिया को तेज किया जा सके। फैंस पवन सिंह के बीजेपी ज्वाइन करने से बहुत खुश हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह भैया बिहार चुनाव में मजा आने वाला है।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पहनाया गया अमलीजामा: पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले कुछ महीनों में जनकल्याणकारी और कर्मियों को लाभ पहुंचाने से संबंधित जो भी घोषणाएं की गई हैं, उन्हें अमलीजामा पहनाने के लिए कैबिनेट में खासतौर से निर्णय लिए गए हैं। इन्हें मूर्तरूप देने या धरातल पर उतारने के लिए कैबिनेट में अलग-अलग राशि दी गई है। इसके तहत मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के अंतर्गत संचालित अल्पवास गृहों को शक्ति सदन में परिवर्तित कर संचालित करने के लिए 250 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। मुख्यमंत्री बालक/बालिका छात्रवृत्ति योजना के तहत राशि में बढ़ोतरी करते हुए 1800 रुपये वार्षिक से बढ़ाकर 3600 कर दी गई है। यह वार्षिक बढ़ोतरी क्लास 9 से 10 तक के लिए की गई है। इसी तरह क्लास 1 से 4 तक के लिए 600 रुपये से बढ़ाकर 1200 वार्षिक, 5 से 6 क्लास के लिए 1200 से 2400 रुपये और क्लास 7 एवं 8 के लिए 1800 से बढ़ाकर 3600 रुपये वार्षिक कर दी गई है। सात निश्चय के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल के अंतर्गत मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत अब स्नातक उतीर्ण को शामिल करते हुए 1 हजार रुपये मासिक दो वर्षों तक स्वयं सहाय भत्ता दिया जाएगा। पहले यह राशि सिर्फ इंटर पास युवाओं को ही दी जाती थी। अधिवक्ताओं को तीन वर्ष तक 5 हजार रुपये महीने स्टाइपन देने पर कैबिनेट की मुहर लगाई। 1 जनवरी 2024 को या इसके बाद नामांकित अधिवक्ताओं को यह राशि दी जाएगी। राज्य के अधिवक्ता संघों को ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके लिए बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को एकमुश्त सहायता के लिए 30 करोड़ रुपये दी जाएगी। इसके लिए समग्र नीति तैयार की गई है। बिहार स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अहम संशोधन किए गए हैं। इसके तहत मुख्य बिन्दुओं में अधिकतम 4 लाख रुपये का शिक्षा ऋण को ब्याज रहित कर दिया गया है। साथ ही 2 लाख रुपये तक के ऋण के भुगतान के लिए समयावधि को 60 महीने से बढ़ाकर 84 महीने कर दी गई है। इसके अलावा 2 लाख रुपये से अधिक के शिक्षा ऋण की देय अवधि को 84 महीने से बढ़ाकर 120 महीने कर दी गई है। लाभुक की मृत्यु होने की स्थिति में बची हुई राशि का ऋण माफ कर दिया जाएगा। महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के तहत कार्यरत शिक्षा सेवक या तालिमी मरकज तो प्रतिवर्ष दी जाने वाली राशि को 3405 रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दी गई है। स्मार्ट फोन खरीदने के लिए 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। आपात सहायक तंत्र परियोजना के तहत चलने वाले वाहनों के परिचालन कार्य के लिए आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन एजेंसी से सेना के रिटायर्ड चालकों की स्वीकृत मानदेय की राशि को 25 हजार 750 रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये मासिक करने की स्वीकृति दी गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के तहत बहाल विकास मित्रों को टैबलेट खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके लिए 24 करोड़ 54 लाख 25 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। 1 सितंबर 2025 के प्रभाव से परिवहन भत्ता एवं स्टेशनरी भत्ता में भी बढ़ोतरी करते हुए इसे क्रमशः 1900 से 2500 तथा 900 से 1500 रुपये कर दी गई है। शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान सुदृढ़ करने के लिए संविदागत एएनएम कर्मियों का मानदेय 11,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह करने और 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि का प्रावधान करने की स्वीकृति दी।

कैबिनेट की अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं

- कैबिनेट ने पेंशनधारियों के वार्षिक जीवन प्रमाणीकरण को सरल बनाने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेन्स सर्विसेस इंडिया लिमिटेड को इसके सत्यापन स्थल के तौर पर चयनित करने का निर्णय लिया, जिससे पेंशनधारी निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर पर मुफ्त प्रमाणीकरण करा सकेंगे।
- बिहार प्रशासनिक सेवा नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई है।
- मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छात्र योजना संबल के अंतर्गत बैट्री चालित ट्राइसाइकिल के प्रावधानों तथा कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण के प्रकार एवं उनकी संख्या में विस्तारीकरण एवं प्रावधानों में संशोधन किया गया है। इसके लिए 8 करोड़ 11 लाख 57 हजार रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति दी गई है।

निवेशक शिक्षा और जागरूकता अभियान

म्यूच्युअल फ़ंड्स के बारे में और अधिक जानने के लिए इसमें अवश्य भाग लें.

दिनांक तथा स्थान :

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025; शाम 6:00 से 9:00 बजे तक.
द बुद्ध रीजेंसी, मेन रोड, जवाहर नगर, नवादा - 805 110, बिहार.
रजिस्ट्रेशन कराने के लिए, कृपया संपर्क करे: मनीष कुमार, मोबाइल: 87090 86305.
रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है. रजिस्ट्रेशन का समय सुबह 9:30 से शाम 5:00 बजे तक होगा.
वॉक-इन की अनुमति नहीं दी जाएगी.

HDFC MUTUAL FUND
BHAROSA APNO KA
An Investor Education and Awareness Initiative

म्यूच्युअल फंड में निवेश करने के लिए, वन टाइम KYC की आवश्यकता को पूरा करने की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी हेतु https://www.hdfcfund.com/information/key-know-how पर विजिट करें. निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूच्युअल फंड्स में निवेश करना चाहिए, जिनके विवरण का सत्यापन सेबी की वेबसाइट (www.sebi.gov.in/intermediaries.html) पर किया जा सकता है. किसी पूछताछ, शिकायत तथा समस्या के समाधान के लिए निवेशक एएमसीज़ तथा/या निवेशक संपर्क अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं. इसके साथ ही, निवेशक एएमसीज़ को सीधे भी शिकायत कर सकते हैं, अगर वे एएमसीज़ द्वारा दिए गए समाधान से संतुष्ट न हों तो वे स्कोर्स पोर्टल https://scores.sebi.gov.in पर भी शिकायत कर सकते हैं. स्कोर्स पोर्टल निवेशकों को सेबी को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने तथा तत्पश्चात इसकी स्थिति को देखने की सुविधा प्रदान करता है. अगर निवेशक सीधे एएमसीज़ से की गई या स्कोर्स पोर्टल के ज़रिए दर्ज शिकायतों पर समाधान से संतुष्ट न हों तो वह स्मार्ट ओडीआर पर https://smartodr.in/login शिकायत दर्ज कर सकता है.

म्युचुअल फंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ों को ध्यान से पढ़ें।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न,कई स्थानों पर हुआ रावण दहन

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। पूजा पंडाल की निगरानी सीसीटीवी कैमरा ,वोलेंटियर, प्रशासनिक कर्मियों के द्वारा किया जा रहा था।नरहन, सिंघिया घाट सहित कई जगहों पर माता की प्रतिमा का विसर्जन किया गया है। वहीं कई जगहों पर प्रतिमा का विसर्जन पूर्णिमा को होगी। वहीं प्रखंड के कल्याणपुर उत्तर पंचायत के दैता पोखर, मुस्तफापुर, माधोपुर में शांतिपूर्ण माहौल में रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सत्य-अहिंसा के महान पुजारी थे महात्मा गांधी

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित गांधी-अम्बेडकर स्मारक संरक्षण समिति द्वारा प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निमार्ता भीमराव अंबेडकर आदमकद प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण किया। तत्पश्चात प्रखंड पंचायत समिति के सभागार में गांधीजी एवम शास्त्रीजी के जीवन एवम दर्शन पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. रामबहादुर सिंह एवं संचालन पूर्व जिला पार्षद कृष्णदेव प्रसाद सिंह कर रहे थे। संगोष्ठी को डॉ. राजीव कुमार, प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी, अंचलाधिकारी रंधीर रमण, समिति के अध्यक्ष दिलीप नारायण सिंह उर्फ पप्पू, सचिव श्याम किशोर कुशवाहा, मनोरंजन प्रसाद मिश्र, ज्योति कुमार,राम बहादुर सिंह, सत्यनारायण राय, डॉ. रामाशीष सिंह, चंदन कुमार राय, राजबली राय,हरेराम दास, लक्ष्मी नारायण सिंह, विनय भूषण, विशेश्वर महतो,राम सुरेश प्रसाद, विनय कुमार राय, राम कुमार महतो आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि सत्य-अहिंसा के महान पुजारी थे महात्मा गांधी वही सादगी के प्रतीक थे पूर्व पीएम शास्त्री। मौके पर सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद थे। वहीं कांग्रेस प्रखंड कार्यालय परिसर कल्याणपुर में कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कपिलेश्वर कुंवर के नेतृत्व में गांधी जयंती मनाई गई। वहीं जनसुराज के अविता कुमारी के नेतृत्व में गांधी जयंती मनाई गई। जहां उपस्थित लोगों ने गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके अलावे राजद द्वारा भी गांधी जयंती मनाई गई।

वृद्धाश्रम सह अनाथ आश्रम का हुआ उद्घाटन

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत कद्दियाही चौक के बगल में महर्षि मेंहीं वृद्धाश्रम सह अनाथ आश्रम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समाजसेवी राजीव रंजन, स्वामी निर्मलानंद महाराज, पूर्व जिला पार्षद रामदेव राय आदि ने दीप जलाकर किया। मौके पर स्वामी ध्यान चंदन देव, जिला पार्षद अमन पराशर,राम सुदित सुधांशु,मदन कुमार, अंकित कुमार,अनीश कुमार, राजेश रंजन सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

तैयारी पूरी आज शुरू होगी दंगल कुश्ती, राष्ट्रीय स्तर के जुटेंगे पुरुष व महिला पहलवान

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर उत्तर पंचायत स्थित दैता पोखर भीम अखाड़ा के प्रांगण में आज से शुरू होने वाली दंगल कुश्ती प्रतियोगिता की तैयारी पूरी कर ली गई है इस दंगल कुश्ती प्रतियोगिता में देश स्तर के महिला एवं पुरुष पहलवान अपना अपना दांव लगाकर कर्तव्य दिखाएंगे।बता दें कि इस दो दिवसीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता 4 और 5 अक्टूबर को होगी। फाइनल मुकाबला भी 5 अक्टूबर को ही होगा। उक्त बात की जानकारी भीम अखाड़ा दंगल कुश्ती समिति के अध्यक्ष रामनाथ राय ने दी है। मौके पर कमल पहलवान, रामप्रीत पहलवान,लखन पहलवान, कमलाकांत पहलवान, पूर्व मुखिया रणवीर कुमार विनोद, रंजीत कुमार पोद्दार, रंजीत कुमार राय,पूजा कमिटी का अध्यक्ष राम प्रवेश राय,सतीश झा, कल्याणपुर दक्षिण का मुखिया संजय निराला,अमर कुमार चौधरी,सरपंच प्रतिनिधि दयानंद शर्मा आदि मौजूद थे।

मधुबनी नगर भवन में होगा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

मधुबनी मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत लाभुक महिलाओं को प्रथम किस्त के रूप में 10,000 की राशि सीधे उनके बैंक खाते में दी जाएगी। इसके साथ ही भविष्य में उन्हें 2 लाख तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने 20 विवाह मंडपों, 45 पंचायत सरकार भवनों का किया शिलान्यास और 28 का लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ऑनलाइन माध्यम के जरिये मुजफ्फरपुर जिले में विकास की नई गाथा लिखी। उन्होंने जिले मे 28 पंचायत सरकार भवनों का लोकार्पण, 45 पंचायत सरकार भवनों का शिलान्यास तथा 20 मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जिला से लेकर प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर समारोह आयोजित किये गये और लाइव वेबकास्टिंग के जरिये जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजनों ने कार्यक्रम की सीधी झलक देखी। बताते चलें किमुख्यमंत्री महिला संवाद कार्यक्रम में राज्य सरकार ने विभिन्न पंचायतों में महिलाओं से संवाद स्थापित किया था। इस संवाद के दौरान महिलाओं ने विवाह मंडपों की आवश्यकता बताई थी ।महिलाओं द्वारा दिये गये इस सुझाव को सरकार ने गंभीरता से लिया और मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना का शुभारंभ किया गया।इस योजना के तहत प्रत्येक विवाह मंडप लगभग 13200 वर्गफुट क्षेत्रफल में ग्राम पंचायत स्तर पर निर्मित होंगे। मंडपों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी जीविका समूहों को सौंपी जायेगी। इससे न केवल महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ठोस कदम सिद्ध होगा। प्रथम चरण में जिले के 10 प्रखंडों के 20 पंचायतों में विवाह मंडपों का निर्माण किया जायेगा। इनमें बोचहा प्रखंड के मैदापुर, सर्फुद्दीनपुर,कटरा प्रखंडः हथौड़ी, पहसौल, सकरा प्रखंडः पैगंबरपुर, जगदीशपुर बघनगरी, मड़वन, बिशुनपुर बघनगरी, केशोपुर,मुसहरी प्रखंडः नरौली पंचायत, कुढ़नी प्रखंडः मोहम्मदपुर मोबारक, पकाही, किनारू,साहेबगंज प्रखंडः हुस्सेपुर, मुरौल प्रखंडः महम्मदपुर बदल, इटहां रसूलनगर, बिशुनपुर श्रीराम,पारू प्रखंडः चक्की सोहागपुर,मोतीपुर प्रखंडः महमदपुर बलमी,सरैया प्रखंडः रेपुरा, रामपुर विश्वनाथ शामिल हैं !

विवाह मंडपों का उपयोग केवल शादी समारोह तक सीमित नहीं रहेगा। ये मंडप सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। यहां ग्राम सभाएं, महिला स्वयं-सहायता समूहों की बैठकें, युवा मंडलों के कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन, जागरूकता अभियान और अन्य सामुदायिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। सरकार का यह कदम ग्रामीण समाज में सहभागिता, सहयोग और एकजुटता की भावना को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अब न्यूनतम खर्च में सम्मानपूर्वक एवं सुव्यवस्थित आयोजन करने का अवसर मिलेगा। विशेषकर गरीब, वंचित और मध्यमवर्गीय परिवारों को सामाजिक आयोजनों के लिए अब निजी भवनों या अस्थायी पंडालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह पहल उनकी गरिमा और आत्मसम्मान को और ऊंचाई प्रदान करेगी ।जिलाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन ने कहा है कि विवाह मंडपों का निर्माण पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। उन्होने कहा कि जिन पंचायत सरकार भवनों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया, वे ग्रामीण प्रशासन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। पंचायत सरकार भवनों के जरिये पंचायत स्तर पर सभी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, आमजन की समस्याओं का समाधान और ग्रामीण विकास से संबंधित बैठकों का आयोजन अधिक सुव्यवस्थित ढंग से हो सकेगा ।मुजफ्फरपुर जिले में एक साथ 20 विवाह मंडपों का शिलान्यास और 28 पंचायत सरकार भवनों का लोकार्पण निश्चित रूप से विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। यह कदम न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि ग्रामीण समाज की एकजुटता और सहयोग की भावना को भी नई दिशा प्रदान करेगा। का मुख्य समारोह समाहरणालय सभागार में आयोजित हुआ, जहां केंद्रीय मंत्री- सह- सांसद डॉ. राजभूषण चौधरी, विधायक विजेंद्र चौधरी, विधायक रामसूरत राय, जिला परिषद की अध्यक्षा, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, उपविकास आयुक्त श्री श्रेष्ठ अनुपम समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

दशहरा मेले में विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने के आरोप में 12 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। दशहरा मेले को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जिले में पुख्ता इंतजाम किए गए थे ।जिले के शहरी क्षेत्र में असामाजिक व अराजक तत्वों,नियमों का उल्लंघन करने,चेन स्नेचिंग, छिनतई, आदि की घटना को रोकने हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक, नगर के अनुश्रवण में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित टीम में शहरी क्षेत्र के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक एवं थानाध्यक्षों को शामिल किया गया था। गठित टीम द्वारा बुधवार की संध्या में शहर के अहियापुर थानांतर्गत जीरो माईल चौक के पास विधि-व्यवस्था में समस्या उत्पन्न करने, यातायात नियमों का अनुपालन नहीं करने, प्रतिनियुक्त पुलिस बल के साथ अभद्रता एवं शराब सेवन के आरोप में अर्निस कुमार (जियालाल चौक) . आदित्य कुमार, सुभम कुमार, अमन कुमार(आखाड़ा घाट), चारों थाना अहियापुर, वैभव कुमार, ग्राम महरौली ,थाना-औराई को वाहन सहित गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में अहियापुर थाना कांड सं०-1344/25 दर्ज किया गया। गठित टीम द्वारा पुनः गुरुवार को अहियापुर थानांतर्गत आदित्य विजन के पास विधि-व्यवस्था में समस्या उत्पन्न करने एवं शराब सेवन के आरोप में अभियुक्त अनिकेत कुमार (चन्द्रवारा बॉध रोड घाट), अनिकेत केजरीवाल, (माई स्थान) दोनों थाना-अहियापुर, जिला-मुजफ्फरपुर गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में अहियापुर थाना कांड सं०-1345/25 दर्ज किया गया। अखाड़ाघाट पूजन पंडाल के पास विधि-व्यवस्था में समस्या उत्पन्न करने एवं शराब सेवन के आरोप में अभियुक्त अंशु कुमार, (ईश्वर पट्टी) , सुमन कुमार (मिठनसराय) आकाश कुमार (विजय छपरा), तीनों थाना-अहियापुर, अभिजीत कुमार,(कदमा) थाना-राजेपुर, और किशन कुमार को गिरफ्तार किया गया है को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भमें अहियापुर थाना कांड सं०-1346/25 दर्ज किया गया है। इनके पास से स्कार्पियो,शराब और छिनतई के 7 मोबाईल जब्त किए गये हैं। गिरफ्तार किशन कुमार का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उपरोक्त जानकारी एसडीपीओ टाउन विनिता सिन्हा ने एक पत्रकार वार्ता में दी है।

तीन दिनों की बारिश से धान की हुई व्यापक क्षति

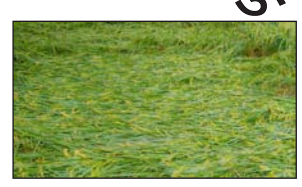

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट और बंदरा,कटरा , औराई ,सकरा प्रखंड क्षेत्र में में हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों के उम्मीदों पर भारी पानी फेर दिया गया। गुरुवार सुबह आठ बजे तक ही तेज हवा और बारिश के कारण सैकड़ों एकड़ में लगे धान की फसल बर्बाद हो होने के कगार पर पहुंच गय यी है। धान की बालियां पानी में डूब जाने के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बखरी पंचायत के पकड़ी गांव के किसान सुबोध कुमार राय ने बताया की उनका धान का फसल पक कर तैयार था बीते दो दिनों से कटनी करवा रहे थे। बताया कि खेत में कटा हुआ फसल पानी में डूब गया। धान की खेती करने में हजारों रुपए की लागत आई थी। जो सभी बर्बाद हो गया। ओर आगामी फसल भी जैसे तेलहन दलहन की खेती नहीं हो पाएगा। कहा कि इस सीजन का सबसे ज्यादा बारिश हुई है। मानसून के अंत में हुई तेज बारिश के कारण गायघाट और बंदरा प्रखंड के सभी पंचायत के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। जदयू के जिला उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि तेज बारिश के कारण किसानों को नुकसान हुआ है। उन्होंने कृषि विभाग के द्वारा क्षेत्र में घूम कर जांच कराने की मांग किया है। उधर,, औराई, कटरा, सकरा, मुरौल सहित कई प्रखंडों में गुरुवार को हुई मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की कमर तोड़ दी। बुधवार की रात से गुरुवार की सुबह तक रुकरुक कर लगातार हुई बारिश के कारण धान की फसलें बबार्दी की कगार पर पहुंच गईं ।खेतों में खड़ी और कटाई के लिए रखी गई धान की बालियां पानी में डूब गईं ।है जिससे किसानों को बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। किसानों का कहना है कि धान की फसलें पक कर तैयार थीं और कई जगह पिछले दो दिनों से कटाई का काम चल रहा था, लेकिन बारिश ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया ।किसानों का कहना है कि धान की खेती में हजारों रुपए की लागत आई थी, जो अब डूब गई है।

विधायक ने किया प्रेस क्लब भवन निर्माण का शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में थाना और हास्पीटल गेट के बगल में लगभग 15 लाख की लागत से बनने वाली प्रेस क्लब भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास विभूतिपुर विधायक अजय कुमार ने शुक्रवार को किया। सर्वप्रथम वरिष्ठ पत्रकार मनोरंजन प्रसाद मिश्र के द्वारा पूजा अर्चना एवं नारियल फोड़ा गया। तत्पश्चात स्थानीय विधायक के द्वारा शिलान्यास किया गया। विधायक ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि समस्तीपुर जिला में प्रखंड स्तर पर प्रथम स्थान विभूतिपुर है जहां प्रेस क्लब भवन का निर्माण किया जाएगा ।अभी तक समस्तीपुर जिला में किसी भी प्रखंड स्तर पर प्रेस क्लब भवन का निर्माण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के चौथे स्तंभ मिडिया हैं। विभूतिपुर में मिडिया बन्धुओं को बैठने खबर लिखने में काफी परेशानी होती थी। इनके परेशानियों को देखते हुए प्रेस क्लब भवन बनवाने का हमने निर्णय लिया। एवं भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर अंचलाधिकारी रंधीर रमण,आर ओ कैलाश प्रसाद मंडल, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कपिलेश्वर कुंवर,राजद प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय, पत्रकार विनय कुमार राय, अशोक कुमार, रंजीत कुमार,राम कुमार महतो, राजेश कुमार,नवनीत कुमार झा आदि मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर विधायक ने भूसवर पंचायत के लिटियाही में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य,नरेश राय के मुर्गा फार्म से बसौना जाने वाली सड़क निर्माण कार्य, कल्याणपुर दक्षिण पंचायत के वार्ड एक में सड़क निर्माण कार्य, महिषी पंचायत के वार्ड 12 में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास स्थानीय विधायक ने शुक्रवार को किया। वहीं शिलान्यास के अवसर अलग अलग जगहों पर सभा का आयोजन किया गया। जहां विधायक ने अपनी पांच से के कार्यकाल में क्षेत्र में हुए विकास के कार्यों से आम जनता को अवगत कराया।

माँ दुर्गा समेत देवी देवताओं के प्रतिमा विसर्जन यात्रा में आस्था और भक्ति का उमड़ा जनसैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के सीमांचल क्षेत्र स्थित जयनगर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजनोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ श्रद्धापूर्वक भक्तिभाव से मनाया गया। दुर्गा मन्दिरों पूजा पंडालों में निर्मित कर स्थापित माँ देवी दुर्गा समेत देवी देवताओं की पंडितों के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना एवं आरती की और प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा कमिटियों के द्वारा देवी देवताओं के प्रतिमाओं का विसर्जन को ले पूजा पंडालों और मन्दिरों से प्रतिमाओं के साथ भव्य आकर्षक झांकियां एवं बैण्ड बाजे गाजे ढोल नगारे के साथ प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। वही एक दूसरे को तिलक अबीर गुलाल और महिलाओं ने सिंदूर लगाया। प्रतिमा विसर्जन यात्रा को ले लोगों के द्वारा श्रद्धालुओं के द्वारा सड़क को झाड़ू लगा कर पानी की बौछार से साफ करते दिखे एव सड़क को माता के विदाई को ले अबीर गुलाल रंगोली बना कर फूलों से सजाया गया था। प्रतिमा विसर्जन यात्रा विभिन्न चौक चौराहों पर पहुँची और यात्रा के दौरान मन्दिरों के समीप महिलाओं श्रद्धालु भक्तजन आम लोगों के द्वारा माँ दुर्गा समेत देवी देवताओं की पूजा अर्चना और आरती की गई। भक्ति भाव से श्रद्धापूर्वक पूजा अर्चना कर यात्रा में शामिल होकर नम आखों से विदाई देते हुए एवं सभी के शुभ मंगलकामना, विश्व मे शांति, सुख समृद्धि वैभव का आशीर्वाद मांगा एवं पुनः अगले वर्ष शुभ आगमन को ले माता रानी एवं देवी देवताओं से याचना कर कामना की गई ।प्रतिमा विसर्जन विधिव्यस्था को ले डीएसपी राघव दयाल स्वयं पुलिस प्रशासन के साथ चौकस और निगरानी करते रहे। विसर्जन के दौरान पुलिस की टीम साथ चल रही थी और क्षेत्र में गश्त लगाते देखा गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान युवाओं की टोली समेत श्रद्धालु झूमते नाचते देखें गये और जय माता दी के जयकारें लगा रहे थे। जय घोष जयकारें से क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था। प्रतिमा विसर्जन यात्रा को देखने और विसर्जन में शामिल होने को ले श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। कई दुर्गा मंदिरों में माँ दुर्गा समेत देवी देवताओं का मिथिला के पर्व कोजगरा के दिन तक पूजा पाठ कर प्रतिमाओं का विसर्जन करने की परंपरा है। क्षेत्र के कमला नदी समेत अन्य सरोवरों में माँ दुर्गा समेत देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन पूजा अर्चना आरती कर किया गया और प्रसाद का भी वितरण किया गया। प्रतिमा विसर्जन विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन चौकस रही। प्रतिमा विसर्जन को लेकर ड्रोन से भी निगरानी की गई।

मुख्यमंत्री ने 25 लाख महिलाओं को किया 10-10 हजार रुपये की राशि का अंतरण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से आयोजित राज्यव्यापी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत 25 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में प्रतिलाभुक 10 हजार रुपये की दर से कुल 2500 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया। पटना में आयोजित इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर भवन, मधुबनी में भी किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस योजना का उद्देश्य राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को आत्मनिर्भर बनाने हेतु रोजगार आरंभ करने के लिए प्रारंभिक आर्थिक सहायता देना है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से 26 सितम्बर को 75 लाख महिलाओं को 7500 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई थी। अब तक कुल 1 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10 हजार करोड़ रुपये की राशि भेजी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार प्रारंभ करने के उपरांत महिलाओं को आवश्यकता अनुसार दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी ।मधुबनी की महिलाएं सबसे आगेलाभुकों की दृष्टि से मधुबनी जिले ने पूरे राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है। दूसरे चरण में मधुबनी जिले की 4 लाख 80 हजार महिलाओं को योजना का लाभ मिला है, जो बिहार में सर्वाधिक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लाभुक महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है और अब वे अन्य लोगों को भी रोजगार देने का प्रयास करेंगी ।लाभुकों के चेहरे पर दिखी खुशियांनगर भवन, मधुबनी में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा बटन दबाकर राशि अंतरण का सीधा प्रसारण किया गया।

जनता दरबार में, कई मामलों का हुआ त्वरित निदान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार के निर्देश के आलोक में आज सलीम अख्तर अपर समाहर्ता आपदा,जनता दरबार में परिवादी की समस्याओं को सुनवाई और समाधान के लिए उपस्थित हुए ।उन्होंने सभी आवेदकों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुना तथा मौके पर ही कई मामलों का त्वरित निवारण किया। जनता दरबार में कुल 16 परिवादी उपस्थित हुए, तथा जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था,उन्हें शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए ।अपर समाहर्ता ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह सजग और संवेदनशील है तथा उनका त्वरित व पारदर्शी समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ।जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें और समाधान की प्रगति की सूचना नियमित रूप से जन शिकायत कार्यालय कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

उन्नत प्रभेदों के बीजों पर अनुदान देने की सरकारी नीति में संशोधन की जरूरतः सतीश द्विवेदी

प्रात : किरण संवाददाता

प्रगतिशील किसान और अपने इलाके में बर्षों से आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने वाले सतीश द्विवेदी ने कहा है कि सरकार किसानों को विभिन्न फसलों के बीजों पर दिए जाने वाले अनुदान की नीति पर पुनः विचार करे। वे आज प्रातः किरण से इस विषय पर चर्चा कर रहे। उन्होंने कहा कि सरकार फिलहाल बिहार राज्य बीज निगम के डीलरों (थोक विक्रेताओं) द्वारा किसानों को अनुदानित बीज उपलब्ध करा रही है, जो त्रुटिपूर्ण और अव्यावहारिक है ।इस मामले में उन्होंने कुछ किसानों के अनुभवों के हवाले से बताया कि ऐसे विक्रेता किसानों को धान, गेंहू,तेलहन और दलहन के जो बीज अनुदान पर उपलब्ध कराते हैं, डीलरों तक पहुंचते-पहुंचते उसकी गुणवत्ता गुणवत्ता में कभी आ जाती है। अनुदान के लोभ किसान बीज तो ले लेते हैं, लेकिन उसका उपयोग वे फसल लगाने में नहीं करते हैं। उसे या तो बाजार में बेंच देते हैं या फिर खाने के काम में लाते हैं। रबी फसल के सीजन में कई कम्पनियां गेहू और मक्का के विभिन्न प्रभेदों को लेकर किसानों के बीच आतीं हैं। उसके एजेंट गांवों में घूमने लगते हैं। अच्छी उपज का भरोसा दिलाते हैं। फिर वह बीज खरीद कर अधिकांश खुद को ठगा महसूस करनै लगते हैं ।उन्होंने कहा कि मोनसेंटो, सिजेंटा और पायनियर कम्पनी का मक्का बीज इस क्षेत्र के किसानों में काफी लोकप्रिय है ।सरकार ऐसे बीजों पर किसानों को कोई अनुदान नहीं देती है। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, आइ आर आई पूसा और बोरो लाग इंस्टीच्युट आप साउथ एशिया(बीसा) पूसा।

सतघट्टा गांव में गूंजा नारा पुल नहीं तो वोट नहीं ग्रामीणों ने बैनर और बोर्ड लगाकर जताया आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गायघाट प्रखंड के सतघट्टा गांव में ग्रामीणों ने नेताओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। ह्लपुल नहीं तो वोट नहींह्व का नारा देते हुए गांव के चौक-चौराहे से लेकर गली-मोहल्लों तक बैनर-बोर्ड लगा दिए गए हैं। ग्रामीणों ने साफ संदेश दिया है कि जब तक क्षेत्र में पुल निर्माण नहीं होगा, तब तक वे वोट का बहिष्कार करेंगे ।ग्रामीणों ने बताया कि अब तक सभी नेताओं ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। चुनाव के वक्त बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जीत के बाद सतघट्टा गांव और इसके टोलों की अनदेखी कर दी जाती है। क्षेत्र में विकास के नाम पर कोई ठोस कार्य नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बागमती नदी की तबाही से गांव लगातार प्रभावित होता है, लेकिन न सड़क की स्थिति सुधरी है, न नाला दुरुस्त हुआ है। पुल निर्माण की मांग कई सालों से की जा रही है, मगर नेताओं ने केवल आश्वासन देकर ग्रामीणों को ठगा है ।इसी नाराजगी के चलते लोगों ने गांव में जगह-जगह बोर्ड टांग दिए हैं, जिन पर साफ लिखा है झ्र ह्लपुल नहीं तो वोट नहींह्व। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा, वे किसी भी दल या उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगे।

जन सुराज पार्टी का पहला स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले के सभी अनुमंडल में बिहार में परिवर्तन की बयार जन सुराज पार्टी का पहला स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इसी क्रम में शहर के हरपुर एलौथ स्थित जन सुराज जिला कार्यालय के सभागार में स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह का संचालन किसान मोर्चा जिला महामंत्री प्रभात कुमार राय ने किया। इस अवसर पर सबसे पहले जिलाध्यक्ष सहित तमाम जन सुराजियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्व लाल बहादुर शास्त्री, एवं भीम राव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने उद्घाटन भाषण मे जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने सभी को विजयदशमी, गांधी जयंती, लालबहादुर शास्त्री जयंती और जन सूराज पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि, पार्टी गठन के बाद महज एक वर्ष की छोटी अवधि में आपके सम्मान, सहयोग, समर्थन और समर्पण के दम पर जन सुराज पार्टी मजबूती से उभरी है और बिहार को खोखला करने वाली ताकतों के रातों का चैन और आंखों की नींद छीन ली है। इसके लिए आप सभी को बधाई। शुरू में हमे चुनावी कुकुरमुत्ता कहने और दूसरे दलों की बी टीम कहने वाले लोगों को अब अपने पांव तले की जमीन खिसकती दिखने लगी है। जो हमारी अनदेखी करते थे आज उन सबकी जुबान पर जनसूराज और हमारे नेता प्रशांत किशोर का ही नाम है। यह हम जन सुराजियों की पहली जीत है। असल विकास का रस्ता घर घर स्कूल का बस्ता को जन जन की आवाज बनाने के बाद ही हमारा लक्ष्य पूरा आकार लेगा और जब बिहार से श्रम और प्रतिभा का पलायन रुक जाएगा तब जा कर बनेगा पूर्ण आत्मनिर्भर बिहार और तब जा कर हमारे नेता प्रशांत किशोर का संकल्प पूरा होगा। आज स्थापना दिवस पर आप सभी से आग्रह पूर्वक अपील करना चाहता हूं कि बिहार को पूर्ण आत्मनिर्भर राज्य बनाने के लिए बदलाव की जो मशाल हमारे नेता प्रशांत किशोर जी ने जलाई है वह जलती रहे। परीक्षा की घड़ी है, लक्ष्य बड़ा है।

मधुबनी रेलवे स्टेशन परिसर में गांधी जयंती पर आयोजित हुआ संक्षिप्त समारोह

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आज मधुबनी रेलवे स्टेशन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा स्थल पर एक संक्षिप्त एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आनंद शर्मा, नगर आयुक्त अनिल चौधरी, डीडीसी सुमन प्रसाद साह, एडीएम मुकेश रंजन सहित जिले के वरीय अधिकारियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और सादगी का अद्वितीय उदाहरण है। उनके विचार आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने यह सिखाया कि जनहित सर्वोपरि है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय व सुविधा पहुँचाना ही सच्ची सेवा है। गांधी जयंती को देखते हुए नगर क्षेत्र स्थित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं की भी विशेष साफ-सफाई कराई गई और विभिन्न स्थलों पर वरीय अधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। समारोह में जिला बंदोबस्त पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, जिला परिवहन पदाधिकारी, डीपीआरओ परिमल कुमार, उत्पाद अधीक्षक मधुबनी, डीआरडीए के निदेशक सहित अन्य अधिकारी, समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

एसएसबी जवानों ने प्रतिबंधित दवाओं और बाईक के साथ मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी एसएसबी जवानों के द्वारा प्रतिबंधित दवाओं और एक बाईक के साथ मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एससबी द्वारा मामले में की गई कार्रवाई को लेकर दी गई जानकारी के मुताबिक 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर की डी कंपनी मुख्यालय, हरने के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित दवाओं की खेप बरामद करते हुए मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 49 (रेफरेंस पिलर) से लगभग 500 मीटर भारतीय क्षेत्र के अंदर की गई। जब्त प्रतिबंधित दवाओं में सिरफ 30 बोतल, कैप्सूल 70 नग, टेबलेट 220 नग , एक मोबाईल और एक बाईक जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी हरलाखी थाना क्षेत्र के नाहरनिया निवासी बताया जाता है। जब्त प्रतिबंधित दवाओं और मोबाइल एवं बाइक के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपी को आगे की कार्रवाई हेतू हरलाखी थाना पुलिस को सुपुर्द करने की प्रक्रिया जारी है।

जीविका के संतावन हजार महिला को दूसरी किस्त की राशि भेजी गई

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के गुरुवार के दिन, मुंगेर जिले की 57,000 जीविका दीदियों के खातों में दूसरी किस्त की राशि भेजी गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बटन दबाकर किया गया, जिसके साथ ही पूरे बिहार राज्य की लाखों महिलाओं के खाते में यह राशि सीधे अंतरण (डब्ल्) के माध्यम से पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त करना है ताकि वे अपने परिवार की आय बढ़ाकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। इस अवसर पर मुंगेर संग्रहालय सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आई लगभग 500 जीविका दीदियां उपस्थित रहीं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री का संबोधन सुना और योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुंगेर के जिलाधिकारी श्री निखिल धनराज पाणिकर तथा जिला परिषद अध्यक्ष श्री विकासशील कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक उत्थान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे हर ग्रामीण परिवार की आय में वृद्धि होगी।कार्यक्रम के दौरान जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि जिले के साथ ही सभी प्रखंड के अलावा जिले के कुल 22 संकुल संघों और 801 ग्राम संगठनों में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। सभी प्रखंडों में जीविका दीदियों ने बड़े उत्साह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम देखा और मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। दीदियों ने कहा कि इस राशि से वे सिलाई-कढ़ाई, पापड़-बड़ी निर्माण, पशुपालन, किराना दुकान, सब्जी उत्पादन जैसे लघु व्यवसायों की शुरूआत करेंगी।मुंगेर जिला प्रशासन ने यह भी बताया कि योजना की तीसरी किस्त के लिए लाभुकों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा ताकि कोई भी पात्र दीदी इससे वंचित न रह जाए। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन से ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ रही है और वे अपने परिवार व समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह कार्यक्रम न केवल आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बल्कि यह बिहार में महिला विकास की नई कहानी भी लिख रहा है।

गांधीजी की 156वीं जयंती एवं पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री की 121 वीं जयंती अहिंसा दिवस के रूप में मनाई

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) गांधी पुस्तकालय चौसा में गांधीजी की 156वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की 121 वीं जयंती अहिंसा दिवस के रूप में बड़े सम्मान और धूमधाम के साथ मनाई गई।

उपस्थित बुद्धिजीवियों ने पूज्य बापू एवं शास्त्री जी के कृतत्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला औ उनके बताएं गए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पुस्तकालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रवण कुमार पासवान द्वारा तिरंगा झंडा फहरा कर किया गया। उसके बाद उपस्थित लोगों ने बापू एवं शास्त्री जी के तसवीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सामुहिक रूप से बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम का पाठ सस्वर में किया गया। संचालन सचिव विनोद आजाद ने की। मौके पर अधिवक्ता प्रो उत्तम कुमार ने कहा कि बापू के विचार आज भी देश को दिशा देने में सक्षम है।

प्रो विजय गुप्ता ने कहा कि सत्य के साधक गांधी जी और सादगी की मिसाल लाल बहादुर शास्त्री का जीवन कई मायनों में एकसमान था। साहित्यकार संजय कुमार सुमन ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन आदर्श हमें देश और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। दो अक्टूबर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का सिर्फ जन्मदिन मनाने के लिए ही नहीं, बल्कि इन दोनों महान विभूतियों के जीवन मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करने का दिन है। पुस्तकालय के सचिव सह अधिवक्ता विनोद आजाद ने गांधी के जीवन और सिद्धांतों पर विचार रखे और गांधीजी के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। मौके पर अवधेश कुमार, धनराज भगत, पंच प्रभाष कुमार, ओमप्रकाश मेहता, इंद्रजीत प्रकाश, सांई इस्लाम, श्रीकांत मेहता सुमन, बिपीन मेहता समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को दिया गया प्रशस्ति पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला मुख्यालय के स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा (स्वच्छोत्सव) का समापन समारोह का आयोजन 3 अक्टूबर को झल्लू बाबू सभागार भवन में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त अनिल बासक द्वारा किया गया जिसमें जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष मंजू देवी, विधायक निरंजन कुमार मेहता, डायरेक्टर डीआरडीए अमित कुमार पांडे, जिला समन्वयक ऋषि कुमार, जिला सहलाकार मोहम्मद आसिफ जावेद, राज्य संसाधन सेवी गुड्डु कुमार बैठा द्वारा बताया गया की स्वछता सर्वप्रथम अपने घरो एवं आस-पास से करना चाहिए उसके बाद ही स्वछता की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया की स्वच्छता सेवा 2025 पखवाड़ा का 3 अक्टूबर को समापन समारोह किया लेकिन यह प्रक्रिया अनवरत चालू रखा जाएगा। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह द्वारा बताया गया कि मधेपुरा जिले के 160 पंचायत में स्वच्छता पर्यवेक्षक के निगरानी में स्वच्छता कर्मियों द्वारा घर-घर से कचरा का उठाओ प्रतिदिन होता है और गांव को स्वच्छ बनाने के लिए सार्वजनिक स्थल को साफ सफाई भी स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत एक जन आंदोलन के रूप में लेकर एक अभियान चलाया गया, एवं हर घर से कचरा उठाव व अलग-अलग कचरा को रखा जाता है। शाम और सुबह हमें स्वच्छता कर्मियों द्वारा प्रतिदिन घर से कचरा का उठाव होता है एवं उपयोगीता शुल्क 30 रुपए लिया जाता है। वहीं स्वच्छता ही सेवा 2025 में उत्कृट कार्य करने वाले स्वच्छता पर्यवेक्षक, प्रखंड समन्वयक स्वच्छता कर्मों को प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। मौके पर स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय कुमार, सद्दाम आलम, दिलीप कुमार यादव, प्रखंड समन्वयक संतोष कुमार, राजकिशोर झा, सीताराम ठाकुर, स्वच्छता कर्मी जितेन्द्र कुमार, ललिता देवी, विमल रिषिदेव, कलानंद राम, राजकुमार गोस्वामी व अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई का जातिगत अपमान लोकतंत्र और संविधान पर कुठाराघात : प्रो.गौरी शंकर

न्याय की कुर्सी भारत देश की शान, जिसपर जातिगत वार घोर अपमान

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई:- हाल ही में वृंदावन के गौरी गोपाल आश्रम के संस्थापक, कथावाचक और धार्मिक प्रवक्ता अनिरुद्धाचार्य ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान माननीय मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गंवई के प्रति जातिगत टिप्पणी करते हुए कहा था कि अनुसूचित जाति को न्यायमूर्ति की कुर्सी पर बैठने का अधिकार नहीं है। उसे कुर्सी छोड़ देना चाहिए। धार्मिक प्रवक्ता अनिरुद्धाचार्य के जातिगत बयान पर देश में आलोचना हो रही है, किंतु विडंबना है कि अभी तक अनिरुद्धाचार्य पर कोई ठोस विधि सम्मत कार्रवाई नहीं हुई। केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने भारत के माननीय चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति बी. आर. गंवई पर जातिगत टिप्पणी करने वाले कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के अमर्यादित बयान पर तीव्र प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ माननीय सीजेआई पर जातिगत टिप्पणी करना,एमपी, एमएलए और भारत के प्रधानमंत्री की मां बहन की गरिमा को ठेस पहुंचाना नहीं होता है। ऐसे तत्वों पर कानून का शिकंजा ही लोकतंत्र और संविधान की असली रक्षा है। यदि ऐसे लोगों के विरुद्ध समाज ने आवाज नहीं उठाई और सरकार विधि समत कार्रवाई नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां संविधान की असली ताकत से वंचित रह जाएंगी, और लोकतंत्र की गरिमा यूं ही तार-तार होती रहेगी। संविधान की कुर्सी को जाति की तराजू से तौलने वाला अनिरुद्धाचार्य संविधान, समाज और लोकतंत्र का शत्रु है। उन्हें जानना चाहिए कि सीजेआई माननीय न्यायमूर्ति बी. आर.गंवई को संविधान की कुर्सी जाति से नहीं, योग्यता से मिली है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई का जातिगत अपमान लोकतंत्र और संविधान पर कुठाराघात है। ऐसे बयानों पर कारवाई अनिवार्य है। ताकि कोई भी व्यक्ति संवैधानिक मर्यादा से ऊपर उठने की दुःसाहस नहीं कर सके। न्याय की कुर्सी भारत देश की शान है, जिस पर जातिगत वार घोर अपमान है। ऐसे बयानों पर कानूनी कार्रवाई का विधान है। इसी में लोकतंत्र व संविधान का सम्मान है। अतएव ऐसे मठाधीश पर कार्रवाई कर यह संदेश देना चाहिए कि संविधान सर्वोपरि है। इससे ऊपर न तो धर्म है न कोई ईसान। जैसा कि भिन्न-भिन्न केसों में आसाराम बापू, नारायण स्वामी, गुरमीत राम रहीम, रामपाल चिन्मयानंद, चैतन्यानंद आदि पर कानूनी कार्रवाई हुई है। कोई जेल में है,तो कोई बेल में। संविधान की रक्षा करना हर नागरिक का पुनीत कर्तव्य और दायित्व है। प्रो.पासवान ने कहा कि कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को यह भूलना नहीं चाहिए कि जिस हिंदू धर्म पर वे अभिमान कर रहे हैं। वह धर्म वाल्मीकि, वेद व्यास,और डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे दलित विद्वान, लेखक और ऋषि मुनियों की बदौलत ही विश्व का सबसे परिपक्व और श्रेष्ठ धर्म कहलाता है। अतः हर एक व्यक्ति को संविधान के तहत काम करना होगा। जातिवादी सोच समाज और लोकतंत्र के लिए उतना ही खतरनाक है, जितना कि विषयुक्त तलवार। उन्होंने आगे कहा कि ,चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया पर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य द्वारा जानबूझकर अमर्यादित तथा असंवैधानिक बयान देना दंडनीय अपराध है। इसी एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम 1989 के तहत जाति सूचक टिप्पणी करने दंड कर प्रावधान है। जातिवाद का जहर, नफरत तथा अशांति फैलाने वाले बयान के लिए आईपीसी की धारा 153अ, 504व 505 के तहत भी दंड का प्रावधान है। किंतु विडंबना है कि अभी तक मठाधीश पर कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है।

गांधी जयंती पर मधेपुरा समाहरणालय परिसर में आयोजित हुआ संक्षिप्त समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को मधेपुरा समाहरणालय परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर एक गरिमामय एवं संक्षिप्त समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी तरनजोत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. संदीप सिंह सहित जिले के वरीय अधिकारियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाधिकारी के निदेशीनुसार नगर क्षेत्र के अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं की विशेष साफ-सफाई कराई गई तथा वरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थलों पर माल्यार्पण कर उन्हें भी नमन किया गया। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा महात्मा गांधी जी का जीवन सत्य, अहिंसा और सादगी का अनुपम उदाहरण है। हमें उनके विचारों को अपने व्यक्तिगत जीवन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (राजस्व), सभी जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, अनुमंडल पदाधिकारी, मधेपुरा सहित बिहार राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्य, समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर मधेपुरा में स्वीप कार्यक्रम के तहत गोष्ठी, सेमिनार एवं स्वच्छता अभियान आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा गांधी जयंती के अवसर पर स्वीप कोषांग, मधेपुरा के तत्वावधान में मेरा युवा भारत मधेपुरा द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एक गोष्ठी, सेमिनार एवं सफाई अभियान का आयोजन मधेपुरा नगर में किया गया। आयोजन में उपस्थित प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सभी ने आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 में शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मतदान के महत्व पर विस्तार से चर्चा की तथा मतदाताओं को प्रेरित किया कि वे स्वयं मतदान करने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने स्वच्छता और लोकतंत्र दोनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए मतदान करने की शपथ भी ली।

मुख्य कार्यक्रम स्थल का स्थल निरीक्षण करने को पहुंचे जिला पदाधिकारी

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। 4 अक्टूबर को नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार तथा राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री, पंचायती राज, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी के संभावित यात्रा को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी मुंगेर निखिल धनराज निप्पाणीकर के द्वारा जमालपुर जेएसए ग्राउंड स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान ज़िलाधिकारी महोदय के द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल पर हो रहीं तैयारियों सहित बियाडा क्षेत्र में होने वाले दुग्ध शीतक केंद्र के शिलान्यास स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया गया तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री महोदय का आगमन संभावित है। इसे देखते हुए सभी अधिकारी अभी से ही अपने अपने प्रतिनियुक्ति स्थल से परिचित हो जाएं। इस आयोजन में किसी भी तरह की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर बनाये जा रहे मत्स्य विभाग, कृषि विभाग, जीविका सहित अन्य विभागों के स्टाल से संबंधित पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया वे अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर ससमय उपस्थित होकर अपने दायित्व का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे।

नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई अंतिम विदाई मंदिर प्रांगण स्थित सरोवर में किया गया विसर्जित

प्रातः किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा) नवरात्रि के पावन अवसर पर शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र के रायभीर पंचायत स्थित श्री श्री 108 सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा समेत अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का विजयादशमी के दिन देर शाम श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भावुक माहौल में माता को विदाई देने पहुंचे। नवरात्र की कलश स्थापना से लेकर प्रतिमा विसर्जन तक मंदिर प्रांगण और आसपास का इलाका भक्तिमय माहौल से गूंजता रहा।

प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा अर्चना, भजन कीर्तन और हवन में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। रायभीर सहित आसपास के कई गांवों के लोग पूरे नौ दिनों तक मां के दरबार में हाजिरी लगाते रहे। गुरुवार की देर शाम मेला पूजा समिति, स्थानीय युवाओं और माता भक्तों के नेतृत्व में शोभायात्रा निकाली गई। ढोल नगाड़ों, शंख घंटियों और जयकारों की गूंज के बीच मां दुर्गा, माता काली, मां लक्ष्मी सहित अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण स्थित सरोवर में विसर्जित किया गया। पूरे माहौल में माता रानी की जय, जय मां काली के नारे गूंजते रहे। विसर्जन के समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। लोगों का कहना था कि पूरे 365 दिनों के इंतजार के बाद मां दुर्गा 9 दिनों तक हमारे बीच आईं और अब अगले साल पुनः आने का वचन देकर विदा हो रहीं।

विसर्जन के पूरे कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं की भागीदारी सराहनीय रही। युवाओं ने जहां प्रतिमाओं के विसर्जन कार्य में सहयोग किया, वहीं भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा का भी पूरा ख्याल रखा। पूरे आयोजन के दौरान शंकरपुर थाना पुलिस बल की सक्रियता देखने को मिली। विसर्जन स्थल और रास्तों पर पुलिस पदाधिकारी लगातार गश्त करते रहे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। वहीं मेला कमेटी के सदस्यों ने भी प्रशासन का पूरा सहयोग किया।

विजया दशमी और गांधी जयंती के पावन अवसर पर पत्रकार प्रिंस कुमार प्रभाकर का मनाया गया जन्मोत्सव

प्रातः किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा) विजया दशमी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती जैसे ऐतिहासिक और पावन दिवस पर शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र के रायभीर वार्ड संख्या 9 निवासी प्रातः किरण के।

संवाददाता प्रिंस कुमार प्रभाकर का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अद्भुत संयोग को लेकर प्रिंस प्रभाकर ने कहा कि उनका जन्मोत्सव विजयादशमी और गांधी जयंती के दिन होना उनके लिए जीवन का सौभाग्य है। उन्होंने इसे गर्व और प्रेरणा का विषय बताते हुए कहा कि यह तिहरा उत्सव जीवनभर उन्हें नई दिशा, ऊर्जा और संकल्प प्रदान करता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस बार घर परिवार से दूर रहकर जन्मदिन मनाना पड़ा। मन में खुशी तो थी, लेकिन यह पीड़ा भी रही कि माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन, दोस्त और परिवार के अन्य सदस्य उनके साथ मौजूद नहीं थे। दिल अपनों के पास रहा, भले ही कदम दूर थे।

अपनों की कमी जरूर महसूस हुई, लेकिन दोस्तों, शुभचिंतकों और चाहने वालों की दुआओं ने इस दिन को बेहद खास बना दिया। उन्होंने कहा कि अपनों की कमी ने जन्मोत्सव को कहीं न कहीं अधूरा बना दिया। अपने शुभचिंतकों, मित्रों और रिश्तेदारों द्वारा सोशल मीडिया पर भेजे गए शुभकामना संदेशों के लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सभी का स्नेह और समर्थन उन्हें पत्रकारिता के मार्ग पर सदैव नई ऊर्जा और हौसला देता है। प्रिंस प्रभाकर ने आगे कहा कि वे पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन मानते हैं। उनका संकल्प है कि समाज की समस्याओं को उजागर करने, जनहित की आवाज बुलंद करने और सच्चाई को सामने लाने में वे सदैव निष्पक्ष रहेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे सच और निष्पक्षता की राह पर चलते हुए पत्रकारिता की गरिमा और जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखकर कार्य करते रहेंगे। प्रिंस प्रभाकर ने आगे और कहा कि परिवार से दूर रहकर जन्मदिन मनाना भले ही मन को दुख देता है, लेकिन अपनों का आशीर्वाद और शुभचिंतकों का स्नेह मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सच और न्याय की राह पर चलते हुए यही प्रेरणा मुझे पत्रकारिता में हमेशा मजबूती प्रदान करेगी।

प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा ने मुंगेर विश्वविद्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कर श्री गणेश करने की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी 4 अक्टूबर 2025 को मुंगेर में मरीन ड्राइव, मदर डेयरी प्लांट जमालपुर सहित अनेक योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुंगेर आ रहे हैं। हालांकि उनका यह शिलान्यास उद्घाटन कार्यक्रम 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा का चुनाव को ध्यान में रखकर निर्धारित किया गया है। फिर भी प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा, मुख्यमंत्री का मुंगेर आगमन का स्वागत करती है। प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा मुंगेर के संयोजक प्रोफेसर विनय कुमार सुमन, सह संयोजक मोहम्मद शकील अहमद, संरक्षक नरेश सिंह यादव, देवकीनंदन सिंह, अशोक रजक, शंकर दास, मोहम्मद कौसर फैयाज, नवल किशोर, राजा कुशवाहा ने मुख्यमंत्री द्वारा इन योजनाओं का संभावित शिलान्यास एवं उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनसे यह आग्रह करते हैं कि शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम में नोवागढ़ी, मुंगेर में मुंगेर विश्वविद्यालय का भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कर इसका श्रीगणेश भी अवश्य करें। साथ ही मुंगेर होम्योपैथिक कॉलेज में 2016 से ही छात्रों का नामांकन बंद है जिस कारण होम्योपैथिक कॉलेज बंदी के कगार पर है अतः जिला प्रशासन से आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराकर वहां पुनः नामांकन प्रक्रिया चालू कराने का कष्ट करें। तथा वर्षों से बंद पड़े ऐतिहासिक बंदूक कारखाना को फिर से चालू कराकर वहां के कुशल कारीगर के परिवार को भुखमरी से बचाए। लोह नगरी जमालपुर में वहां की छात्राओं का आर्थिक एवं शारीरिक परेशानी को देखते हुए यथाशीघ्र जमालपुर में एक महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना शीघ्र की जाए। पहाड़ की खुदाई बंद होने से सबसे अधिक बेरोजगारी की मार नोवागढ़ी के मजदूर झेलना पड़ रहा है। अतः वहां एक बड़ा उद्योग लगाकर वहां के स्थानीय बेरोजगार मजदूर को रोजगार मुहैया करायी जाय।

नयानगर पंचायत के वार्ड 6 में बनेगा 50 लाख के लगत से विवाह मंडप, मुखिया प्रतिनिधि की उपस्थिति में हुआ शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नयानगर पंचायत के वार्ड 06 नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन के बगल में विवाह मंडप योजना अन्तर्गत विवाह मंडप का शिलान्यास मुखिया प्रतिनिधि रूपेश झा की उपस्थिति में वीडियो टेलीकास्ट को दिखाकर किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। मुखिया प्रतिनिधि रुपेश झा ने कहा कि विवाह मंडप का निर्माण मुख्यमंत्री योजना के तहत लगभग 50 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इसके बनने से क्षेत्र के लोगों को शादी विवाह जैसे आयोजनों के लिए जगह की कमी की समस्या से निजात मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इन निर्माण कार्यों से पंचायत का विकास तेजी से होगा। इस अवसर पर प्रियव्रत शर्मा, शिवजी मंडल, अरविंद मंडल, नरेश दास, मुकेश झा, कैलाश मंडल, पंचायत सचिव मुरारी कुमार, विन्देश्वरी शर्मा सहित अन्य मौजूद थे और सभी ने इस योजना को सराहा और इसपर खुशी जताई।

स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक सूची तैयार करने का प्रशिक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।आगामी बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक सूची तैयार करने की प्रक्रिया को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार, मुजफ्फरपुर में प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं पदाभिहित पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर उपस्थित रहे। वहीं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने अपने कार्यालय से भीसी के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन अवर निर्वाचन पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर पूर्वी राजू कुमार एवं अवर निर्वाचन पदाधिकारी पश्चिमी सुश्री सृष्टि प्रिया के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सभागार में नगर आयुक्त मुजफ्फरपुर; उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों को निर्वाचक सूची तैयार करने से जुड़े प्रत्येक बिंदु पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों को रेखांकित करते हुए यह स्पष्ट किया गया कि निर्वाचक सूची का निर्माण लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही अस्वीकार्य होगी।

सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे : लाल बहादुर शास्त्री

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत की स्वतंत्रता संग्राम की लंबी यात्रा में अनेक महापुरुषों ने अपने अद्वितीय योगदान से राष्ट्र को नई दिशा दी। भारतीय जनमानस में गहरी छाप छोड़ने वालों में है, लाल बहादुर शास्त्री। सादगी, ईमानदारी, त्याग, और कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति लाल बहादुर शास्त्री जी ने अल्प समय के लिए प्रधानमंत्री का पद सँभाला, लेकिन अपनी नीतियों और निर्णयों से वे आज भी करोड़ों भारतीयों के हृदय में जीवित हैं। लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन एक साधारण व्यक्ति के असाधारण कार्यों की कहानी है। गरीबी में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने उच्च आदर्शों और राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने देश को जय जवान जय किसान का ऐसा अमर नारा दिया, जिसने भारतीय समाज को एक सूत्र में पिरो दिया। लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला के समीप मुगलसराय नामक छोटे से कस्बे में हुआ। उनका जन्म महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर ही हुआ था, मानो नियति ने उन्हें भारत के राजनीतिक इतिहास में विशेष भूमिका निभाने के लिए चुना हो। उनके पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और बाद में राजस्व विभाग में कार्य करने लगे। माँ रामदुलारी देवी धार्मिक और संस्कारवान महिला थी। दुर्भाग्यवश, लाल बहादुर शास्त्री जी के पिता का निधन तब हो गया जब वे मात्र डेढ़ वर्ष के थे। पिता के साये के बिना उनका बचपन कठिनाइयों से भरा रहा, लेकिन माँ ने हिम्मत और धैर्य से उन्हें पाला। गरीबी और अभाव के बीच पले लाल बहादुर शास्त्री जी ने प्रारंभिक शिक्षा मुगलसराय और वाराणसी से प्राप्त की। बचपन से ही वे अत्यंत ईमानदार, मेहनती और गंभीर स्वभाव के थे। पढ़ाई में भले वे औसत रहे हों, लेकिन सत्य और नैतिकता उनके जीवन का आधार था। लाल बहादुर शास्त्री ने वाराणसी के हरिश्चंद्र हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद वे काशी विद्यापीठ से जुड़े, जहाँ उन्हें महान शिक्षकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विचारों का संग मिल सका। काशी विद्यापीठ से उन्होंने ह्लशास्त्रीह्व की उपाधि प्राप्त की। यही उपाधि आगे चलकर उनके नाम के साथ स्थायी रूप से जुड़ गया। यहीं से उनके विचारों में राष्ट्रीयता, त्याग और सेवा की भावना और प्रबल हुई। महात्मा गांधी के विचारों और आंदोलन ने उन पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने गांधी जी के सत्य, अहिंसा और स्वदेशी के सिद्धांतों को आत्मसात किया। 20 वर्ष की आयु में वे सक्रिय रूप से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। लाल बहादुर शास्त्री का युवावस्था से ही स्वतंत्रता संग्राम की गतिविधियों में गहरा जुड़ाव था। 1921 के असहयोग आंदोलन में उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। विदेशी वस्त्रों की होली जलाने और ब्रिटिश शासन का बहिष्कार करने में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद वे बार-बार ब्रिटिश सरकार की नीतियों के विरोध में जेल जाते रहे। कुल मिलाकर वे लगभग साढ़े नौ वर्ष जेल में रहे। जेल में रहते हुए उन्होंने गहन अध्ययन किया और राजनीति, दर्शन, अर्थशास्त्र तथा साहित्य की पुस्तकों का अध्ययन कर अपने व्यक्तित्व को और मजबूत किया। भारत की स्वतंत्रता के बाद लाल बहादुर शास्त्री जी को सार्वजनिक जीवन में कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर अपनी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी का परिचय दिया। स्वतंत्रता के बाद वे उत्तर प्रदेश सरकार में शामिल हुए। पुलिस विभाग के मंत्री रहते हुए उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज की जगह पानी की बौछार का प्रयोग शुरू किया। यह मानवीय दृष्टिकोण आज भी उपयोग में आता है। परिवहन मंत्री के रूप में उन्होंने महिला कंडक्टरों की नियुक्ति का निर्णय लिया, जो उस समय के लिए एक क्रांतिकारी कदम था। इससे महिलाओं के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में अवसर खुले। 1951 में वे केंद्र की राजनीति में आए और पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों रेलवे, परिवहन, वाणिज्य और गृह मंत्रालय में कार्य किया। रेलवे मंत्री रहते हुए एक गंभीर रेल दुर्घटना हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। शास्त्री जी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। यह भारतीय राजनीति में नैतिक आदर्श का अनूठा उदाहरण माना जाता है। उन्होंने मंत्रिमंडल में रहते हुए किसानों, मजदूरों और आम जनता के हितों को प्राथमिकता दी। 27 मई 1964 को पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने। उस समय देश अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। चीन युद्ध (1962) की पीड़ा ताजा थी। खाद्यान्न की भारी कमी थी। पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ षड्यंत्र रच रहा था। ऐसे कठिन समय में लाल बहादुर शास्त्री जी ने दृढ़ता और साहस के साथ देश का नेतृत्व संभाला।

पीओके में बिगड़ती कानून व्यवस्था और असुविधाओ को लेकर जनता का हल्लाबोल

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में शाहबाज सरकार की बेरुखी से नाराज स्थानीय पुलिस बगावत पर उतर आई। भारत मे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अपने ही घर मे घिरने लगा है। पीओके की आवाम खौफजदा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके की जनता जिल्लतभरी जिंदगी गुजर- बसर कर रही है। असुविधाओं के कारण जीना मुहाल हो गया है। बिजली, महंगाई से त्रस्त जनता का गुस्सा भड़क उठा है। पाकिस्तान सरकार बड़ी बड़ी डींगें हांकने में माहिर है। पीओके की जनता त्रस्त है। थाने में पुलिस नहीं है और थाने खाली है। तब सवाल उठता है कि जनता की जानमाल की हिफाजत करने वाला कौन है ?शहबाज सरकार के खिलाफ बगावत के सुर तेज हो गए है। भगवान के भरोसे जनता त्राहिमाम कर रही है। पाकिस्तान में विधानसभा भवन और पीएम सचिवालय पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नही है। महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए कोई सुविधा नही है। सात दशक से सड़के का निर्माण नही किया है। पुल, सड़के और जर्जर स्कूल से अव्यवस्था पैदा हो रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पलटू राम अमेरिका की शरणागति स्वीकार कर सौदेबाजी में मशगूल है। देश मे अराजकता व्याप्त है। पाकिस्तान में आतंकवादियों के हौसले बुलंद है। जिन आतंकवादियो को पाल पोस रहा है, वो पाकिस्तान की निर्दोष जनता के लिए सिरदर्द बना गया है। पाकिस्तान भी आतंकवादियों से परेशान है। पालतुं कुत्ते मालिक पर ही हमला करता है। वैसी ही दशा पाकिस्तान की है। लॉकडाउन का ऐलान किया है। इस्लामाबाद से सुरक्षा के लिए जवान भी भेजे गए थे। पाकिस्तान में जंगलराज है। पीओके की जनता के साथ फौज के जवान दुर्व्यवहार करते है। उनके आवागमन पर फौज की नजर रहती है। वे गुलाम जिंदगी जी रहे है। पीओके के लोगो ने कई बार पीओके को भारत मे शामिल करने के लिए गुहार लगा रहे है। देश की सबसे अच्छी और शक्तिशाली इकाई कानून व्यवस्था है। जिस देश की कानून व्यवस्था डगमगा जाती है। वहा जंगलराज कायम हो जाता है। उसके लिए कुशल प्रशासक की आवश्यकता होती है। पुलिस की अभूतपूर्व हड़ताल की वजह का कारण, पीओके की कानून व्यवस्था का लचर होना है। थाने में पुलिस ही उपस्थित नही रहती है तो उसका अंदाजा लगाया जा सकता है। गरीबी और फटेहाल जीवन यापन करने वाली आवाम अब आजादी की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। लॉक डाउन की कवायद शुरू हो गई है। जनता ने 11 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए मांग रखी है। पाकिस्तान हर हाल में पीओके को आजाद करना नहीं चाहता है। लेकिन भारत कहता है हम हर हाल में पीओके लेकर रहेंगे। पुलिस को वेतन और परिवार के लिए बेहतर सुविधा की मांग की है। टूटते मनोबल के दौरान सरकार को हौसला अफजाई करने की आवश्यकता है। पुलिस रात दिन काम पर रहती है। उनके परिवार के लिए कोई सुविधा या परिवार को पालने के लिए पैसे नही मिलते है। यह स्थिति पीओके की है, जहा शहबाज सरकार की प्रशंसा करते थकने नही है, वही पीओके के लिए सौतेला व्यवहार किया जाता है। पुलिस की मांग को सरकार नही मानती है, तब तक पीओके का पुलिस महकमा वापस लौटने के लिए राजी नही है।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की अधूरी यात्रा

भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की मौजूदगी ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर मिसाइल विकास तक उनकी भूमिका आज किसी से छिपी नहीं है। लेकिन यह यात्रा अभी भी अधूरी है क्योंकि तथाकथित लीकी पाइपलाइन यानी शिक्षा और कॅरियर के अलग-अलग चरणों पर महिलाओं का बाहर हो जाना, उन्हें नेतृत्व की सीट तक पहुँचने से रोकता है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नवाचार और उत्कृष्टता की है। सवाल यही है कि भारत कब इस रिसाव को रोकेगा और कब महिलाएँ बराबरी से विज्ञान की बागडोर थामेंगी।

प्रियंका सौरभ
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है, या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं। फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही लीकी पाइपलाइन कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग तैंतालीस प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र चौदह प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग पंद्रह प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे। वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज़िम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह रिसाव है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है। इस रिसाव की कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं। वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है। यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है। जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी। इसके साथ ही यह भारत की वैश्विक छवि का भी सवाल है। लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और नेतृत्व की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जब भारतीय महिला वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलती हैं तो वह भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन जाता है। इससे भी आगे, यह आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षा का प्रश्न है। अगर आज हम विज्ञान में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हैं, तो कल हमारी बेटियाँ आत्मविश्वास से भरी होंगी और विज्ञान को अपनी पसंद का क्षेत्र मानेंगी। सरकार ने कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की किरण योजना, महिला वैज्ञानिक योजना, एसईआरबी पॉवर फेलोशिप जैसी पहलें युवा महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। इसरो और डीआरडीओ ने लचीले कार्य समय, विस्तारित मातृत्व अवकाश और घर से काम करने जैसे विकल्प लागू किए हैं। कई संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता समितियाँ भी गठित की गई हैं। लेकिन यह सब अभी भी अपर्याप्त है। आवश्यकता है कि इन योजनाओं की पहुँच को बढ़ाया जाए और उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जाए। आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए।

हरियाणा शिक्षक स्थानांतरण: नीति, प्रक्रिया और उलझन

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुमोदन, पक्षपात और तकनीकी बाधाओं के कारण शिक्षक असंतोष में हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सरकार को चाहिए कि वह स्पष्ट नियमावली और नीति लागू करे, समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करे, ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, और पक्षपात तथा व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। तभी शिक्षक अपने कार्य में संतुष्ट रह पाएँगे और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण और पदस्थापन की प्रक्रिया वर्षों से विवादों और असंतोष का कारण रही है। शिक्षक और कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि नीतियाँ जितनी स्पष्ट घोषणाओं में दिखाई देती हैं, उतनी ही वास्तविकता में जटिल और उलझी हुई हैं। यह मामला केवल कर्मचारियों के हित का नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है। जब वित्त विभाग से किसी पद की स्वीकृति मिल जाती है, तब भी कई बार स्थानांतरण प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो जाता है। ऐसा बजट संबंधी बाधाओं, दस्तावेजी प्रक्रियाओं या प्रशासनिक स्तर पर बार-बार अनुमोदन की अनावश्यकता के कारण होता है। इस विलंब से केवल प्रक्रिया धीमी नहीं होती, बल्कि नीति के उचित और समय पर पालन में बाधा आती है। कर्मचारी महीनों तक अनिश्चितता में रहते हैं, जिससे उनका मनोबल गिरता है और शिक्षा प्रणाली की दक्षता प्रभावित होती है। दंपत्ति मामलों में, जहाँ शिक्षक अपने जीवनसाथी के साथ पदस्थापन चाहते हैं, पहले से लंबित मामलों के बावजूद पुनः जांच और अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इससे कर्मचारी अनावश्यक असुविधा में पड़ते हैं और यह नीति की जटिलता को स्पष्ट करता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि प्रशासन कई बार प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचता है। स्थानांतरण रोकने वाले पक्षों की बात करें, तो इसमें कई स्तर शामिल हैं। लंबे समय से किसी स्थान पर तैनात कर्मचारी अपने स्थान से हटना नहीं चाहते। संघ और संगठन अपने सदस्यों के हित की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, प्रशासन भी अनुभवी कर्मचारियों को संवेदनशील पदों पर लंबे समय तक बनाए रखना पसंद करता है। इन सभी कारकों के कारण स्थानांतरण प्रक्रिया अक्सर संतुलित और निष्पक्ष नहीं होती। शिक्षा मंत्री ने प्रेस में कहा था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण लागू होंगे, लेकिन वास्तविकता में इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता। यह विरोधाभास कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा करता है। घोषणाओं और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच यह अंतर यह संदेश देता है कि केवल बयानों से नीति लागू नहीं होती। अन्य विभागों में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली सहज रूप से लागू हो रही है, जबकि शिक्षा विभाग में यह प्रक्रिया धीमी और जटिल बनी हुई है। इसका कारण केवल तकनीकी कठिनाई नहीं है। प्रशासनिक प्रतिरोध, पारंपरिक कार्य संस्कृति और स्थानीय अधिकारियों की प्राथमिकताएँ इसमें योगदान करती हैं। जब तक सभी पक्ष पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित नहीं करेंगे, ऑनलाइन प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती। नई नियुक्तियों के समय पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के बावजूद स्थानांतरण में देरी होती है। इससे प्रश्न उठता है कि क्या कर्मचारियों को जानबूझकर दूर भेजा जा रहा है या कुछ को सुविधा दी जा रही है। आने वाले वर्ष में जनगणना के कारण स्थानांतरण न होने की संभावना इस प्रश्न को और गंभीर बना देती है। प्रत्यायोजन की प्रथा भी समस्या बनी हुई है। इसके तहत अपने कर्मचारियों को विशेष पदों या स्थानों पर समायोजित किया जाता है। यह न केवल पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाता है, बल्कि पक्षपात और प्रशासनिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है। यदि समय रहते इसे रोका और सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ, तो शिक्षक और विभाग दोनों को लाभ होगा। इन सभी जटिलताओं के बावजूद शिक्षक समुदाय चाहता है कि नीति स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो। केवल घोषणाओं और प्रेस विज्ञप्तियों से समाधान नहीं होगा। आवश्यकता है कि प्रशासन ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, पक्षपात और व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। शिक्षक और छात्र यह विश्वास रखें कि स्थानांतरण प्रक्रिया शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखने के लिए है, न कि किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए। हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुमोदन, पक्षपात और तकनीकी बाधाओं के कारण शिक्षक असंतोष में हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सरकार को चाहिए कि वह स्पष्ट नियमावली और नीति लागू करे, समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करे, ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, और पक्षपात तथा व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। तभी शिक्षक अपने कार्य में संतुष्ट रह पाएँगे और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। अन्यथा यह प्रक्रिया केवल विवाद, असंतोष और भ्रम का स्रोत बनी रहेगी। हरियाणा सरकार के सामने यह चुनौती है कि वह शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया में स्थिरता, न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करे। तभी शिक्षा प्रणाली का वास्तविक उद्देश्य झ गुणवत्ता, संतुलन और विद्यार्थियों के हित झ पूरा हो सकेगा। हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। वित्त विभाग से अनुमोदन मिलने के बावजूद विलंब, दंपत्ति मामलों में पुनः प्रक्रिया, और प्रत्यायोजन के माध्यम से पक्षपात जैसी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन वास्तविकता में प्रशासन इसे अक्सर बहाना बनाने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करता है। केवल पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष प्रक्रिया ही शिक्षक और छात्रों के हित में स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती है।

सियासत और आस्था

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत की राजनीति एक विचित्र रंगमंच है। यहाँ हर पाँच साल में एक नया नाटक मंचित होता है। पहले के दौर में चुनाव सिर्फ विचारधारा, संघर्ष और नेताओं के व्यक्तिगत त्याग की कहानियों पर आधारित होता था। मतदाता अपनी सारी व्यथा, शिकायतें और दुःख-दर्द को भुलाकर उस कला से रिझ जाते थे, जिसे कोई नेता मंच से प्रस्तुत करता था। लेकिन आज का परिदृश्य बिल्कुल अलग है। अब गाँव के खलिहान से लेकर शहर के किचन तक, सब जगह मोबाइल और सोशल मीडिया की रीलें छा चुकी हैं। नतीजा यह हुआ है कि जो कला कभी दिल जीत लेती थी, वह अब डिजिटल भीड़ में दब चुकी है। फिर भी सियासत अपनी पुरानी चालें छोड़ने को तैयार नहीं है। आस्था पर सियासत का अतिक्रमण कोई नया खेल नहीं है। देवी-देवताओं से लेकर धार्मिक त्योहारों तक को राजनीतिक मंच पर इस्तेमाल करने की परंपरा दशकों से चलती आई है। उसी कड़ी में हाल ही में प्रियंका गांधी का बिहार में तीज मनाना चर्चा का विषय बना। सवाल उठता है कि क्या यह आस्था का सम्मान था या चुनावी रणनीति का हिस्सा? भारत जैसे देश में आस्था की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहाँ हर गली-मोहल्ले में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च मिलेंगे। लोग अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी को धार्मिक रीति-रिवाजों से जोड़कर जीते हैं। ऐसे में राजनीति ने हमेशा आस्था को अपने चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। आजादी के बाद से ही मंदिरों, मस्जिदों और धार्मिक आयोजनों का चुनावी मंचों पर इस्तेमाल होता रहा है। राम मंदिर आंदोलन से लेकर दुर्गा पूजा पंडालों में नेताओं की उपस्थिति, सब इस बात के गवाह हैं कि आस्था राजनीति का अहम आधार रही है। महिलाओं की आस्था और त्योहारों से जुड़ाव को राजनीति ने अक्सर भुनाया है। करवा चौथ, तीज, छठ जैसे पर्वों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी रहती है। इन मौकों पर राजनीतिक चेहरे जनता के बीच आसानी से पहुँच बनाते हैं। प्रियंका गांधी का बिहार में तीज करना इसी परंपरा का हिस्सा है। पहले नेता मंच पर भाषण देकर या जनता से आमने-सामने मिलकर संवाद करते थे। लेकिन अब मोबाइल फोन ने पूरी राजनीति को बदल दिया है। आज चुनावी रैलियों से ज्यादा असरदार मानी जाती हैं सोशल मीडिया की रीलें। नेता मंच से बोलते हैं लेकिन जनता व्हाट्सएप और फेसबुक से अपना मूड बनाती है। इस डिजिटल लहर में आस्था और त्योहारों की तस्वीरें, वीडियो और लाइव इवेंट्स सबसे ज्यादा शेयर किए जाते हैं। हालांकि डिजिटल माध्यम ने राजनीति को आसान कर दिया है, लेकिन इसने वास्तविक जुड़ाव की कला को कमजोर कर दिया है। पहले नेता जनता के दुःख-दर्द सुनते थे, अब वे कैमरे के सामने तैयार स्क्रिप्ट बोलते हैं। यही वजह है कि मतदाता अक्सर भ्रमित रहते हैं कि आस्था और राजनीति के बीच वास्तविकता कहाँ है। बिहार धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों का गढ़ है। यहाँ छठ, तीज और सावन का महीना महिलाओं और परिवारों के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसे में किसी बड़े राजनीतिक चेहरे का इन त्योहारों से जुड़ना जनता में भावनात्मक प्रभाव डालता है। प्रियंका गांधी ने बिहार में तीज मनाकर महिलाओं से भावनात्मक रिश्ता जोड़ने की कोशिश की। तीज को पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि से जोड़ा जाता है। महिलाओं का बड़ा वर्ग इससे भावनात्मक रूप से जुड़ा रहता है। प्रियंका का यह कदम चुनावी दृष्टि से एक संदेश था ह्लमैं आपकी परंपराओं और भावनाओं का सम्मान करती हूँ। लोगों को असली अचंभा तब होगा जब चुनाव 25 अक्टूबर के बाद घोषित हों। क्योंकि तीज और छठ जैसे पर्व बिहार की राजनीति में बड़ा असर डालता हैं। त्योहारों से पहले भावनात्मक माहौल बनाकर वोटरों पर असर डालना चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा होता है। 2022 के पंजाब चुनाव को भला कौन भूल सकता है? उस चुनाव में बिहारी भैयों पर हुई टिप्पणियों ने गहरी चोट दी थी। मंच से नेताओं की ताली की गूंज पर बिहारी मजदूरों की आस्तीनें चढ़ाई जा रही थीं। यह दृश्य आज भी बहुतों के दिल को चुभता है। बिहारियों को अक्सर सस्ते मजदूर या पलायन करने वाले कहकर राजनीति ने छोटा दिखाने की कोशिश की है। पंजाब में जब यह सियासी हथकंडा चला, तब बिहार की जनता ने इसे गहरी चोट की तरह महसूस किया। यही कारण है कि बिहार के मतदाता अब हर चुनाव में नेताओं की नीयत और भाषा को तौलते हैं। भारत में महिला मतदाता निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कई राज्यों में महिला वोट प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा हो चुका है। ऐसे में त्योहार और आस्था के जरिये उनसे जुड़ना नेताओं की प्राथमिक रणनीति बन चुका है। महिलाओं का दिल कोमल माना जाता है। वे धार्मिक त्योहारों और पारिवारिक परंपराओं से गहराई से जुड़ी रहती हैं। इसीलिए सियासी दल अक्सर महिलाओं को आकर्षित करने के लिए आस्था से जुड़े कदम उठाते हैं। प्रियंका गांधी का तीज मनाना इसी दिशा का हिस्सा है। नेता जब आस्था से जुड़ते हैं तो सवाल यह उठता है कि उनका मकसद आस्था का सम्मान है या वोट की राजनीति।

संक्षिप्त खबरें

बनियापुर में विजयादशमी महापर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

बनियापुर। बनियापुर में शारदीय नवरात्र के दसवें दिन विजय दशमी उत्सवी माहौल में मनाया जहा पूरे प्रखंड में पूजा पंडालो मे माँ दुर्गा की पूजा अर्चना के साथ अपनी श्रद्धा भक्ति भावना व्यक्त किया जहा बुराई पर अच्छाई का प्रतिक बताया। वही कई शिक्षण संस्थानो मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री की 56वीं जयंती धूमधाम से मनाई गयी, जहा। जहाँ इन विभूतियों की व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा किया गया, महात्मा गांधी के सत्य अहिंसा के संदेश वाहक बताते उन्हें विश्वमानव बताया, मौके पर प्रखंड के सभी गावों मे महापर्व पर भक्तिमयी रंग मे सभी सराबोर दिखाई दिए।

फिंका रहा शिक्षकों का दशहरा

लहलादपुर। प्रखंड क्षेत्र के बहुत सारे शिक्षकों का दशहरा बिल्कुल फिंका रहा। उन शिक्षकों की चिंता सता रही है कि दशहरा तो फिंका रहा, वेतन के अभाव में अब कहीं दीपावली तथा छठ पर्व भी परेशानी का विषय न बन जाय. इन शिक्षकों के अनुसार इनमें वैसा शिक्षक शामिल हैं, जिन्हें जुलाई महिने से ही वेतन का भुगतान नहीं हो रहा है. जिस कारण इन शिक्षकों के समक्ष आर्थिक संकट आ पड़ा है. जो शिक्षक सिर्फ अपने वेतन पर ही निर्भर हैं, वे तो भूखमरी का शिकार बन चुके हैं. खासकर वैसे शिक्षक मायूस हैं जिनका स्थानांतरण अपने सारण जिले में ही दूसरे प्रखंड के विद्यालय से लहलादपुर प्रखंड क्षेत्र के भिन्न-भिन्न विद्यालयों में हुआ है.

पुलिस ने तीन शराबियों को किया गिरफ्तार

परसा। थाना पुलिस ने परसा बाजार में शराब पीकर हंगामा कर रहे तीन शराबियों को गिरफ्तार किया.गिरफ्तार शराबियों की पहचान परसा थाना क्षेत्र के भलवाहिया गांव निवासी रामबाबू राय, राकेश कुमार और अरुण राय के रूप में हुई है.तीनों पर उत्पाद अधिनियम के तहत सन्हा दर्ज कर पुलिस ने उन्हें छपरा शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय भेज दिया.

छपरा में सिंदूर खेला के साथ ही माता की विदाई

छपरा। छपरा के कालीबाड़ी में आज माता की विदाई की गई। माता का पूजन और हवन किया गया उसके बाद पुष्पांजलि का कार्यक्रम किया गया तत्पश्चात बंगाली रीति रिवाज के अनुसार माता की विदाई की गई और बंगाली समाज की सबसे बुजुर्ग महिला के द्वारा माता को सिंदूर लगाकर और खोईचा देकर माता को विदा किया गया बंगाली समाज की मान्यता के अनुसार उस बुजुर्ग महिला ने अन्य महिलाओं को सिंदूर लगाया और उसके बाद सभी महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर सिंदूर खेला का आयोजन किया। बंगाली समाज की महिलाओं के द्वारा एक विशेष प्रकार का आवाज उलू निकाली जाती है जिसे प्रत्येक शुभ अवसर पर किया जाता है माता की विदाई और सिंदूर खेला के समय बंगाली समाज की महिलाओं के द्वारा उलू निकाला गया और एक दूसरे को जमकर सिंदूर लगाया गया। गौरतलब है कि छपरा कालीबाड़ी बिहार के प्राचीन काली बाड़ी में से एक है और यहां पर 104साल से माता की स्थापना होती है और बंगाली रीति रिवाज के अनुसार विधिवत ढंग से पूजा होती है और प्रत्येक श्याम ढाक और ढोल की थाप पर विशेष आरती का आयोजन किया जाता है।

बाइक पर देशी कट्टा लहराते वायरल विडिओ के तीनो युवक गिरफ्तार

मशरक। मशरक पुलिस ने बाइक पर देशी कट्टा लहराने वाले वायरल विडिओ के तीनो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वायरल विडिओ मे मशरक थाना क्षेत्र के घोघिया भुआल बाबा के समीप आम के बगीचे मे दो युवक बाइक पर सवार होकर देशी कट्टा लहरा रहे थे जबकि तीसरा युवक उनका विडिओ बना रहा था। पुलिस ने विडिओ का सत्यापन कर तीनो को उनके घर से दबोच लिया।

महिला रोजगार योजना बनी चुनावी मास्टरस्ट्रोक

लाखों महिलाओं तक पहुँचा सरकार का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना अब महज एक कल्याणकारी कार्यक्रम ही नहीं बल्कि चुनावी दृष्टिकोण से भी एक बड़ा दांव साबित हो रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में स्वरोजगार हेतु 10 हजार रुपये की प्रथम किस्त की राशि सीधे हस्तांतरित की। इस योजना से सारण जिले की 1 लाख 39 हजार महिलाएं भी लाभान्वित हुईं। जिला मुख्यालय और सभी प्रखंडों में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हुआ, जिससे हजारों महिलाएं सरकार से सीधे जुड़ीं। छपरा स्थित समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिलाधिकारी अमन समीर, उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल और अन्य पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों जीविका दीदियों की उपस्थिति ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इस योजना की शुरुआत 26 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में की गई थी, जिसके तहत 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त दी गई थी। इसमें सारण जिले की 2 लाख 57 हजार महिलाएं शामिल थीं। बता दें कि राजनीतिक नजरिए से देखें तो सरकार ने इस योजना के जरिये आधी आबादी को सीधे संबोधित कर आगामी चुनाव के लिए मजबूत सामाजिक आधार तैयार किया है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के वादे के साथ-साथ यह आर्थिक सहयोग ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिला मतदाताओं को आकर्षित करने का माध्यम बन रहा है। चुनावी समीकरण में महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। ऐसे में महिला रोजगार योजना न केवल विकास और सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि सत्तारूढ़ दल के लिए एक बड़ा चुनावी हथियार भी बन सकती है।

मढ़ौरा ने देवरिया को 1-0 गोल से हराया

एकमा। हर साल की भाँति इस साल भी दुर्गा पूजा के नवरात्र के अवसर पर प्रखंड के खेल के मैदान में तीन दिवसीय फुटबाल खेल में सारण के मढ़ौरा सद्भावना फुटबॉल टीम व उत्तर प्रदेश के देवरिया मेहा फुटबॉल टीम को एक गोल से हराकर विजयी घोषित हुआ। खेल का आयोजन स्टार फुटबॉल एकेडमी एकमा के तत्वावधान में तीन दिवसीय खेल खेली गई। जिसमें फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश देवरिया व मढ़ौरा के बीच खेला गया। जिसमें मढ़ौरा ने देवरिया को 1-0 से हराकर शील्ड पर जमाया कब्जा। वही इस मैच के मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष श्वेता रानी ने विजेता व उपविजेता टीम को शील्ड व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दोनों टीम एक दूसरे पर शुरूआत से ही हावी रही। इस दौरान अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस तरह का आयोजन से न केवल खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है बल्कि गांव में छुपी प्रतिभा को निकालने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संजय सिंह मुन्ना सिंह अवधेश यादव राकेश कुमार संजय सिंह उमेश साह समाज सेवी सह शिक्षक दीपक राज श्याम बिहारी पंडित उर्फ काका अनिल यादव संजय यादव उमेश साह भोला बैठा आदि का सराहनीय सहयोग रहीं।

इसुआपुर के अटौली गांव में विवाह मंडप का हुआ शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड के रामपुर अटौली पंचायत के रामपुर अटौली गांव में बुधवार को प्रखंड का पहला विवाह मंडप और पंचायत सरकार भवन का वर्चुअल शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। बीडीओ वीणा पाणि, सीओ सतीश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कमल कुमार राम, जिला पार्षद छविनाथ सिंह, स्थानीय मुखिया धनंजय पांडेय सरपंच संजय ओझा, बीडीसी प्रतिनिधि सुरेंद्र राम समेत सैकड़ों गणमान्य लोगों की सदेह मौजूदगी में विधिवत पूजा पाठ के साथ शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। विवाह मंडप बनाए जाने को लेकर लोगों में काफी खूशी थी। मुखिया धनंजय पांडेय ने बताया कि लगभग 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस विवाह मंडप में वर और वधू पक्ष के लिए अलग-अलग कमरे, एक बड़ा हॉल, सामूहिक भोजन करने के लिए डाइनिंग हॉल, किचेन, शौचालय तथा पेशाब घर जैसी व्यवस्था रहेगी। खासकर मध्यम एवं गरीब वर्ग के लोगों के लिए यह योजना काफी लाभकारी साबित होगी।

शादी विवाह जैसे मौके पर उनके खर्चे में काफी बचत होगी। पूर्व मुखिया बिंदेश्वरी प्रसाद, मोहन बैठा, अनारमा पांडेय, अनिल तिवारी, मने मिश्र, उधो तिवारी, सिद्धनाथ ओझा समेत मौजूद सैकड़ों लोगों ने खुशी का इजहार करते हुए सरकार के इस योजना को खूब सराहा।

श्रीराम ने चलाया तीर और धू-धू कर जल उठा रावण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अनाचार के प्रतीक दशानन का प्रतीकात्मक अंत विजयादशमी को हो गया। शहर के राजेंद्र स्टेडियम में मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम तथा लक्ष्मण ने ज्यों ही तीर मारा कि रावण और मेघनाथ के विशालकाय पुतले धू-धू कर जलने लगे। जय श्री राम के उदघोष से स्टेडियम और आसपास का क्षेत्र गूंज उठा। विजयादशमी समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित रावण वध कार्यक्रम को देखने के लिए लोगों का हुजूम दोपहर बाद से स्टेडियम में पहुंचना प्रारंभ हो गया था।

रावण वध के पहले भगवान श्री राम की शोभा यात्रा ने शहर में भ्रमण किया जो कटहरीबाग हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई। शहर भ्रमण के दौरान भगवान श्री राम लक्ष्मण और हनुमान की आरती उतारी गई। स्टेडियम में पहुंचते हीं श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा का विराट जयघोष के साथ स्वागत किया। शोभा यात्रा के स्टेडियम में पहुँचते हीं आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। आतिशबाजी के बीच भगवान श्रीराम ने अपना अग्निबाण चलाकर रावण की नाभि को निशाना बनाया। नाभि पर बाण लगते हैं रावण का वध हो गया। इस तरह असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म ने विजय प्राप्त की।

पूरा स्टेडियम श्री राम के जय जयकार से गूंज उठा। दर्शकों में महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा थी। उन्होंने आतिशबाजी का जमकर आनंद उठाया। अद्भूत आतिशबाजी का दिखा नजाराः इस बार 60 फीट का रावण एवं 55 फीट का मेघनाथ का विशालकाय पुतला बनाया गया था जो गगनचुंबी था। रावण-वध के पहले राम की सेना व रावण की सेना के बीच युद्ध हुआ। जिसे देखकर उपस्थित दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। रावण वध में अदभूत आतिशबाजी का नजारा दिखा। रंगीन आतिशबाजी से आसमान भी रंग-बिरंगा हो गया था। राम-रावण युद्ध में आतिशबाजी का नजारा देखते ही बन रहा था। दोंनो तरफ से फूलझड़ियों के तीर चल रहे थे। वहाँ का दृश्य बड़ा हीं रोमांचकारी दिख रहा था।

रावण वधः गुब्बारा उड़ा कर कार्यक्रम की शुरूआत

रावण वध कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने आकाश में गुब्बारा उड़ाकर किया। विजयादशमी समारोह समिति के अध्यक्ष व विधान परिषद के पूर्व उपसभापति सलीम परवेज, जिलापदाधिकारी अमन समीर, आरक्षी अधीक्षक डॉक्टर कुमार आशिश, कार्यकारी अध्यक्ष वरूण प्रकाश राजा, विजयादशमी समारोह समिति के उपाध्यक्ष श्याम बिहारी अग्रवाल, मदन मोहन सिंह, सत्य प्रकाश यादव, अरूण सिंह, प्रकाश वर्मा, मनोज वर्मा संकल्प, सैयद जफर अब्बास रिजवी, सचिव राजू नयन शर्मा ददन राज, अंकेक्षक पवन कुमार अग्रवाल, संगठन सचिव शंकर देव सिंह, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह सहायक सचिव चन्द्र कान्त द्विवेदी, राजीव रंजन, मनीष कुमार, भाग्यराज, अमितेश्वर सहाय संयुक्त सचिव सत्य प्रकाश गुप्ता, प्रेमराज, आयुष राज व अन्य थे।

महाविरी अखाड़े में दिखें देव व दानव

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। दुर्गा पूजा के अवसर पर विजयदशमी के दिन एकमा नगर पंचायत के भरहोपुर टोले गंज गांव हेकाम कोहरगंढ बनकट भरहोपुर मठिया गांव से संयुक्त रूप से निकलीं 34 साल बाद महाविरी आखेडे में हाथी-घोड़े बेंड बाजे के साथ हजारों लोगों कि हुजूम के साथ निकली माहवारी अखाड़ जुलूस में दिखे देव और दानव मेले में आए महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग देख कर मन मुग्ध हो गई। अखाड़े जुलूस में पुर्व विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह कामेश्वर मुन्ना सिंह गौरव किशन सिंह सहित अखाड़े में सामिल लोगों ने माथे सहेरा बांध निकले हुए थे। जिससे दिर्शय बहुत ही सुन्दर एवं सुसज्जित दिख रहें थे। अखाड़े जुलूस में इतनी लोगों कि जन सैलाब उमड़ पड़ी थी कि 34 साल में इस तरह कि भिड़ नहीं देखी गई थी। इसकी चर्चा लोगों के जूबानो से हो रही है। वहीं अखाड़े जुलूस को सफल बनाने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार थाना अध्यक्ष उदय कुमार सहित काफी पुलिस बल के साथ तैनात रहे।

शांतिपूर्ण एवं आस्था के साथ दशहरा हुआ संपन्न

दरियापुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में नवरात्र का त्यौहार शांतिपूर्ण एवं पूर्ण आस्था के साथ संपन्न हुआ। गुरुवार से ही बारिश होने के बावजूद कई पूजा समितियों द्वारा प्रतिमा विसर्जन भी प्रारंभ कर दिया गया। वहीं शुक्रवार को भी अधिकांश पूजा समितियों के द्वारा विसर्जन कर दिया जाएगा। पूजा के दौरान खानपुर, लोहछा, डेरनी, बेला, शीतलपुर समेत कई जगहों पर बना पंडाल एवं प्रतिमा जहां आकर्षण का केंद्र था, वहीं कई पूजा समितियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रावण बद्ध का भी दर्शकों ने खूब आनंद लिया। लोहछा विश्वंभरपुर पूजा समिति द्वारा मैट्रिक एवं इंटर के टॉपर छात्र छात्राओं को सम्मानित कर विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति जागरूक किया गया। दुर्गा पूजा मेला के दौरान पुलिस प्रशासन भी काफी मुस्तैद नजर आई। डेरनी थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी के नेतृत्व में दिन रात पुलिस क्षेत्र में सक्रिय थी। जिससे आपराधिक किस्म के लोग घरों में दुबके थे।

एक अक्टूबर को मांगो को लेकर दोन आंदोलनकारियों ने निकाला केंडिल मार्च

- डीएम एसडीएम को दिए ज्ञापन पर सुनाई मे देरी से एकजुट हुए 25 गांवों के ग्रामीण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। अपनी मांगो को लेकर दोन क्षेत्र के 25 गांवों के ग्रामीण एक जुट हो अपनी बुनियादी मांगो को लेकर पिछले एक महीने से आंदोलन कर रहे है। इसी क्रम मे एक अक्टूबर को ग्रामीणों ने अपने अपने गांवों मे केंडिल जलाकर प्रदर्शन किया है। दोन निवासी देवराज महतो ने बताया की मांगो के लिए प्रदर्शकर्रियों ने डीएम व एसडीएम को ग्रामीणों के हस्ताक्षर युक्त लेटर दिया है। लेकिन इसकी सुनवाई अबतक नहीं होने के कारण ग्रामीण आहत होकर आंदोलन को और तेज कर दिया है। दोन क्षेत्र के गर्दी, दोन, कमरछिनवा, खैरहनी, सेमरहनी चम्पापुर, बरवाडीह, भुवराहवा, ढोकनी, मटियरवा, पिपराहवा, नौरंगिया, सिंगराहवा, लक्ष्मीपुर, बैरिया, चूल्हेया, बेल्हानी, शेरवा शीतलबारी, बरवाडीह समेत वनवारी चौकीदार टोला रघीया और आवारहिया समेत अन्य गांवों के ग्रामीण अपनी मांगो, सड़क पूल पुलिया, बिजली और संचार व्यवस्था की मांग करते हुए शांतिपूर्ण तरिके से दोन की एकता जिंदाबाद, भारत माता की जय, बंदे मातरम के नारे लगाते हुए वोट बहिष्कार के आंदोलन गति को और तेज कर दिया है।

दुर्गा पूजा एवं दशहरा के मेले में लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर ने पेयजल की व्यवस्था की

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर के द्वारा शहर में अष्टमी, नवमी एवं दसवीं को तीन दिनों तक मेला में घूम रहे श्रद्धालुओं को पिने के लिए शुद्ध ठंडा पेयजल की व्यवस्था की गई है। पेयजल की इस व्यवस्था से लगभग आठ हजार श्रद्धालुओं लाभान्वित होंगे। मेले में काफी भीड़ होने के कारण श्रद्धालुओं को पेयजल की निरंतर आवश्यकता महसूस हो रही थी। लोग प्यासे थे, लायंस क्लब द्वारा की गई पेयजल की व्यवस्था से लोगों ने अपनी प्यास बुझाई एवं लायंस क्लब को धन्यवाद दिया। इस पानी के स्टॉल का उद्घाटन रीजन चेयर पर्सन लायन डॉक्टर कामेश्वर राय के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर 'लायंस क्लब ऑफ छपरा ग्रेटर' के अध्यक्ष राजेश कुमार उपाध्याय क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन एस जेड ए रिजवी पूर्व अध्यक्ष करण सिंह, पूर्व अध्यक्ष एस एम इब्राहिम, वरिष्ठ सदस्य लायन मनोज वर्मा संकल्प श्याम बिहारी अग्रवाल छपरा ग्रेटर उपाध्यक्ष लायन विभूति नारायण शर्मा लायन डॉ कामेश्वर राय, लायंन धर्मनाथ पिंटू लायंस क्लब छपरा आदर्श क्लब के कोषाध्यक्ष जय प्रकाश लायन मुमताज इमाम, रंजीत कुमार सिंह और लियो क्लब ऑफ छपरा यूथ के सचिव लियो रूपेश कुमार लियो सौरभ राय ने सक्रिय सहयोग किया। प्रोग्राम चेयरमैन लायन जय प्रकाश एवम लायन करण सिंह ने पेयजल की इस व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई एवं समस्त श्रद्धालुओं, लायन एवं लियो का अभिनंदन किया। इस प्रोग्राम की जानकारी लायन पी आर ओ मिथिलेश कुमार के द्वारा दी गई।

रसूलपुरः भंडारे के प्रसाद के लिए उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुरः विजयदशमी को रसूलपुर के राजेन्द्र चौक पर दुर्गा पूजा समिति द्वारा विजयदशमी के दिन भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों की लंबी कतार दिखी। समिति के सदस्यों द्वारा भक्तों के लिए पूड़ी-सब्जी एवं हलवा का उत्तम व्यवस्था किया गया था। भंडारे के व्यवस्था में बाजार के सभी व्यवसायियों ने अपनी सहभागिता दिखाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपमुखिया मनोज सोनी नन्हे, संजय सोनी, मुकेश प्रसाद, आलू व्यवसाई राजेन्द्र प्रसाद, राजू प्रसाद, छोटेलाल प्रसाद, जितेन्द्र हैयवंशी, नवीन सिंह, बंटी सोनी, धर्मेंद्र प्रसाद, संतोष सोनी, दीपू मिश्रा, पिंटू, अमन दुबे, पवन प्रधान उपस्थित थे।

अमनौर के विकास को नई ऊँचाई पर ले जाना मेरा लक्ष्यः कृष्ण कुमार सिंह मंटु

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। शारदीय नवरात्रि के विजयदशमी के अवसर पर थाना क्षेत्र के धर्मपुर जाफर पंचायत में आयोजित दस दिवसीय सर्वोदय मेला का गुरुवार को संध्या बिहार सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार सिंह मंटू ने फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया। मंत्री ने मंदिर परिसर में जाकर माता रानी का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लसर्वोदय मेला हमारी परंपरा, संस्कृति और एकता की पहचान है। समिति के सदस्यों ने इस धरोहर को जीवित रखकर सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा अमनौर के लोगों ने जो प्यार और आशीर्वाद दिया है, वही मेरी असली ताकत है। मैं अपने क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा। सर्वोदय मेला को राजकीय मेला घोषित कराने के लिए प्रस्ताव बिहार सरकार को भेजा जाएगा। राजद नेता विजय कुमार बिद्यार्थी ने कहा सर्वोदय मेला आजदी के पहले से लगने वाला मेला है। सरकार के अनदेखी से यह सिमटते जा रहा है। उमेश शर्मा पत्रकार ने मेला सचिव अनमोल की सराहना करते कहा कि इनके प्रयास से पहले से बड़े स्वरूप में इस वार मेला का आयोजन हुआ है। यह मेला हमसभी के लिए ऐतिहासिक धरोहर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रकेत नारायण सिंह ने की और मंच संचालन विनय विशाल ने किया। इस मौके पर मेला सचिव मंत्री को अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर सत्येंद्र प्रसाद, बराज सिंह, पंकज कुमार सिंह, सुशील सिंह, उमेश शर्मा पैक्स अध्यक्ष विजय विद्यार्थी, अजीत सिंह, पप्पू सिंह, नवीन पूरी, ओमप्रकाश सिंह, संजीव सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जन सुराज पार्टी ने हर्षोल्लास के साथ मनाई पार्टी स्थापना के प्रथम वर्षगांठ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। गुरुवार को जिला कार्यालय परिसर में जन सुराज पार्टी की स्थापना दिवस की प्रथम वर्षगांठ बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। विजयादशमी का पावन पर्व और पिछले नौ दिनों से चल रहे नवरात्रि महापर्व को देखते हुए स्थापना दिवस कार्यक्रम विशेष रूप से महिला शक्ति को केंद्र में रखकर इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला अध्यक्ष अमिता सहनी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। वहीं केक कटाकर कर पहली वर्षगांठ मनाई गई। वक्ताओं ने जन सुराज पार्टी की विचारधारा और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। महिला नेत्रियों ने कहा कि संगठन में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है और यही समाज व राजनीति के सकारात्मक परिवर्तन की नींव बनेगी।

जिला अध्यक्ष बच्चा राय ने कहा कि जन सुराज का असली बल जनता की भागीदारी और महिलाओं की सक्रिय भूमिका है। आने वाले समय में हम इसी भागीदारी के बल पर बिहार में परिवर्तन लाएँगे। वहीं जिला मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने कहा कि एक वर्ष की अवधि में पार्टी जो मुकाम हासिल किया वह आज तक किसी ने नहीं किया। यह कार्यकताओं की ईमानदारी व ताकत का नतीजा है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला महिला अध्यक्ष अमृता साहनी, जिला उपाध्यक्ष मनोरमा कुमारी, उषा देवी, छपरा अनुमंडल महिला अध्यक्ष कविता सिंह, सीमा प्रसाद, नूतन कुमारी, नगर महिला अध्यक्ष प्रीति रानी तथा उपाध्याय निर्मला देवी ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। इसके साथ ही जन सुराज के वरिष्ठ नेता रामपुकार मेहता, राहुल सिंह, जेपी सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष बच्चा राय, जिला महामंत्री श्रवण महतो, जिला प्रभारी राकेश पटेल, कुलदीप महासेठ, राज नंदन यादव, प्रो.शकील अहमद अता, सूरज कुमार, राजीव रंजन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शमिल रहे।

लड़की के अपहरण के मामले मे एक गिरफ्तार

परसा। थाना के मिजार्पुर गांव से लड़की के अपहरण के मामले लड़की के मां ने परसा थाना में लिखित आवेदन देकर गांव के ही चार व्यक्तियों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है. दर्ज प्राथमिकी के आधार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार युवक थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव निवासी भोला राय का पुत्र संजीत कुमार बताया जाता है. वहीं लड़की की बरामदगी व अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

कोहरा मठिया खेल मैदान में विजयादशमी पर हुआ रावण दहन, भारी भीड़ उमड़ी

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। स्थानीय थाना क्षेत्र के कोहरा मठिया खेल मैदान में गुरुवार की शाम विजयदशमी के अवसर पर भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान मैदान में विशाल रावण का पुतला स्थापित किया गया. जिसे देख आस-पास के गांवों से भारी संख्या में लोग पहुंचे. ग्रामीणों की भीड़ मैदान में जमा होकर इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनी.कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आया.किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी.थानाध्यक्ष ओमप्रकाश कुमार, सीओ अनुज कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे.इसके अलावा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति जैसे मुखिया संजीव सिंह डब्लू साह, सकलदीप माझी, राजेश कुमार, रोहित सिंह पटेल, डॉ. उमेश कुमार और नितेश कुमार भी मौके पर उपस्थित रहे.कार्यक्रम की भव्यता को और आकर्षक बनाने के लिए राम, लक्ष्मण और हनुमान की झांकी सजाई गई, जिसने लोगों का मन मोह लिया. रावण वध के क्षण में उपस्थित भीड़ ने उत्साह और जयघोष के साथ विजयदशमी का पर्व मनाया।

संक्षिप्त खबरें

बरांव में सामाजिक नाटक बटवारा का मंचन

पीरो। पीरो प्रखंड के चतुभुर्जी बरांव गांव में चतुर्भुज नाट्य कला परिषद के बैनर तले सामाजिक नाटक बटवारा का सफल व जीवंत मंचन किया गया। चर्चित नाटककार डा. श्री भगवान सिंह लिखित इस नाटक के मंचन से पूर्व मंच का उद्घाटन बरांव पंचायत के लोकप्रिय मुखिया भाई श्री राम सिंह के द्वारा किया गया । मौके पर मुखिया ने अपने संबोधन में कहा कि संचार क्रांति के इस युग में मनोरंजन के तमाम आधुनिक साधनों की उपलब्धता के बावजूद नाट्य कला का महत्व कायम है। नाटक विचारों व संदेशों के संचार का सबसे सशक्त माध्यम है।इसके द्वारा आम जन मानस में विचारों का सीधा असर होता है। इस दौरान मुखिया ने लोगों से शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उद्घाटन समारोह में नाटककार श्री भगवान सिंह, पूर्व मुखिया देवराज सिंह, संजय सिंह, समरजीत गुप्ता, मुन्नाराम, भूषण महतो, उमा सिंह, भीम साह, डा. मुन्ना, प्रदीप सिंह, नूर मोहम्मद, शिवजी रजक, अनोज पांडेय आदि मौजूद थे । इस दौरान जय चतुर्भुज नाटय कला परिषद के द्वारा उपस्थित सभी लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

पवन और उपेंद्र की मुलाकात बिहार की सामाजिक एकता की ओर सार्थक कदम:धीरज कुमार

आरा, जगदीशपुर, भोजपुरी सुपरस्टार और राजनेता पवन सिंह द्वारा आरएलएसपी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा से हाल ही में की गई मुलाकात ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। इस राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रम को राष्ट्रीय कुंवर वाहिनी के अध्यक्ष धीरज कुमार सिंह उर्फ लव जी ने एक स्वागत योग्य और दूरदर्शी पहल बताया है।यह सिर्फ एक राजनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और बिहार की बहुजन शक्ति को एकत्र करने की दिशा में बड़ा संकेत है। उन्होंने कहा कि पवन सिंह जैसे जनप्रिय कलाकार और युवा चेहरे का उपेंद्र कुशवाहा जैसे अनुभवी सामाजिक नेता से मिलना, बिहार के राजनीतिक परिदृश्य को नई दिशा दे सकता है। यह मुलाकात राजपूत और कुशवाहा समाज के बीच एकता, सहयोग और संवाद की नई शुरूआत का प्रतीक है, उन्होंने कहा।लव ने कहा कि आज जब समाज जातिगत ध्रुवीकरण से गुजर रहा है, ऐसे में ऐसे प्रयास सकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देंगे। राष्ट्रीय कुंवर वाहिनी सदैव ऐसी पहल का स्वागत करती है जो सामाजिक सद्भाव और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देती है।संकेत दिए जा रहे हैं कि राष्ट्रीय कुंवर वाहिनी निकट भविष्य में बिहार के युवाओं और वंचित वर्गों को जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाने वाली है, जिसमें ऐसे नेतृत्व को प्राथमिकता दी जाएगी जो मूल्य आधारित राजनीति को बढ़ावा दे।

रिमझिम फुहारों के बीच मां दुर्गा को दी गई विदाई

पीरो। पीरो अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के गांवों व कस्बों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का गाजे-बाजे के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान रुक-रुक कर हो रही बारिश के बावजूद बड़ी तादाद में श्रद्धालु जन विसर्जन जुलूस में शामिल हुए। प्रशासन के निदेर्शानुसार सभी पूजा समितियों की प्रतिमाएं जुलूस के साथ पहले पीरो थाना परिसर लायी गई। तत्पश्चात प्रशासन की देखरेख में विसर्जन जुलूस पीरो डाकघर, लोहिया चौक, अनुमंडल गेट, महावीर चौक, दुसाधी बधार, मिलकी मोड होते ओझवलिया मोड पहुंचा। वहां से पुनः वापस उसी रास्ते लोहिया चौक होते पेट्रोल टंकी, सब्जी मंडी, ज्वाला मार्केट, बस स्टैंड, इब्राहिमपुर मोड के रास्ते बचरी नहर पुल पर विसर्जन जुलूस संपन्न हुआ। जुलूस के साथ पीरो नगर के अधिकांश गणमान्य लोग मौजूद थे। बचरी पुल पर विधिवत पूजा-पाठ के पश्चात सभी प्रतिमाओं का बारी-बारी से विसर्जन किया गया। पूरे जुलूस के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन काफी मुस्तैद दिखाई दिया। स्वयं एसडीएम कृष्ण कुमार उपाध्याय, एसडीपीओ कृष्ण कुमार सिंह, बीडीओ सुनील कुमार गौतम आदि थे।

आरा-सासाराम सवारी गाड़ी से अधेड़ का शव बरामद

आरा। आरा-सासाराम रेलखंड पर आरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर खड़ी गाड़ी सासाराम-आरा सवारी गाड़ी के पिछले बोगी के सीट के पास से एक 55 वर्षीय अज्ञात अधेड़ का शव बरामद हुआ। सूचना पाकर आरा रेल पुलिस वहां पहुंची और बाद शव को ट्रेन से नीचे उतरा। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया। इसके पश्चात पुलिस शव की पहचान करने एवं मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर, पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात अधेड़ की मौत अत्यधिक दुर्बल एवं कमजोर होने के कारण स्वाभाविक मौत होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। वही खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

राम ने किया अहंकारी रावण का वध

जिलाधिकारी और भोजपुर एसपी ने संयुक्त रूप से किया पुतला दहन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में बनारस के कलाकारों द्वारा रावण वध का मंचन किया गया .मेघनाथ और कुंभकरण के मरने के बाद रावण अपनी सेना के साथ राम के साथ युद्ध करता है. जिसमें राम के द्वारा बार-बार प्रहार करने पर भी रावण नहीं मरता है तब रावण के भाई विभीषण श्री राम को बतलाते हैं की रावण का प्राण उसके नाभि में है उसके नाभि में वार कीजिए .प्रभु श्री राम रावण के नाभि में बाण मारते हैं जिस रावण की मृत्यु हो जाती है. उसके पश्चात श्री राम लक्ष्मण को रावण से कुछ बातों का सबक लेने के लिए भेजते हैं जिस रावण लक्ष्मण को सबक देता है.

रावण के द्वारा दिए गए उपदेशः-

कोई भी अच्छा काम टालना नहीं चाहिएः- रावण ने लक्ष्मण को उपदेश दिया कि कोई भी शुभ कार्य को करने में देरी नहीं करनी चाहिए. शत्रु को कमजोर ना समझेः- उसने कहा कि अपनी शक्ति और पराक्रम पर घमंड नहीं करना चाहिए और अपने दुश्मन को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए.भाग्य को हरा नहीं सकतेः- रावण ने कहा भाग्य में जो लिखा है उसे कोई बदल नहीं सकता और इस बात का भ्रम नहीं पालना चाहिए कि भाग्य को जीता जा सकता है.

अपने राज किसी को ना बताएंः- लक्ष्मण को सलाह दी की जीवन में गूढ़ रहस्य को किसी से भी साझा ना करें क्योंकि विभीषण के मामले में यही हुआ था.सर्वप्रथम संस्था के सदस्यों एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और आरती कर कार्यक्रम का आरंभ किया जाता है और लीला का मंचन समाप्त होने के बाद रावण के पुतले को राम के बाणों से मारा जाता है. बाण लगते ही रावण का पुतला धु धु कर जल उठता है रावण का पुतला जलते ही चारों तरफ जय श्री राम के गगनचुंबी जयकारे से वातावरण गूंज उठता है इस दृश्य को देखने के लिए हजारों की संख्या मे दर्शक रामलीला मैदान के पास उपस्थित होते हैं.आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी राधा चरण सेठ, एमएलसी जीवन कुमार, जिलाधिकारी तन्य सुल्तानिया, एसपी मिस्टर राज ,एसडीओ ,सीडीपीओ, आदित्य जैन , चंद्रभानु गुप्ता, अजय गुप्ता, उपस्थित थे.संस्था के सदस्य कार्यक्रम में आए विशेष अतिथियों का धन्यवाद करते हैं और दर्शकों का अभिनंदन करते हैं .संस्था के अध्यक्ष सोनू राय, संयोजक सह उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय महा सेठ, उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, उपाध्यक्ष शंभूनाथ केसरी, कोषाध्यक्ष मदन प्रसाद, संरक्षक मंडल में श्री 1008 किंकर दास जी महाराज, लाल दास राय, लक्ष्मी नारायण राय ,रामेश्वर प्रसाद ,गोपाल प्रसाद, केदार प्रसाद, रिटायर्ड डीएसपी अविनाश जी, राजा बांकु, विजय गुप्ता, रामचंद्र प्रसाद, हाकिम प्रसाद ,सचिव शंभू नाथ प्रसाद, रोटी बैंक के सदस्य बुटाई जी पुतुल जी और मीडिया प्रभारी पंकज प्रभाकर उपस्थित थे. कार्यक्रम के समापन पर मीडिया प्रभारी पंकज प्रभाकर ने कहा की हर सनातनी को अपने हृदय में राम के प्रति एक दीप जरूर जलाना चाहिए और आज कलयुग में तरह-तरह के रावण जन्म ले लिए हैं हर सनातनियों को ऐसे कलयुगी रावण के बारे में सोचने की आवश्यकता है और सर्वप्रथम हर इंसान को अपने हृदय के अंदर स्थित रावण को मारने की जरूरत है.

पीरो में उत्साह के साथ मना दशहरा

प्रातः किरण संवाददाता

पीरो। पीरो अनुमंडल सहित आसपास के गांवों व कस्बों में दुगार्पूजा व दशहरा का त्योहार उमंग व उत्साह के साथ मनाया गया।इस दौरान पीरो नगर के बस पडाव स्थित युवा शक्ति क्लब, ज्वाला मार्केट स्थित शिव क्लब, ओम नवयुवक संघ, भवानी क्लब, महादेव क्लब, हिन्द नवयुवक संघ, नवजागरण पूजा समिति, नवयुवक संघ बरौली सहित अन्य पूजा समितियों द्वारा बनाए गए पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन-पूजन के लिए भक्तजनों की भीड उमडती रही। मौके पर विधायक विशाल प्रंशात, राम विशुन सिंह लोहिया, पूर्व विधायक सुनील पांडेय, पीरो नगर परिषद की सभापति किरण उपाध्याय, जदयू के प्रदेश महासचिव मनोज उपाध्याय आदि ने पूजा पंडालों में पहुंच कर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया और लोगों से मिल कर उन्हें त्योहार की बधाई दी। मां पीटन देवी मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा इस मौके पर जन प्रतिनिधियों व पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान जगह जगह आयोजित डांडिया नाइट व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पीरो सहित आसपास के चट्टी बाजारों में आयोजित दुगार्पूजा मेले में जलेबी, चाट, खिलौने व श्रृंगार सामग्रियों की जमकर बिक्री हुई। बच्चे, बूढ़े, जवान सभी ने मेले का जमकर लुफ्त उठाया।

सांसद सुदामा प्रसाद ने 7 जगहों पर ओपन जिम का किया उदघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। आज जिले के 7 विद्यालयों में आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने ओपन जिम का उद्घाटन किया। जिसमें कोइलवर प्रखण्ड के बभनौली मध्य विद्यालय, कुल्हड़िया हाई स्कूल, संदेश के आँखगांव प्लस टू स्कूल, सन्देश हाई स्कूल, सहार +2 हाई स्कूल, पीरो प्रखण्ड के मध्य विद्यालय अगिआंव बाजार, नवोदय विद्यालय बीहियाँ में हुआ।

इस मौके पर सासंद ने कहा कि जिले के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा। स्कूल परिवार व नौजवानों के तरफ से मांग हो रही थी। हमने सभी जगहों पर दिया। उन्होंने कहा कि इस जिम से स्कूली बच्चे और स्थानीय नौजवान इसका लाभ उठाएं और स्वस्थ्य रहें और देश मे वीभिन्न तरह के नौकरियों के तैयारी करे।जिले का नाम रौशन करें।

उन्होंने कहा कि हमारे पास कम बजट है और वीभिन्न तरह के कामों का मांग है। हमारा प्रयास रहेगा। जनता के अधिक से अधिक काम कराने का प्रयास रहूंगा।

दशहरा पर अजय सिंह ने 23 स्थानों पर किए माँ दुर्गा के दर्शन, समितियों को दी बधाई

■ माँ दुर्गा की कृपा आप सभी पर बनी रहे अजय सिंह ने क्षेत्रवासियों के लिए की मंगलकामना

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। विधानसभा क्षेत्र में इस वर्ष का दुर्गा पूजा उत्सव भव्य और यादगार रहा। क्षेत्र के लोकप्रिय नेता अजय कुमार सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण किया और माँ दुर्गा के दर्शन किए।अजय सिंह ने बताया कि उनका मन था कि वे हर पंडाल तक पहुँचें, लेकिन समयाभाव के कारण यह संभव नहीं हो पाया। बावजूद इसके, उन्होंने कुल 23 स्थानों पर पहुँचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया और पूजा समितियों को बधाई दी।साथ ही जहाँ वे नहीं पहुँच पाए, वहाँ की समितियों से उन्होंने क्षमा माँगते हुए उन्हें भी शुभकामनाएँ दीं।

पिपरपाती गाँव, पिपरपाती बाजार, बरजा, बबुरा बाजार, बबुरा गाँव, मानिकपुर, सारशिवान, नथमलपुर, गाजियापुर, बखोरापुर शास्त्र पूजा, महामाया मंदिर पिपरा, हेमतपुर कुश्ती अखाड़ा, हेमतपुर पूजा, सोनघाटा पूजा एवं रावण दहन, लक्ष्मीपुर, सिन्हा बाजार, बिंद टोला, सरैया थाना के पास पूजा, सरैया मार्केट चौक, सरैया सब्जी मंडी, जमालपुर, पचायना बाजार और भदेया।

जयंती पर श्रद्धा से याद किए गए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

पीरो। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156 वीं जयंती अनुमंडल क्षेत्र में समारोह के साथ मनाई गई। इस मौके पर जगह-जगह आयोजित कार्यक्रमों में बापू को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस मौके पर पीरो के सभी पंचायतों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। जितौरा जंगल महाल पंचायत में मुखिया कुमारी अर्पणा सिन्हा की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षक नेता अरुण कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष पप्पू यादव, जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अक्षय लाल चौधरी, विपिन चौधरी, अनिल कुमार गुड्डू, सत्येन्द्र सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोगों व पंचायत प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। रजेयां पंचायत में मुखिया प्रियंका कुमारी, बरांव में मुखिया भाई श्रीराम सिंह आदि थे।

कुंभकरण और मेघनाद का वध होते ही लंका में मचा हाहाकार

● श्री राम ने ब्रह्मास्त्र से किया कुंभकरण का वध

प्रातः किरण संवाददाता

आरा 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में बनारस के कलाकारों के द्वारा मेघनाथ और कुंभकरण का वध का मंचन किया गया.जिसमें प्रथम दृश्य दशार्या गया कि लक्ष्मण के होश आने पर लंका में क्रोध का माहौल है और रावण अपने भाई कुंभकरण को जगाने के लिए अपने सैनिकों को बोलता है .कुंभकरण जिसको ब्रह्मा से वरदान है कि वह 6 महीने सोएगा और एक दिन जागेगा .ऐसा इस कारण हुआ कि जब कुंभकरण ब्रह्मा की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न करता है और वरदान के रूप में उनसे कुछ मांगने जाता है तो सारे देवता देवी सरस्वती से प्रार्थना करते हैं कि वह कुछ ऐसा ना मांग ले जिससे देव लोग को खतरा हो तब सरस्वती कुंभकरण के जीव पर जाकर बैठ जाती है. कुंभकरण वरदान के रूप में इंद्रासन मांगता है मगर सरस्वती के जीव पर होने के कारण मुख से निद्रासन निकल जाता है ब्रह्मदेव तथास्तु कहते हैं. जब कुंभकरण को इस बात का पता चलता है कि उस से गलती हो गई है तब वह ब्रह्म देव से निवेदन करता है कि मेरी गलती को सुधार दें तब ब्रह्मा उसे वरदान देते हैं कि वह 6 महीने सोएगा और एक दिन के लिए जागेगा और फिर 6 महीने के लिए सो जाएगा अगर इस बीच उसे कोई जबरन उठाता है तो उसी दिन उसकी मृत्यु हो जाएगी. रावण के कहने पर सैनिक हाथी घोड़े गाजे बाजे और कान में कील ठोक कर कुंभकरण को जगाते हैं .कुंभकरण को जब सब बात पता चलता है तो वह रावण को राम से युद्ध नहीं करने के लिए कहता है .मगर रावण अपने घमंड में कुंभकरण की बात नहीं मानता है और उसे युद्ध करने के लिए कहता है जिसमें श्री राम के द्वारा कुंभकरण का वध कर दिया जाता है.कुंभकरण के वध के बाद मेघनाद जो की मायावी शक्तियों का राजा था और निकुंबला देवी का भक्त था. निकुमला देवी की पूजा कर शक्ति प्रदान करता था और ताकतवर हो जाता था निकुंबला देवी के यज्ञ को लक्ष्मण ने भंग किया और मेघनाथ शक्ति विहीन हो गया तत्पश्चात लक्ष्मण ने युद्ध में उसको अपने बाणों से उसके सर को धड़ से अलग कर दिया और उसके धड़ को राम के पास रखा गया .मेघनाथ का हाथ काट कर उसकी पत्नी सुलोचना के पास भेजा गया जिससे वह चिन्हित हो सके.सर्वप्रथम परंपरा का निर्वाह करते हुए संस्था के सदस्यों एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और आरती कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे. संस्था के संरक्षक मंडल में श्री 1008 किंकर दास जी महाराज, लाल दास राय ,रामेश्वर प्रसाद ,लक्ष्मी नारायण राय ,गोपाल नारायण ,केदार प्रसाद, गोपाल प्रसाद, हाकिम प्रसाद, रामचंद्र प्रसाद और संस्था के अध्यक्ष सोनू राय, संयोजक ,सह उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ,उपाध्यक्ष संजय महासेठ ,उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, उपाध्यक्ष शंभू नाथ केसरी ,कोषाध्यक्ष मदन प्रसाद ,सचिव शंभू नाथ प्रसाद, राकेश रंजन पुतुल जी, रिटायर्ड डीएसपी अविनाश कुमार ,बुटाई जी विभा जी रेड क्रॉस राजन नैयर आदि थे।

शौच करने गए बालक की सोन में डूबने से मौत, बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव में घटी घटना

आरा। जिले के बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव स्थित सोन नदी में डूबने से शौच करने के एक बालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृत बालक बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी विनय राय का 11 वर्षीय पुत्र अर्जुन कुमार उर्फ रितेश कुमार है। इधर, मृत बालक के बड़े पापा हरेराम राय ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर वह शौच करने के लिए गांव में स्थित सोन नदी किनारे गया था। जहां पर वह डूब गया। सूचना मिलते ही परिजन एवं स्थानीय ग्रामीण वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से काफी देर बाद शव को पानी से बाहर निकल गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत बालक अपने दो भाई एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां अंजू देवी व एक भाई रजनीश कुमार उर्फ भोलू कुमार एवं एक बहन गुड़िया कुमारी है। घटना के बाद मृत बालक की मां अंजू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फायरिंग व मारपीट मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

आरा। नवादा थाना पुलिस द्वारा फायरिंग व मारपीट मामले में दो वर्ष से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के परसिया गांव से की। गिरफ्तार आरोपी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के परसिया गांव निवासी विजय शंकर चौधरी का पुत्र शुभम चौधरी है। पुलिस के अनुसार वह अप्राथमिकी अभियुक्त है। बता दें कि 21 अक्टूबर 22 की सुबह नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ला निवासी अर्जुन पटेल को फोन कर अनाइठ बाजार समिति के पास बुलाया गया था, जिसके बाद अर्जुन पटेल अपने दोस्त साथ बाइक से वहां पहुंचे। तभी तीन युवक उन्हें पकड़कर भेलाई रेलवे ट्रैक के समीप बगीचे ले गए और मारपीट कर उसे जख्मी कर दिया था। जब उसके साथी अजीत कुमार बचाने गए तो उक्त लड़कों द्वारा उस पर फायरिंग कर दी गई थी। फायरिंग के दौरान अजीत कुमार को पैर में गोली लग गई थी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। इसके बाद अर्जुन पटेल द्वारा नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ला निवासी रितेश कुमार, यश कुमार एवं कन्हैया कुमार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अनुसंधान के क्रम में शुभम चौधरी का नाम आया था और वह उसी समय से फरार चल रहा था।

रोहतास जिला में अंचल ब्लॉक थाना अनुमंडल जिला कार्यालय में भ्रष्टाचार घूसखोरी चरम सीमा पर: आशुतोष

रोहतास। सासाराम कैंप कार्यालय में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बिहार प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रोहतास जिला में अंचल ब्लॉक थाना

अनुमंडल जिला कार्यालय में भ्रष्टाचार घूसखोरी चरम सीमा पर हो रहा है, लेकिन सासाराम आंचल में बहुत ही ज्यादा घूसखोरी अंचल अधिकारी सासाराम के द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है कल निगरानी के द्वारा जो कंप्यूटर ऑपरेटर को 110000 लाखों रुपए के साथ निगरानी ने गिरफ्तार किया है इसका मुख्य सरगना भ्रष्ट घूसखोर अंचलाधिकारी सासाराम है जिसे तुरंत गिरफ्तार कर नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए, भ्रष्ट घूसखोर सासाराम अंचल अधिकारी का रिश्वत उसके साथ रहने वाला ऑपरेटर मेन 110000 रुपए घूस लेते रंगे हाथ कल निगरानी विभाग ने गिरफ़्तारी किया लेकिन असली माहा भ्रष्ट घुसखोर अंचलाधिकारी सासाराम कब गिरफ्तार होगा, अंचल अधिकारी सासाराम से सासाराम के जनता परेशान हो चुकी है, किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने कहा कि जानता को सभी रिश्वत मांगने वाले के शिकायत निगरानी विभाग को बताकर सभी घूसखोरी भ्रष्ट कर्मचारियों अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवाना चाहिए

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुलजार रहे पूजा पंडाल

प्रातः किरण संवाददाता

उदवंतनगर शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही जिसका पूजा घूमने आए लोगों ने जमकर आनंद उठाया। कहीं कहीं सामाजिक नाटक का मंचन किया गया। उदवंतनगर में राम जानकी हाई स्कूल पर लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया। महाअष्टमी व महानवमी को पूरी रात सांस्कृतिक कार्यक्रम चलता रहा वहीं मध्य विद्यालय उदवंतनगर पर महासप्तमी महअष्टमी तथा महा नवमी को सामाजिक नाटकों का मंचन किया गया। दुर्गा पूजा के दौरान महाअष्टमी व महानवमी को सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। असनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ उदवंतनगर प्रखण्ड प्रमुख प्रतिनिधि गुड्डू सिंह तथा उपप्रमुख प्रतिनिधि अर्जुन सिंह ने फीता काट कर किया। आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बक्सर जिला से आये नामचीन व्यास कमलवास कुंवर और बलिया ज़िला से आए व्यास रंजन रंगबाज के बीच शानदार मुकाबला हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूरी रात माता का जगराता चलता रहा।देवी गीतों पर लोग झूमते रहे ।नवमी की रात भोजपुर के रामाशंकर सिंह व बक्सर के शिव नारायण यादव के बीच हुआ। लगभग सभी पूजा पंडाल सांस्कृतिक कार्यक्रम से गुलजार रहे।

घर से निकले युवक का दूसरे दिन बरामद, हत्या का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र अंतर्गत घर से निकले युवक का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव थाना क्षेत्र के छोटी सासाराम मठिया स्थित बांध के किनारे से गुरुवार की सुबह बरामद किया गया। मृतक के दाहिने छाती पर एवं दाहिने ललाट पर चोट का निशान पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा हत्या कर शव को फेकें जाने का आरोप लगाया जा रहा है। सूचना मिलते ही गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार महथा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस द्वारा एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य को इकट्ठा किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार अवैध संबंध का विरोध करने पर युवक का की हत्या की गई है। इस मामले में मृतक के ममेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया गया। वह शाहपुर थाना क्षेत्र के सहजौली गांव निवासी अजय पासवान है। जानकारी के अनुसार मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी सूबेदार पासवान का 35 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार पासवान है। वह मजदूर था। इधर, मृतक के बड़े भाई छोटेलाल पासवान ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह अपने बच्चों को दशहरा का मेला घूमाकर घर वापस लौटा था।

दुर्गा पंडाल में अनूठी थीम प्रस्तुत करने के लिए प्रातः किरण दैनिक की तरफ से दिया गया अवॉर्ड

अपनी विशिष्ट थीम और कलात्मक प्रस्तुति के लिए अमरेंद्र और उनकी टीम को अवॉर्ड देकर किया गया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। दुर्गा पंडाल में अच्छी कहानी और अनूठी थीम प्रस्तुत करने के लिए बिंद टोली के आयोजकों को अवॉर्ड दिया गया, आयोजकों द्वारा अपनी विशिष्ट थीम और कलात्मक प्रस्तुति के लिए अमरेंद्र और उनकी टीम को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान कहानी बनाने वाले के रचनात्मक प्रयासों और उस कहानी को रूपांतरित करने की कला को प्रोत्साहित कर शानदार प्रस्तुतीकरण से श्रद्धालुओं का आकर्षित करने को लेकर किया गया है। लेखक अमरेंद्र के विशेष थीम या महत्वपूर्ण संदेश देने वाले कहानी को सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने बेखूबी सराहा।

विशिष्ट अतिथि बीजेपी नेता और समाज सेवी आलोक अंजन और प्रातः किरण बिहार यूनिट हेड अभय आर्या की भागीदारी से मां का दरबार जयकारे से गूंज उठा साथ ही आलोक अंजन ने कहा कि दुर्गा पूजा के लिए ऐसे अभियानों का समर्थन करना चाहिए जो कारीगरों की कलात्मकता और अमरेंद्र की लिखी कहानी पर रूपांतरित करने के शानदार प्रस्तुति को समाज में एक बहुत बड़ा संदेश देने का काम किया है, कहानी लंबी होने के बावजूद भी श्रद्धालु दर्शक कहानी में मंत्रमुग्ध दिखे। प्रातः किरण के भोजपुर ब्यूरो अमित राज और बिहार यूनिट हेड अभय आर्या ने कलात्मकता के माध्यम से कहानी को जीवंत करने को लेकर अमरेंद्र और उनकी पूरी टीम को हजारों श्रद्धालुओं के उपस्थिति में अवॉर्ड से सम्मानित किया। और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामन भी दी। साथ ही आयोजकों ने सभी अतिथियों को मां की चुन्नी ओढ़कर सम्मानित किया।

इंदौर और राजधानी के ठहराव के लिए ट्विटर अभियान

आरा जंक्शन पर लंबे समय से इंदौर एक्सप्रेस तथा राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की जा रही है। हाल ही में पटना तेजस राजधानी का ठहराव दानापुर दिया गया मगर आरा को दरकिनार कर दिया गया।

इसी मांग को लेकर आरा जंक्शन रेलफैन क्लब के सदस्यों तथा अन्य सामाजिक कार्यकताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैशटैग अभियान चलाया गया जिसमें रेल अधिकारियों, प्रधानमंत्री को टैग कर इंदौर तथा राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग के समर्थन में ट्वीट किया गया। आरा जंक्शन रेलफैन क्लब के सदस्यों राजेश, शिवम्, हिमांशु, अमित, अप्पू, रवि की भूमिका सराहनीय रही।

जयंती पर याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री स्व लाल बहादुर शास्त्री

आरा/कायस्थ क्रांतिकारी विचार मंच के बैनर तले शिवगंज के नेहरू नगर में डॉ विजय सिन्हा के मंगलालय उत्सव पैलेश सह आवास पर भारत के दुसरे पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जिला अध्यक्ष मणी भुषण श्रीवास्तव एवं नगर अध्यक्ष चितरंजन प्रसाद श्रीवास्तव उर्फ सदन भैया के संयुक्त अध्यक्षता मे धुमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगो द्वारा शास्त्री जी के तैलीय चित्र पर पुष्प माल्यार्पण अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।वहीं आरा विधानसभा के भावी प्रत्याशी सचिन सिन्हा ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री युग पुरूष के रूप मे युग युगान्तर तक याद किए जायेंगे।वे पीएम रहते हुए देश सेवा मे अपनी अग्रणी भूमिका निभाते रहे।आज उनकी जयंती पर हम सभी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।कार्यक्रम में चित्रांश समिति नवीन विध्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार, वरिष्ठ वकील सह समाजिक कार्यकर्ता डी. राजन आदि थे।

भाकपा - माले की टीम पहुंची शाहपुर के बरिशवन

आरा। भाकपा - माले का एक जांच टीम शाहपुर के बारिशवन पहुंची। इस टीम का नेतृत्व माले केंद्रीय कमिटी सदस्य व आरा सांसद सुदामा प्रसाद, केंद्रीय कमिटी सदस्य अभ्युदय, अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन, शाहपुर प्रखण्ड सचिव हरेंद्र सिंह, आरवाईए जिला अध्यक्ष निरंजन केसरी, आइसा नेता जयशंकर कुमार शामिल थे।

विदित हो कि पिछले 28 अक्टूबर को बरिशवन के दलित मुहल्ले में गली में बैठे नौजवानों पर गांव के ही सामंती मिजाज के दबंगो द्वारा बर्बर पिटाई की गई थी। सामंती अपराधियों को इतना से सुकून नही मिला तो अगले दिन झुंड बना कर दलित मुहल्ला में पहुंच महिला- पुरूष को इतना पीटा गया कि पूर्व फौजी की पत्नी मीना देवी का पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई।

सहकारिता मंत्री ने गया जी के सर्वांगीण विकास को लेकर की विस्तृत चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

गया। मंत्री सहकारिता विभाग बिहार सरकार डॉ॰ प्रेम कुमार ने आज गया समाहरणालय स्थित जिला पदाधिकारी कक्ष में बैठक कर गयाजी के सर्वांगीण विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में गयाजी-बोधगया कॉरिडोर के डीपीआर निर्माण, बोधगया से फल्गु नदी किनारे होते हुए रामशिला तक फ्लाईओवर निर्माण, तथा शहर के भीतर ऊर्जा विभाग द्वारा अंडर ग्राउंड केबलिंग की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया है। डॉ॰ प्रेम कुमार ने कहा कि गया शहर के विभिन्न मोहल्लों से निकलने वाले दूषित जल को बिना उपचार के फल्गु नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। इस समस्या के समाधान हेतु शीघ्र ही सीवरेज सिस्टम लागू करने की दिशा में ठोस योजना बनाकर नदी को प्रदूषण मुक्त करने की आवश्यकता है। इस पर जिला पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा योजना को भारत सरकार को अग्रसारित कर दिया गया है। इस बैठक में गया के प्रमुख पर्वतीय और धार्मिक स्थलों जैसे रामशिला, प्रेतशिला, सीताकुंड, मां डूंगेश्वरी, मुरली हिल आदि को हरितावरण से आच्छादित करने पर सहमति बनी। साथ ही, जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं को अक्षयवट परिसर स्थित हॉल में सिलाई प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बनाने पर भी चर्चा की गई है। फल्गु नदी किनारे घाट निर्माण, इको पार्क की स्थापना, तथा गंगाजल उद्यम योजना से वंचित मोहल्लों तक पाइपलाइन बिछाकर गंगाजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी विचार किया गया है। इस पर जिला पदाधिकारी ने बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग को स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं जैसे क्व्ठल-82 पर घुघरीटांड़ एवं मानपुर मुफस्सिल के समीप फ्लाईओवर तथा मां बागेश्वरी के निकट रेल ओवरब्रिज निर्माण को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। गयाजी मेट्रो रेल परियोजना एवं मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना से शेष राशि का उपयोग कर शहर की नालियों, गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों का समुचित विकास किए जाने पर भी चर्चा हुई है। इस संदर्भ में मंत्री डॉ॰ प्रेम कुमार ने पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रभारी मंत्री डॉ॰ सुनील कुमार से दूरभाष पर वार्ता की है। इस बैठक में सहकारिता विभाग की ओर से वेजिटेबल फेडरेशन के तहत प्रखंड स्तर पर आधारभूत संरचना निर्माण हेतु 17 प्रखंडों में जमीन उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। शेष 7 प्रखंडों एवं एक नेट हाउस हेतु दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराने पर जिला पदाधिकारी से अनुरोध किया गया, ताकि विभाग द्वारा राशि आवंटित कर 10 टन क्षमता के कोल्ड स्टोरेज, 20 टन गोदाम एवं कार्यालय भवन का निर्माण शीघ्र शुरू किया जा सके।

शेरघाटी में विजयादशमी पर किया गया रावण दहन, उमड़ा जनसैलाब

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी शहर के ऐतिहासिक रंगलाल हाई स्कूल के मैदान में विजयदशमी के अवसर पर परंपरागत रावण दहन का आयोजन धूमधाम से किया गया। मैदान में बनाए गए रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों को देखते ही दर्शकों में उत्साह चरम पर पहुंच गया। संध्या होते ही आतिशबाजी और पटाखों की गूंज के बीच तीनों पुतलों में अग्नि प्रज्वलित की गई। देखते ही देखते पूरा मैदान ह्नजय श्रीरामह्न के नारों से गूंज उठा और हजारों की भीड़ धु-धु कर जलते पुतलों का साक्षी बनी। रावण वध समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में एसडीओ मनीष कुमार ने अध्यक्षता की, वहीं उपाध्यक्ष के रूप में आईपीएस शैलेन्द्र सिंह उपस्थित थे। उनके साथ प्रशिक्षु डीएसपी अभिषेक कुमार, सीओ उषा कुमारी, बीडीओ स्नेहिल आनंद और कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। स्थानीय विधायक मंजू अग्रवाल, समाजसेवी जयंत सिंह, प्रमोद वर्मा, पवन किशोर, दीनानाथ पांडेय, रालखन पासवान और आविद इमाम सहित कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी।

मैदान में हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने रावण दहन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लिया। बच्चों और महिलाओं में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। समिति के सदस्यों ने सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा, वहीं प्रशासन की ओर से जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

विजयदशमी के इस अवसर पर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश एक बार फिर शेरघाटीवासियों के बीच गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि समाज को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देता है।

संक्षिप्त खबरें

बारूण के कर्मा में प्रवेश द्वार का शिलान्यास

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के पिपरा पंचायत के ग्राम कर्मा में गांव के पहले पहुंच पथ पर प्रवेश द्वार का शिलान्यास किया गया। पिपरा पंचायत के मुखिया प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाज सेवी उदय सिंह, यादव कॉलेज औरंगाबाद के पूर्व प्रशासी पदाधिकारी रामचंद्र सिंह, राजद के वरीय नेता राम राजेंद्र सिंह मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह के गरिमामई उपस्थिति में शिलान्यास के मौके पर संबोधन के क्रम उदय सिंह ने कहा कि वर्तमान परिवेश में पहुंच पथ पर प्रवेश द्वार उस गांव के सभ्यता और संस्कृति को इंगित करने वाली इकाई है। आगत अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पाहार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विजेंद्र सिंह अशोक सिंह नागेंद्र सिंह भूषण जी रंजीत सिंह भीम सिंह लक्ष्मण सिंह कमलेश सिंह रितेश सिंह डोमन सिंह उपेंद्र सिंह अरुण सिंह, कन्हाई राजवंशी, प्रसिद्ध सिंह धनंजय सिंह महेंद्र प्रसाद लड्डू सिंह सुनील सिंह जगन्नाथ सिंह मिथिलेश सिंह धीरज सिंह तोहिद अंसारी अशोक सिंह सरोज सिंह संजय सिंह मनोज कुमार मुन्ने एकेडमी रवि कुमार एवं राजेश कुमार जितेंद्र राम नारायण जी शिव लखन प्रजापति अवधेश सिंह दूधेश्वर सिंह मनोज सिंह सहित उपस्थित थे।

सत्यचंडी धाम रायपुरा में दुर्गा सप्तशती पाठ के समापन के पश्चात कुमारी कन्याओं का पूजन

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम रायपुरा में शारदीय नवरात्र के मौके पर योग्य आचार्यों के सान्निध्य में दुर्गा सप्तशती का पाठ भक्तिमय वातावरण में किया गया। पाठ के समापन के पश्चात कुमारी कन्याओं का पूजन किया गया एवं भंडारा का भी आयोजन किया गया। सत्यचंडी धाम महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं सचिव अमरेश सिंह ने बताया कि सत्यचंडी धाम शक्तिपीठ परंपरा का एक महत्वपूर्ण स्थल है और यहां सभी नवरात्र के मौके पर सप्तशती का पाठ प्रतिवर्ष किया जाता है। नवरात्र के मौके पर यहां श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहता है एवं अगल-बगल के सैकड़ो ग्राम की कुलदेवी के रूप में सत्यचंडी माता पूजी जाती हैं। इस वर्ष नवरात्रि के समापन के पश्चात हवन किया गया एवं कुमारी कन्याओं का पूजन किया गया।

महानवमी समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का अवसर : कुणाल अग्रवाल

गया जी। दुर्गा पूजा की नवमी के पावन अवसर पर टेकारी रोड, गया में प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस नेता कुणाल अग्रवाल द्वारा किया गया है इस मौके पर सैकड़ों श्रद्धालु माता रानी के जयकारों के बीच एकत्र हुए और माता के चरणों में नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इस कार्यक्रम में प्रसाद वितरण के दौरान भक्तों का उत्साह देखने लायक था। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे हैं। कुणाल अग्रवाल, रमेश केशरी, विकाश केशरी, कृष्णा अग्रवाल, बिपिन कुमार, अभिषेक अग्रवाल, राजकुमार, कौशल अग्रवाल, अमित केशरी, राजेश अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, विक्की सेठ, मंटू कुमार, संतोष कुमार, सागर कुमार, श्रवण भदानी, विक्की सिंह, रणजीत, विक्रांत कुमार, राजीव प्रकाश, रवि प्रकाश, गणेश प्रसाद), सुजीत कुमार, रणजीत कुमार, शम्मी गुप्ता, पिंटू कुमार, अमित अग्रवाल और राजेश कुमारे।

श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यझ समिति द्वारा यझ के साथ सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

गया जी। श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यज्ञ समिति, धामी टोला में श्री राम दरबार में शिव कैलाश डालमिया द्वारा दस दिनों से चल आ रहे राम चरित मानस नवाह्न परायण यज्ञ का हवण ग्यारह पंडित द्वारा किए गए। पुरे विधी विधान एवं सम्पुर्ण मंत्र उच्चारण के साथ हवन किया गया है। इसके साथ ही, श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यज्ञ समिति द्वारा हवन में विनोद जसपुरीया, रवि गुप्ता, विशाल शर्मा, अनंत धीश अमन आदी काफी संख्या में महिला पुरुष एवं गया जी भक्त सम्मिलित हुए है।

सोनल सिंह और अनीश सिंह अपने समर्थकों के साथ कोंग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

गया जी। स्थानीय कांग्रेस मुख्यालय राजेंद्र आश्रम में गया जिला कांग्रेस सहकारिता विभाग के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी सोनल सिंह और अनीश सिंह अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया जिलाध्यक्ष कुमार ओंकार शक्ति ने पार्टी का पट्टा पहनाकर दोनों को कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया और उन्हें प्राथमिक सदस्य बनाया इसके बाद सभी ने संकल्प लिया ।

चंद्रवरदाई महोत्सव में पृथ्वीराज रासो महाकाव्य की चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लाक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में महान साहित्यकार चंद्रवरदाई जी की जयंती समारोह चंद्रवरदाई महोत्सव के रूप में धूमधाम से बनाई गई। पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने किया जबकि संचालन की जिम्मेवारी मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी द्वारा निभाए गई। सर्वप्रथम चंद्रवरदाई जी के आदमकद प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि चंद्रवरदाई ने साहित्य रचना के साथ साथ अपने मित्र के साथ युद्ध कौशल भी दिखाया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि पृथ्वीराज रासो काव्य अपभ्रंश भाषा में लिखी गई है। रासो का अंतिम चार उद्धरण जल्हण ने लिखा है। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह ने कहा कि चंद्रवरदाई पृथ्वीराज रासो के रचयिता थे। इस ग्रंथ में उन्होंने पृथ्वीराज के वीरता का बखान किया है। जनार्दन मिश्र जलज द्वारा काव्यात्मक स्वरूप में उनके सम्पूर्ण जीवन पर चर्चा की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि औरंगाबाद भारत का पहला जगह है जहां पृथ्वीराज के साथ-साथ चंद्रवरदाई की भी प्रतिमा लगी है। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी को अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को जानने समझने का अवसर मिलता है। कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ संजीव रंजन, प्रमंडलीय माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामभजन सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह, वरीय सदस्य कौशलेंद्र प्रताप नारायण सिंह, गोरखनाथ सिंह, शैलेंद्र सिंह भोला सिंह, राम सुरेश सिंह सहित अन्य लोगों ने चंद्रवरदाई को वीरता का प्रतीक बताते हुए उनके आख्यानों को वर्तमान समय में अपनाने के लिए कृत संकल्पित होने की बात कही।

डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र ने किया शब्दाक्षर पत्रिका का लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। अंतराष्ट्रीय साहित्यकार गीतऋषि डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र ने मंगलवार की संध्या शब्दाक्षर पत्रिका के जुलाई-सितम्बर 2025 त्रैमासिक अंक का भव्य लोकार्पण किया। 25 राज्यों में साहित्यरत ह्यशब्दाक्षरह्न संस्था के साहित्यधर्मी पदाधिकारियों में से अनेक ने पत्रिका लोकार्पण में सहभागिता की। पत्रिका के प्रधान संपादक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह ने आभासी पटल को संबोधित करते हुए बताया कि यह पत्रिका 5 वर्षों से अनवरत निर्बाध प्रकाशित हो रही है। संपादक धनंजय जयपुरी ने पत्रिका के प्रारूप पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रिका के प्रत्येक अंक संजो कर रखने वाले होते है। सह संपादक कृष्ण पाल सिंह ने उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों को पत्रिका में प्रकाशन हेतु स्तरीय रचनाएँ भेजने हेतु औपचारिक रूप से आभार जताया। उपसंपादक एवं राष्ट्रीय साहित्य मंत्री अनामिका सिंह ने पत्रिका में प्रूफ की गलतियां न होने के लिए अपने साथ संयुक्त सम्पादक व प्रदेश संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश शशिकांत मिश्र शशि की सक्रियता की सराहना की। प्रबंध संपादक लखन शब्दाक्षरी पत्रिका के गजल पक्ष पर विधागत विचार प्रस्तुत किये तो वहीं प्रारूप संपादक राजकुमार महोबिया ने छंद पक्ष पर अपनी बात रखी। पत्रिका के लोकार्पण वक्तव्य में डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि यह उक्त पत्रिकका यह लगातार 19वां अंक है, जो अपने प्रारम्भिक अंक से लेकर अभी तक निर्बाध प्रकाशित हुआ है। संरक्षक डॉ.मिश्र ने आभासी पटल से शब्दाक्षर फेसबुक पेज पर भी लाइव सुन रहे बड़ी संख्या में जुड़े संस्था सदस्यों व पदाधिकायों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पत्रिका के संबंध में प्रधान संपादक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह ने जब भी मुझसे पत्रिका प्रारूप पर चर्चा की तो मैंने उन्हें पत्रिका की निरंतरता व स्तरीयता को बनाये रखने का परामर्श दिया। कार्यक्रम का संचालन शब्दाक्षर दिल्ली की प्रदेश अर्थ मंत्री डॉक्टर अम्बिका मोदी ऊर्जिता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह ने किया। दूसरा सत्र काव्य-सत्र के रूप में आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता, शब्दाक्षर के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री छंदकार धनंजय जयपुरी ने की। इस सत्र के सहभागी पदाधिकारियों में शामिल थे, जम्मू कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष कुसुम धर, उपाध्यक्ष ऐमा बिमला, अनंतनाग के जिलाध्यक्ष मुक्ति शर्मा, यूं पी संगठन मंत्री शशिकांत मिश्र शशि, मध्य प्रदेश संगठन मंत्री लखन शब्दाक्षरी, पपश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष सुधा मिश्रा द्विवेदी, जिला अध्यक्ष औरंगाबाद आदि थे।

प्रधानमंत्री देश स्वच्छ भारत अभियान और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ा रहे

■ महात्मा गांधी जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के शुभ अवसर पर गया जी शहर के चौक स्थित गांधी जीके प्रतिमा पर भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं। गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया और उनके आदर्शों को नमन किया गया है। श्रद्धा सुमन पिंत करते हुए । डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने अपने सत्य, अहिंसा और सद्भावना के सिद्धांतों से न केवल भारत को आजादी दिलाई बल्कि पूरे विश्व को एक नई दिशा दिखाई। उन्होंने कहा कि गांधी जी की विचारधारा आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है और उनकी शिक्षाएं हमें ईमानदारी, सादगी और सेवा भाव से जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्न और ह्लआत्मनिर्भर भारतह्न जैसे अभियानों के माध्यम से गांधी जी के सपनों को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। गांधी ने ग्राम स्वराज, आत्मनिर्भरता और स्वच्छता को राष्ट्र निर्माण का आधार माना था, जिसे आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्राथमिकता दी है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने गांधी जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों को याद किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने यह भी कहा कि गांधी जी की विचारधारा और उनके बताए सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही समाज में शांति, भाईचारा और प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है। श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गया।

श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यझ समिति ने विसर्जन एवं भंडारे का आयोजन किया

गया जी। श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यज्ञ समिति द्वारा धामी टोला में श्री राम दरबार में स्थापित मुर्ती का बढ़ी हर्ष उल्लास के साथ भगवान राम दरबार एवं भगवान गणेश की मुर्ती विसर्जन बैंड बाजा के साथ किया गया और इसके बाद दस हजारो से उपर लोगो ने प्रसाद के भंडारा का भोग प्राप्त किया है। गया के वरिष्ठ लोगों ने भी प्रसाद ग्रहण किया है। इस विसर्जन एवं भंडारा में श्री राम चरित मानस नवाह्न परायण यझ समिति विनोद जसपुरीया, रवि गुप्ता, विशाल शर्मा, अनंत धीश अमन आदी काफी संख्या में महिला पुरुष एवं गया जी भक्त सम्मिलित हुए है।

जम्होर में दुर्गा पूजा के मौके पर भक्ति जागरण का आयोजन

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के दुर्गा मैदान में 10 दिवसीय दशहरा पूजा के निमित भक्ति जागरण के उद्घाटन के क्रम में औरंगाबाद के पूर्व विधान पार्षद राजन कुमार सिंह जी द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उनके साथ समाजसेवी कवि सिंह पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता राष्ट्रीय कवि स्पर्श मंच के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी, समाजसेवी नीरज कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थिति रही। दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राम बहादुर सिंह उर्फ मुन्ना बाबू के आह्वान पर सचिव संजय गुप्ता के संचालन में भक्ति जागरण कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोक गायक सुजीत पाल, कुंदन सिंह कोंबो निक्कू सौंदर्या द्वारा एक से एक बढ़कर बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। राजन कुमार सिंह कहा कि नवरात्रि पूजा में देवी जागरण एक ऐसा विषय है जो सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को उर्जा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मौके पर उपाध्यक्ष कुंदन कुमार सोनू, साकेत कुमार सिंह, उपसचिव संजीव कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रामसेवक शर्मा पवन कुमार सिंह पप्पू सहित अन्य उपस्थित थे। आचार्य की भूमिका अमरेश पांडेय ने निभाई।

समाजसेवी द्वारा झांकी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के अनुग्रह नारायण रोड रेलवे कंपाउंड के प्रांगण में शारदीय नवरात्र पूजा समापन के मौके पर दुर्गा पूजा समिति रेलवे कंपाउंड के तत्वावधान में झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित औरंगाबाद जिले के महान समाजसेवी शक्ति मिश्रा फाउंडेशन के संस्थापक शक्ति मिश्रा की गरिमामई उपस्थिति रही। उनके साथ जम्होर थाना के सहायक थाना प्रभारी सुमित कुमार पंडित, स्टेशन प्रबंधक, श्याम जी, अजय कुमार सिंह, मनोज सिन्हा उपस्थित रहे। संचालन की जिम्मेवारी जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने निभाई। शक्ति मिश्रा द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। संबोधन के क्रम में शक्ति मिश्रा ने अपने जीवन की संघर्षमय कहानी को सुनाया उनके कहानी को सुनकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भाव विभोर हो गए। शक्ति मिश्रा ने बताया कि 15 वर्ष की उम्र में वह अपने गांव को छोड़कर बेंगलुरु चले गए थे वहां उन्होंने कंप्यूटर की विशेष शिक्षा ग्रहण कर आईटी कंपनी की स्थापना की और तब से लेकर आज तक कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बचपन में असहाय जरूरतमंदों की आवश्यकताओं को देखकर उन्होंने निर्णय लिया कि जीवन में जो भी कमाएंगे वो सारे पैसे को अभावग्रस्त लोगों के बीच दान कर देंगे। उनकी दानशीलता पूरे औरंगाबाद जिला में चर्चित है साथ ही साथ झांकी पर उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को बढ़ावा मिलती है। मौके पर सतीश कुमार पांडेय, प्रिंस कुमार सिंह, राजेश कुमार सोनू, गोलू कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

गांधी मंडप में सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन जिला प्रशासन के द्वारा किया गया

गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर गांधी मैदान स्थित गांधी मंडप में सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन जिला प्रशासन के द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया सफीना ए०एन० उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर, अपर समाहर्ता राजस्व, अपर समाहर्ता आपदा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी सहित समाहरणालय के वरीय पदाधिकारी एवं सम्मानित जनप्रतिनिधि गण एवं समाजसेवी गण भी शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि स्थल पर आयुक्त, मगध प्रमंडल, जिला पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता तथा अन्य वरीय पदाधिकारियों एवं समाजसेवी द्वारा माल्यार्पण किया गया है। इसके साथ ही गांधी मंडप जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया है। सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें अविनाश चंद्र झा द्वारा शांति/गीता पाठ किया गया, मोहम्मद अजमातुल्लाह नदवीं, पनहर मस्जिद द्वारा कुरआन ए पाक धर्मग्रंथ का पाठ किया गया, ज्ञानी दयाल सिंह, गुरुद्वारा, गया द्वारा भजन पढ़ा गया, महाबोधि मंदिर गया के आवासीय भिकु धर्मेंद्र जी, सहयोगी अन्य भंते द्वारा भगवान बुद्ध के उपदेशों के बारे में विस्तार से बताया गया एवं गांधी मैदान चर्च की अंजली प्रधान द्वारा धर्मग्रंथ बाईबल का पाठ किया गया है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ए पी कॉलोनी के द्वारा शारदीय नवरात्रि महोत्सव का आयोजन

गया जी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ए पी कॉलोनी केंद्र गयाजी के द्वारा शारदीय नवरात्रि महोत्सव के शुभ अवसर पर राजयोगिनी सुनीता दीदी के द्वारा एक भव्य विशाल जीती जागती चैतन्य झांकी का आयोजन किया गया है।, मां दुर्गा कौन थी मां। समाजसेवी हरि प्रपन्ना उर्फ पप्पु जी, राजकुमार , वार्ड पार्षद गजेंद्र सिंह, सुशीला डालमिया , इत्यादि गणमान्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर मां दुर्गा, मां सरस्वती मां लक्ष्मी जी पट खोलकर आरती किए। हजारों हजार लोगों की भीड उमड़ रही है। मां का दर्शन अपने को धन्य धन्य समझ भूरी सराहना करते हुए। अपने विचार व्यक्त कर रहे है।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत अबतक 1 करोड़ लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार करोड़ रुपए की राशि की गयी अंतरन

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित संकल्प से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की 25 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए प्रति लाभुक की दर से 2500 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा ह्यमुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ 26 सितम्बर 2025 को किया गया था, उस दिन मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत राज्य की 75 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से 7500 करोड़ की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरित की गयी थी। आज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 25 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार रुपए प्रति लाभुक की दर से 2500 करोड़ रुपए की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से अंतरित की गयी है। अब तक कुल 1 करोड़ लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गयी है। इस आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस से बड़ी संख्या में जुड़ी सभी माताओं-बहनों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। बहुत खुशी की बात है कि आज ह्यमुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाह्न के अंतर्गत 25 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपये की दर से सभी के खाते में सहायता राशि भेजी जा रही है।

कुछ दिन पहले 26 सितम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना का शुभारंभ किया था जिसमें 75 लाख महिलाओं को यह सहायता राशि दी गयी थी। इस प्रकार पहले 75 लाख महिलाओं को राशि दी गयी और आज 25 लाख महिलाओं को राशि दी जा रही है यानि अब कुल 1 करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना का फायदा राज्य के हर एक परिवार की एक महिला को दिया जाना है। इसलिए अब जो महिलाएं शेष रह गयी हैं उन्हें 10 हजार रुपए की सहायता राशि देने के लिए अभी से ही तिथियाँ निर्धारित कर दी गयी हैं। अगली तिथि 6 अक्टूबर 2025 को निर्धारित है और उसके बाद लगभग हर सप्ताह राशि बैंक खाते में भेजी जायेगी। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें आगे 2 लाख तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। राज्य में विकास के कई कार्य किये जा रहे हैं और बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी माताएँ-बहनें इस 10 हजार रुपये की राशि से अच्छा रोजगार शुरू करेंगी। इससे आपका परिवार खुशहाल होगा तथा राज्य एवं देश का और तेजी से विकास होगा।

शेरघाटी में गोलीकांड : संपत्ति विवाद में युवक की हत्या

नयाबाजार थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई हत्या, पुलिस जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। शहर के बीचोंबीच गुरुवार की शाम नयाबाजार स्थित थाना से कुछ ही दूरी पर उस वक्त सनसनी फैल गई जब अपने ही गोतिया के युवक ने संपत्ति विवाद को लेकर गोली मारकर रिश्तेदार की हत्या कर दी। मृतक की पहचान दीपक कुमार उर्फ दीपू (पुत्र दिवंगत डीपी गुप्ता) के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान राजेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई, जो मृतक का करीबी रिश्तेदार बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब आरोपी राजेश ने युवक दीपक को घर में बुलाकर पांच गोली दाग दी। गोली लगते ही दीपक की मौके पर मौत हो गई। आसपास के लोगों के अनुसार दोनों के बीच पिछले कई माह से जमीन और हिस्सेदारी को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि राजेश गुप्ता ने पहले मृतक के घर की बाउंड्री तोड़कर अपना आशियाना बनाने की कोशिश की थी। इसका विरोध दीपक ने किया, जिसके बाद से दोनों के बीच तनातनी बढ़ गई थी। इधर सूत्रों के अनुसार आरोपी मृतक की दो बहनों से झूठा ठेका लेकर संपत्ति पर कब्जा जमाने की फिराक में था। चूँकि दीपक अपने पिता का एकमात्र पौत्र व वारिस था, इसलिए राजेश गुप्ता पर दबाव बढ़ा और आखिरकार उसने इस विवाद को खतरनाक अंजाम दे दिया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। पुलिस भी तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गया मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया। जांच के दौरान पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, पांच खोखा और शराब की एक बोतल बरामद की है। इस संबंध में शेरघाटी थाना के प्रशिक्षु डीएसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि इस वारदात में और कौन-कौन लोग शामिल थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही पूरी घटना का खुलासा कर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस गोलीकांड से शेरघाटी शहर में दहशत का माहौल है। लोग दिनदहाड़े थाने से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई ।

कड़ी सुरक्षा के बीच 5 लाइसेंसी मां दुर्गा की मूर्ति दुखहरनी द्वार से कराया गया पास

प्रातः किरण संवाददाता

गया। नवरात्र के मौके पर पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए शहर के 5 लाइसेंसी मां दुर्गा की प्रतिमा दुख हरणी मंदिर द्वार से पास कराया जाता है। इसी क्रम में गया शहर के उत्तरी क्षेत्र के 5 लाइसेंसी प्रतिमा को नवरात्र के विजयदशमी के दिन रात्रि को दुखहरणी द्वार से पास कराया गया। यह सिलसिला की देर रात तक 01:40 बजे तक चलता रहा है। प्रतिमा दुखरनी द्वार से होते हुए जामा मस्जिद से गुजरती है। इसे लेकर यहां पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बंदोबस्ती की गई थी। जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर और वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार इस स्थल पर मौजूद थे। दोनों पदाधिकारियों की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से दुखहरणी मंदिर द्वार से प्रतिमा बारी बारी से पास कराया गया है। जिला पदाधिकारी देर रात 01:40 बजे तक इस स्थल पर मौजूद रहे हैं।

मूर्ति पास कराने को लेकर बारीकी से नजर बनाए रखें ताकि सामाजिक सद्भाव और शांति बना रहे। जिला पदाधिकारी की मौजूदगी रहने से उनके अधीनस्थ पदाधिकारी भी उत्साहित रहे। डीएम के प्रयास को समाज के सभी लोगों ने सराहना की है। जब तक अंतिम प्रतिमा दुखहरणी मंदिर द्वार से पास नहीं हुआ तब तक जिलाधिकारी एव एसएसपी वहां पर मौजूद रहे। प्रतिमा पास कराते समय डीएम अपने जगह से उठकर अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों की हौसला अफजाई के लिए वहां पहुंच जाते।

संक्षिप्त खबरें

दरभंगा पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल,23 अफसरों का तबादला

दरभंगा। जिले में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पुलिस विभाग में एक बड़ा कदम उठाया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने जिले के 23 पुलिस पदाधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है। इस फेरबदल का मकसद जिले में अपराध पर काबू पाना और पुलिसिंग को और मजबूत बनाना है। एसएसपी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार,जिन पुलिस अधिकारियों का तबादला हुआ है,उनमें कई थानाध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारी शामिल हैं। कुछ थानाध्यक्षों को नई जगहों पर भेजा गया है,जबकि कुछ को थाने से हटाकर अन्य विभागीय जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।बताया जा रहा है कि यह तबादला रूटीन प्रक्रिया का हिस्सा है,लेकिन हाल के दिनों में बढ़ते अपराध और जनता की शिकायतों को देखते हुए इसे बेहद जरूरी कदम माना जा रहा है। एसएसपी ने कहा कि जिले में कानून का राज कायम रखना और जनता में विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी के तहत यह निर्णय लिया गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस बदलाव से थानों में नई ऊर्जा आएगी और पुलिस की कार्यशैली में सुधार देखने को मिलेगा। वहीं कुछ अधिकारियों के तबादले को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं भी हो रही हैं। नए थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में जल्द से जल्द योगदान देने और अपराध पर नियंत्रण पाने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी ने साफ कहा है कि लापरवाही या किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल जिले में यह तबादला चर्चा का विषय बना हुआ है,और आम जनता को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में बदलाव जरूर नजर आएगा।

बाइक के ठोकर से अधेड़ युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

कुर्था (अरवल) स्थानीय थाना क्षेत्र के कुर्था मुख्य मार्ग एस एच 69 बाइक के जोरदार टक्कर में एक अधेड़ युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुर्था प्रखंड अंतर्गत धमौल पंचायत के शाहगंज निवासी नत्थू चौधरी जो बुधवार को संध्या 5 बजे अपने गांव से मोतीपुर बाजार जा रहे थे तभी विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे उक्त अधेड़ युवक गंभीर रूप से घायल हो गए आनन फानन में ग्रामीणों ने उन्हें कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल अरवल भेज दी। हालांकि अस्पताल जाने के क्रम में उक्त अधेड़ युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिजन उन्हें पहले मोतीपुर के निजी क्लिनिक ले गए तत्पश्चात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था और फिर सदर अस्पताल अरवल ले गए जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई हालांकि मौत की खबर सुनते हैं मानो परिजनों में चीत्कार मच गया घटना को लेकर बसपा विधानसभा प्रभारी सह सदस्य जिला परिषद, कुर्था रंजन कुमार यादव घटना को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान हो।

परसा में मां दुर्गा की नम आंखों से दी गई विदाई

परसा।थाना क्षेत्र के अलग अलग गांव तथा बाजार पर स्थापित दर्जनों दुर्गा पूजा समिति द्वारा दुर्गा प्रतिमा पूजन के बाद शुक्रवार को पुलिस तथा दंडाधिकारी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण रूप से विसर्जन कार्य संपन्न हुआ।विसर्जन के दौरान परसा सब्जी मंडी पूजा समिति द्वारा राम लक्ष्मण,सीता,हनुमान,शिव,तथा भूत प्रेत स्वरूप की आकर्षक झांकी विसर्जन जुलूस के साथ निकाली गई जो आकर्षक का केंद्र बना रहा।बाजार से माता की प्रतिमा को श्रद्धालुओं द्वारा कंधे पर उठा दरोगा राय चौक पहुंचा।जहां देवी देवता स्वरूप झांकी द्वारा अपना कला प्रस्तुत किया गया।जिसको देखने के लिए हजारों की संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।वहीं दरोगा प्रसाद राय चौक पर स्थापित प्रतिमा विसर्जन में भी देवी देवता स्वरूप झांकी प्रस्तुत किया गया।इसके अलावे मुजौना,कोहरा मठिया,परसौना,मिजापुर, बालीगांव, मारर, बहर मारर, चांदपुरा,सगुनी, अन्याय,अंजनी,पचलख,भेल्दी,शोभेपुर पंचायतों में स्थापित प्रतिमा का विसर्जन किया गया।विसर्जन के दौरान हो रही तेज बारिश में भी श्रद्धालुओं की जुटी रही।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष ओम प्रकाश,सीओ अनुज कुमार,बीडीओ राकेश कुमार आदि मुस्तैद थे।

नगर निगम के 27 पार्षदगण ने उपमहापौर व उनके पुत्रों पर पद का दुरूपयोग, उगाही समेत कई गंभीर आरोप लगाकर खोला मोर्चा

➤ नगर आयुक्त और डीएम से लेकर विभागीय मंत्री, मुख्य मंत्री तक से लगाई है जांच और कार्रवाई की गुहार

➤ नगर निगम के संवेदकों से रंगदारी के तर्ज पर उगाही, नियम के विरुद्ध प्राप्त कर रहीं हैं सरकारी सुविधा, संसाधनों का दुरुपयोग का लगाया है आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम की पार्षद गुड़िया देवी सहित 27 पार्षदगण ने नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव को सामूहिक आवेदन पत्र देकर उपमहापौर गायत्री देवी के पदस्थापित होने के समय से ही स्वयं और अपने पुत्र रमन गुप्ता सहित अन्य पुत्रों द्वारा लगातार उपमहापौर के वैधानिक पद का दुरुपयोग अपने निजी लाभ के लिए करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उपमहापौर गायत्री देवी द्वारा बीते 29 अप्रैल को संपन्न नगर निगम बोर्ड की सामान्य बैठक के संदर्भ में झूठी एवं गलत आरोप लगाने की जांच का अनुरोध किया है। नगर पार्षदगण के सामूहिक आवेदन में उल्लेख है कि उपमहापौर एवं उनके पुत्र रमन गुप्ता सहित अन्य पुत्रों द्वारा उपमहापौर पद का दुरुपयोग अपने निजी लाभ के लिए लगातार कर रहे होने की जांच कर के विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। अपने आवेदन पत्र में पार्षदगण ने अपने आवेदन के साथ उनकी मनमानी और पद के दुरपयोग के बारे में अनेक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए इसकी जांच और कार्रवाई की मांग की है। जिसमें गायत्री देवी उपमहापौर द्वारा नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव को निगम की बैठक के संदर्भ में झूठा एवं गलत आरोप लगाए जाने की बात कही गई है। पार्षदगण ने अपने सामूहिक आवेदन में बताया है कि उस बैठक में उपमहापौर द्वारा दी गई योजनाओं के संदर्भ में उनको संबंधित वार्डों के स्थानीय पार्षदों के माध्यम से योजना दिलाने की बात कही गई थी, उनकी योजनाओं को असंपुष्ट करने का निर्णय बहुमत से लिया गया। जिसकी संपुष्टि बोर्ड की अगली बैठक में भी की गई है। पार्षदगण ने लिखा है कि उनके द्वारा तथ्यों को छुपा कर गलत एवं झूठा आरोप लगाते हुए विभाग के प्रधान सचिव को पत्र दिया गया है। जिसका हम लोग एक मत होकर पुरजोर खंडन करते हैं। विगत 29 अप्रैल को संपन्न बोर्ड की सामान्य बैठक की संपुष्टि अगले बोर्ड की बैठक बीते 31 मई को हुई थी तथा विगत 23 अगस्त को बोर्ड की बैठक में उपमहापौर के दिए गए आपत्ति वाले आवेदन पत्र पर चर्चा करके विगत 29 अप्रैल 2025 की बैठक की पुनः संपुष्टि बहुमत से की गई थी।

जबकि सच यह भी है कि उपमहापौर एवं उनके पुत्रों द्वारा नगर निगम की छवि खराब करने के लिए नगर निगम के गोपनीय पत्रों, बोर्ड एवं सशक्त की बैठकों की प्रोसिडिंग की प्रति एवं बैठकों का वीडियो में एडिट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करने जैसा नियम विरुद्ध कार्य करते हुए नगर निगम की छवि को धूमिल करने का जैसे अभियान चलाया जाता रहा है। पार्षदगण ने इसका प्रमाण उनके पुत्र रमन गुप्ता एवं रोहित ब्याहुत के फेसबुक वॉल पर मौजूद बताया है। पत्र में वर्णित है कि अनाधिकृत और गैर कानूनी रूप से उपमहापौर के पुत्र रमन गुप्ता लगातार उपमहापौर के कार्यालय कक्ष में उपमहापौर की कुर्सी पर घंटों बैठते हैं तथा कार्यालय संबंधी कार्यों का निष्पादन भी स्वयं करते हैं।

कुर्था में 251 कुमारी कन्याओं का किया गया पैर पूजन व कराया गया भोजन

➤ बिगत 4 वर्षों से कुर्था बीच बाजार स्थित बड़ी देवी दुर्गा पूजा कमेटी करता आ रहा है आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के कुर्था बीच बाजार स्थित बड़ी दुर्गा देवी जी आदर्श दुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान में दुर्गा पूजा के नवमी को 251 कुमारी कन्याओं का पैर पूजन व भोजन कराया गया साथ ही पूजा कमेटी के द्वारा सभी 251 कन्याओं को अंग वस्त्र भी प्रदान की गई हालांकि यह प्रचलन विगत 4 वर्षों से संचालित हो रही है जहां नवमी के दिन कुर्था गया मुख्य मार्ग पर कुर्था बीच बाजार के समीप सड़क के दोनों तरफ कुमारी कन्याओं को ससम्मान बिठाया जाता है जिसके बाद पूजा कमेटी के लोग सभी कुमारी कन्याओं को पैर धोते हैं।

इसके बाद माथे पर महिलाएं कुमकुम लगाती है उसके बाद अंग वस्त्र प्रदान की जाती है साथी अंगवस्त्र के बाद सभी तुम्हारी कन्याओं को भव्य तरीके से भोजन कराया जाता है जहां प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न समाज सेवी वर्ग के लोग यथाशक्ति कुमारी कन्याओं के भोजन में सहयोग करते हैं साथ ही अपने इच्छा अनुसार सभी कुमारी कन्याओं को उपहार स्वरूप कई समग्र प्रदान करते हैं इसके बाद सभी कुमारी कन्या भोजन ग्रहण कर सभी लोगों को यह परंपरा प्रखंड क्षेत्र में मानो आकर्षण का केंद्र बना रहता है जहां प्रतिवर्ष नवमी के दिन पूजा पंडाल में हजारों की संख्या में महिलाओं पुरुषों की भीड़ उमड़ती है जहां सभी महिला पुरुष कुमारी कन्याओं का पर पूजन से लेकर आशीर्वाद तक लेने का क्रम लगातार जारी रहते हैं हालांकि नवमी के दिन कुर्था बीच बाजार स्थित पूजा पंडाल में हजारों की भीड़ लगी रही जहां लोग माता के दर्शन के बाद कुमारी कन्याओं का पूजन करते देखे गए वही दशमी के दिन पूजा कमेटी के द्वारा भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया जहां लोगों ने जमकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

अष्टभुजी धाम पिपरा में नवरात्रि के मौके पर महाआरती का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के अष्टभुजी धाम पिपरा में शारदीय नवरात्र पूजा के मौके पर महाआरती का आयोजन किया गया।अष्टभुजी धाम महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महोत्सव रत्न ,जदयू के वरिष्ठ नेता संजीव कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थित रही।संचालन की जिम्मेवारी संयोजक सुरेश विद्यार्थी द्वारा निभाई गई। योग्य आचार्यों के सान्निध्य में वेद मंत्रोंच्चार के साथ महाआरती के क्रम में देवी के नौ रूपों की महिमा का बखान किया गया। संबोधन के क्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि अष्टभुजी धाम को कला संस्कृति एवं युवा विभाग से दर्जा प्राप्त करने के बाद इस परिसर में स्थित जितने भी धार्मिक स्थल हैं उनको प्रचारित प्रसारित करने की आवश्यकता है औरंगाबाद जिले का यह पहला जगह है जहां एक ही स्थल पर दर्जनों देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित है।आयोजन समिति के संरक्षक अजीत मिश्रा,उपाध्यक्ष अजय कुमार,सचिव राजा दिलीप सिंह, उपसचिव रामेश्वर भगत, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता, पैक्स अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय ने कहा कि इस स्थल के व्यापक प्रचार के लिए स्मारिका निकाले जाने की आवश्यकता है।

एसएसबी और पुलिस को मिली बड़ी सफलता, एक चार पहिया वाहन से लगभग 255 किलोग्राम गांजा बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर एसएसबी जवानों और पुलिस बल को बड़ी सफलता मिली है एक चार पहिया वाहन से भारी मात्रा में लगभग 255 किलोग्राम गांजा को बरामद करते हुए गांजा और वाहन को जब्त किया गया। मामले में एसएसबी और पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर दी गई जानकारी के मुताबिक सीमावर्ती क्षेत्र में नशे की तस्करी पर रोक लगाने हेतु 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की एफ कंपनी और सीमा चौकी मधवापुर ने 51वीं वाहिनी सीमा चौकी गांधी नगर एवं थाना भिठामोड़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई जिसके अनुसार नेपाल से भारत में गांजा तस्करी की कोशिश की जा रही थी।एसएसबी और पुलिस संयुक्त टीम द्वारा तलाशी के दौरान लगभग 255 किलोग्राम 48 पैकेट लाल प्लास्टिक कवर और बोरियों में पैक भारी मात्रा में एक चार पहिया वाहन से गांजा की खेप को बरामद किया गया।कार्रवाई के दौरान वाहन चालक एवं अन्य तस्कर मौके से भागने में सफल रहे। इस कारण कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। तस्करों की पहचान गिरफ्तारी हेतु आगे की कार्रवाई की जा रही है। गांजा समेत वाहन को जब्त किया गया। बरामद गांजा एवं वाहन को आवश्यक विधिक कार्रवाई हेतु थाना भिठामोड़ को सुपुर्द करने की प्रक्रिया जारी है। वाहन के स्वामित्व की जांच एम-परिवहन मोबाइल एप्लिकेशन से की गई। जिसमें स्वामी का नाम एवं पता उपलब्ध हुआ है।जिसे प्राथमिकी में दर्ज किया गया है।इस संयुक्त सफलता पर गोविंद सिंह भंडारी, कमांडेंट 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर ने जवानों की सराहना करते हुए कहा यह बरामदगी हमारे जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

मांझी प्रखंड सरपंच संघ के अध्यक्ष व गोबरही पंचायत के सरपंच की हार्ट अटैक से निधन, जताई शोक संवेदना

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा । मांझी प्रखंड सरपंच संघ के अध्यक्ष व गोबरही पंचायत के सरपंच, गोबरहीं टोला निवासी भरत सिंह (75) का गुरुवार की रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। परिजनों के अनुसार रात में हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें इलाज के लिए एकमा सीएचसी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

भरत सिंह लगातार तीसरी बार गोबरही पंचायत से सरपंच चुने गए थे। उनके निधन की खबर से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दरवाजे पर जुटे पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों व शुभचिंतकों ने उन्हें मृदुभाषी व मिलनसार व्यक्तित्व का धनी बताया।परिजनों ने बताया कि बुधवार को ही उनके समधी, रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के संस्थापक ट्रस्टी व एकमा प्रखंड के एकड़ीपुर गांव निवासी राम नारायण सिंह का भी हार्ट अटैक से निधन हो गया था। गुरुवार को दिन में डुमाईगढ़ स्थित सरयू नदी के घाट पर हुए उनके अंतिम संस्कार में भरत सिंह भी शामिल हुए थे। माना जा रहा है कि समधी की मौत का गहरा सदमा वे सहन नहीं कर सके। इससे पूर्व लगभग नौ वर्ष पहले उनके इकलौते पुत्र विवेक कुमार सिंह की रेल दुर्घटना में मौत हो चुकी थी। इन घटनाओं से वे काफी दुःखी व व्यथित थे। अपने पीछे अब एक विवाहिता पुत्री-दामाद व भाई का परिवार छोड़ गये हैं।भरत सिंह के निधन पर बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना प्रकट की। शोक जताने वालों में जदयू नेता सुनील सिंह, निरंजन सिंह, रौशन सिंह भवानी, भाजपा नेता मुकेश कुमार सिंह, राजद नेता सुधांशु रंजन, मुखिया मनीष कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, प्रो अजीत कुमार सिंह, डीलर मदन गोपाल सिंह, पत्रकार वीरेश सिंह, मनोज कुमार सिंह, तारकेश्वर प्रसाद, केके सिंह सेंगर आदि थे।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम द्वारा महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत किरतपुर स्थित गुरुकुलम विद्या मंदिर के प्रांगण में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अलीनगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण और शास्त्री जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने गांधी जी के सत्य, शांति और अहिंसा के संदेश को युगांतकारी बताते हुए कहा कि यह विचार सदैव समाज को एक नई दिशा देते रहेंगे। वहीं शास्त्री जी के ह्यजय जवान, जय किसान के नारे को देश की आत्मा और कृषि-आधारित समाज की पहचान बताया गया।इस मौके पर दरभंगा जिला पूर्वी भाजपा के महामंत्री संजय सिंहऊर्फ पप्पू सिंह ने कहा महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर पूरे विश्व को संदेश दिया कि अन्याय का मुकाबला साहस और धैर्य से किया जा सकता है। वहीं लालबहादुर शास्त्री ने कठिन परिस्थितियों में देश का नेतृत्व कर यह सिद्ध किया कि सादगी और दृढ़ इच्छाशक्ति से बड़े से बड़े संकटों को पार किया जा सकता है। इन दोनों महान विभूतियों की जयंती हमें यह संकल्प दिलाती है कि हम समाज और राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उनके विचार आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और रहेंगे।उन्होंने आगे कहां आज महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए गए सेवा पखवाड़ा का समापन हुआ। यह पखवाड़ा 17 सितंबर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर शुरू किया गया था। मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामनाथ सहनी, जिला संयोजक(मीडिया) मनोज झा,गंगा राम सहनी ,मंडल महामंत्री अशोक सदा,सुमन यादव,निरखत प्रवीण ,सोनिया देवी,संजय चौपाल,रामनाथ चौपाल,बद्री मुखिया आदि मौजूद रहे।

संधिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव बरामद, पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुटी परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल, मृतक की पत्नी और साला हिरासत में

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। शुक्रवार की सुबह जयनगर थाना क्षेत्र के डीबी कॉलेज के समीप गैस गोदाम के पास एनएच 527बी सड़क किनारे झाड़ी में संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।शुक्रवार की सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे झाड़ी में एक व्यक्ति का शव देखा मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। शव देखे जाने पर लोगों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। मामले की सूचना पा कर डीएसपी राघव दयाल, थाना अध्यक्ष अमित कुमार , पुलिस पदाधिकारी विपिन कुमार, मो.अनस, फहीमुद्दीन अंसारी और डायल 112 पुलिस बल की टीम के साथ शव देखे जाने स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर मृतक के पहचान और मामले विस्तृत जानकारी जांच और आगे की कार्रवाई में पुलिस जुट गई। मृतक की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के डोड़वार पंचायत के कुआढ गांव के वार्ड एक निवासी लगभग 45 वर्षीय विनोद कुमार पांडेय के रूप में की गई। मामले की जानकारी मृतक के पत्नी और परिजनों को दी गई। मृतक के शव को देख कर मृतक के पत्नी बच्चे और परिजन चीत्कार मार रोने लगे। पुलिस ने शव की कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतू भेज दिया। शव जिस स्थिति में मिला है, उससे प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल के आसपास स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर मामले का खुलासा किया जा सके। मृतक विनोद कुमार पांडेय के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। जानकारी के मुताबिक मृतक गन्ना विभाग मोतिहारी में नौकरी करना बताया गया। मृतक के तीन बच्चे हैं। पत्नी माला देवी, लगभग 15 वर्षीय पुत्र सावन और 10 वर्षीय पुत्री सालनी एवं 09 वर्षीय पुत्री साधना है व रामपति देवी वृद्ध माँ है। सभी का रो रो कर बुरा हाल है। वही मामले को लेकर डीएसपी राघव दयाल ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है हर पहलुओं पर जांच की जा रही है। मृतक के

नाम आंखों से दी गई मां दुर्गा को विदाई

पुरैनी (मधेपुरा)। नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्र के बाद प्रखंड के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में बुधवार को दशहरा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बुधवार व बृहस्पतिवार को लोगों ने विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा एवं अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा का दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान लगे मेले का बच्चे बड़े,महिलाएं एवं पुरुष ने खूब जमकर आनंद उठाया हालांकि बुधवार को हुए बारिश से सड़क पर जल जमा की समस्या उत्पन्न हो गई लेकिन फिर भी श्रद्धालुओं एवं दूर-दराज से मेला घूमने आए लोगों का मनोबल नहीं टूटा।

उन्होंने बारिश व कीचड़ की परवाह किए बिना मेले का आनंद उठाया। मेले में लगे दुकान के संचालको ने बताया कि इस बारिश से थोड़ी बहुत बिक्री पर असर हुई है ।

पंचायत सरकार भवन से गांधी के ग्राम सुराज का सपना हो रहा साकार : सांसद

➤ सांसद पंचायत सरकार भवन तथा विवाह मंडपों के शिलान्यास तथा उद्घाटन समारोह में हुए शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा।पंचायत सरकार भवन एनडीए सरकार की एक दूरगामी सोच का प्रतिफल है७ जिसके माध्यम से पंचायत के अंदर की सरकार की सभी सुविधाओं का लाभ मिलता है तथा लोकसेवा से जुड़ी सभी प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं वहीं विवाह मंडपों के माध्यम से गरीब तथा कमजोर वर्गों को आर्थिक रूप से सरकार के द्वारा मदद देने की सोच समाहित है।

एनडीए सरकार की इन दूरगामी पहल को दरभंगा जिले में धरातल पर ईमानदारी तथा पारदर्शिता से साकार किया जा रहा है।स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने समाहरणालय स्थित डा भीमराव अंबेडकर सभागार में दरभंगा जिले के विभिन्न पंचायत सरकार भवन तथा विवाह मंडपों के शिलान्यास तथा लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपरोक्त बातें कही।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार के हाथों पटना से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका दरभंगा स्थित समाहरणालय स्थितू अंबेडकर सभागार में वर्चुअल रूप में इस कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए सांसद डा ठाकुर ने कहा कि दरभंगा जिला में 17 पंचायत सरकार भवन तथा 31 विवाह मंडपों का शिलान्यास तथा उद्घाटन होना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।सांसद डा ठाकुर ने विवाह मंडपों को एनडीए सरकार की दूरगामी सोच का उदाहरण बताते हुए कहा कि पचास लाख की लागत से बनने वाला यह मंडप समाज के कमजोर तथा गरीब वर्गों के लिए वरदान साबित होगा क्योंकि इन मंडपों में शादी के आयोजन से गरीब वर्गों को टेंट पंडाल लाइट जैसे अनावश्यक खर्चों की बचत होगी।

सांसद डा ठाकुर ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार तथा एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमकर सराहना करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार पहल कर रही है।मौके पर उपस्थित बेनीपुर के विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी ने नीतीश सरकार को विकास के हर मोर्चे पर सफल बताते हुए कहा कि 20 वर्षों के शासन में बिहार में जितने विकास के कार्य हुए हैं ।

स्वर्ण व्यवसायी की एनएच 27 पर मौत

दरभंगा।सदर थाना क्षेत्र के रानीपुर -बुच्चामन के पास एन एच 27के किनारे पुलिस को लाश मिली हें ,जिसकी पहचान स्वर्ण व्यवसायी के रूप में की जा रही हें। इस मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी बताने से परहेज कर रही हें। पुलिस कह रही हें कि यह दुर्घटना हें ,स्थानीय लोग कह रहें हें कि हत्या कर इस लाश को यहां फेंका गया हें। मामला जो भी हो यह जांच का विषय हें। सदर एसडीपीओ राजीव कुमार ने कहा कि उन्हें भी सूचना मिली हें ,उन्होंने कहा कि घटना स्थल पर जा रहें हें।

इधर स्थानीय लोग बता रहें हें कि दरभंगा टावर पर एसबी ज्वेलर्स नामक दुकान गंगा काम्प्लेक्स के दूसरे मंजिल पर स्थित हें जिसका मालिक मनीष गुप्ता हें। बताया जा रहा हें कि दुकान से घर के लिये तीन बजे निकला था और लगभग 5 बजे के आस पास में उसका लाश एन एच 27किनारे पड़ा मिला हें।स्थानीय लोग तरह तरह के कयास लगा रहें हें कोई कहता हें कि मनीष की हत्या कर लाश वहां फेंक दिया हें जो क्षत -विक्षत हें। क्यूंकि घटना स्थल पर एक बूंद भी खून नहीं हें। अगर दुर्घटना से मौत होती तों वहां खून के धब्बे या बहुत सारा खून दिखाई पड़ता जो बिल्कुल नहीं हें।अगर किसी दों पहिया वाहन से भी मृतक कही जा रहें होते तों मोटरसायकिल वहां रहता। वहीं पुलिस को शक हें कि किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से मौत हुई हें।फिलहाल पुलिस पूरे मामले को बारीकी से जांच कर रही हें ।

राष्ट्रपिता गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को दी गई श्रद्धांजलि,आगामी वर्षों में झांकी आयोजन प्रस्तावित

दरभंगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय परिसर स्थित गांधी सदन में पुष्पांजलि अर्पण सह संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की शुरूआत 15 वीं शताब्दी के गुजराती आदि कवि नरसी मेहता रचित गांधी के प्रिय भजन ह्यवैष्णव जन को तेने कहिए, जे पीर पराई जाने रे से हुआ। बापू की प्रतिमा पर कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने माल्यार्पण करते 'हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि गांधी जयंती के मौके पर हम सभी लोग शपथ लेते हैं कि गांधी के सत्य, अहिंसा और न्याय के ध्येय व आदर्शों का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय की नींव को सशक्त बनाने में सकल समर्पण की भावना से कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2 अक्टूबर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री और सादा जीवन उच्च विचार के उद्घोषक श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को भी हम नमन करते हैं। ह्य जय जवान, जय किसानह्ल का नारा देने वाले शास्त्री जी भारतीय आम जन की आवाज थे। उनके विचारों में सादगी, समर्पण और सेवा- भाव ही उन्हें प्रणम्य बनाता है। इन दोनों शलाका पुरुषों के जीवन से प्रेरित होकर हमें विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार बनाना है। इसी आकांक्षा के साथ मैं विश्वविद्यालय परिवार को जयंती समारोह की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। इस कार्यक्रम में दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो हरे कृष्ण सिंह, डब्लूआईटी निदेशक प्रो ए एन झा, वित्त परामर्शी इंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ इंसान अली, अध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो अशोक कुमार मेहता, पेंशन पदाधिकारी डॉ अताउर रहमान, संकायाध्यक्ष प्रो साहिद हसन, प्रो उमेश कुमार, प्रो शंभू प्रसाद, प्रो दिनेश कुमार गुप्ता, डॉ श्याम चंद गुप्ता, डॉ कामेश्वर पासवान, डॉ अमृत कुमार झा, डॉ अरविंद कुमार सिंह आदि अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

समय के साथ पत्रकारों में भी बदलाव आया है : प्रो हरि नारायण सिंह

पत्रकार स्व चंद्र देव नारायण सिन्हा उर्फ चन्दर बाबू की 40 वीं पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई गईं

दरभंगा। दिवंगत पत्रकार चंद्र देव नारायण सिन्हा उर्फ चन्दर बाबू की 40 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दरभंगा के पत्रकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उनके द्वारा कायम मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। भगवानदास मोहल्ला स्थित उनके निवास स्थान परिसर में पत्रकार मदन मोहन चौधरी एवं प्रो हरि नारायण सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पत्रकारों ने कहा कि चंद्र देव नारायण सिन्हा की सादगी व कर्तव्य निष्ठा से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। प्रारंभ में स्वर्गीय चंद्रदेव नारायण सिन्हा के बड़े पुत्र पुनीत कुमार सिन्हा ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो हरि नारायण सिंह ने कहा कि स्वर्गीय चंद्र देवनारायण सिन्हा की पत्रकारिता आज भी अनुकरणीय है। वैसे जैसे जैसे समाज में बदलाव हुआ है,उसी तरह पत्रकारों में भी बदलाव आया है। समारोह को संबोधित करते हुए मणिकांत झा, संतोष दत्त झा, प्रवीण बबलू,संजय कुमार राय,प्रहलाद कुमार कीलू, अरुण शर्मा ने सम्बोधित किया।कार्यक्रम के संचालन पत्रकार व वार्ड पार्षद नवीन सिन्हा ने वर्तमान पत्रकारिता पर विस्तार पूर्वक व्याख्या किया।

राहुल, ध्रुव के बाद रवींद्र जडेजा ने भी जड़ा शतक

जुरेल 125 रन बनाकर आउट, विंडीज की टीम पस्त

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है. आज (3 अक्टूबर) इस मुकाबले का दूसरा दिन है. भारतीय टीम की पहली पारी चल रही है. भारत का स्कोर 430 रन को पार कर चुका है और उसके 5 विकेट गिरे हैं. रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर नाबाद बैटर हैं. जुरेल ने अपने करियर का पहला टेस्ट शतक लगाया. वहीं जडेजा भी शतक जड़ चुके हैं. भारत की लीड 260 रनों से ज्यादा की हो चुकी है. इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमट गई थी. भारत की पहली पारी में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी की. यशस्वी 36 रन बनाकर आउट हो गए. वहीं तीसरे नंबर पर उतरे साई सुदर्शन केवल 7 रन बनाकर चलते बने.

इससे पहेल केएल राहुल ने लगाया 11वां टेस्ट शतक

अहमदाबाद। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल टेस्ट करियर का 11वां शतक अपने नाम कर चुके हैं। केएल राहुल 197 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए। यह सलामी बल्लेबाज अब तक अपनी पारी में 12 चौके लगा चुका है। राहुल का घरेलू मैदान पर एकमात्र अन्य टेस्ट शतक दिसंबर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ आया था।

47 साल बाद दोहराया इतिहास

- सुनील गावस्कर की ऐतिहासिक सूची में शामिल हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टेस्ट क्रिकेट का एक नया अध्याय तब लिखा गया, जब शुभमन गिल ने अपने कप्तानी करियर की घरेलू शुरुआत अर्धशतक से की। यह उपलब्धि उन्हें सीधे महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की ऐतिहासिक सूची में ले आई। गावस्कर ने 1978 में अपने पहले घरेलू टेस्ट में अर्धशतक जमाया था और अब गिल ने 47 साल बाद वही कमाल दोहराया है। हालांकि शतक से चूकने पर उनकी पारी थोड़ी अधूरी रह गई।

गावस्कर से जुड़ी ऐतिहासिक कड़ी

1978 में सुनील गावस्कर ने वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहली बार कप्तान बनकर घरेलू टेस्ट में 205 रन बनाए थे। गिल ने जब अपना पचासा लगाया तो यह उपलब्धि सीधे गावस्कर की उस ऐतिहासिक पारी की याद दिला गई। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे पीढ़ियों के बीच एक अनोखे पुल की तरह देखा।

कप्तान के रूप में सुनहरी शुरुआत

भारतीय टीम की कमान संभालते हुए गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। खैरी पियरे की गेंद पर एक रन लेते ही स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। यह उपलब्धि सिर्फ रन नहीं बल्कि कप्तान के रूप में आत्मविश्वास और नई जिम्मेदारी के साथ उनके करियर की मजबूत शुरुआत का प्रतीक है।

वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप

मीराबाई चानू ने भारत को दिलाया सिल्वर

फोर्ड (नॉर्वे)। भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के 48 किलोग्राम वर्ग में देश को सिल्वर मेडल जिताया है। यह इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में मीराबाई चानू का तीसरा मेडल है। साल 2017 की वर्ल्ड चैंपियन ने दूसरी बार सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। उत्तर कोरिया की री सोंग-गम ने कुल 213 किलोग्राम (91 किलोग्राम + 122 किलोग्राम) भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने कुल भार के साथ-साथ क्लीन एंड जर्क में भी नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्याथोन सुकचातरोएन के नाम ब्रॉन्ज मेडल रहा, जिन्होंने कुल 198 किलोग्राम (88 किलोग्राम स्नैच + 110 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) भार उठाया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद अगस्त में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग

चैंपियनशिप में 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर वापसी की। उन्होंने कुल 199 किलोग्राम (84 किलोग्राम स्नैच + 115 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) भार उठाया। मीराबाई चानू के 87 किलोग्राम वर्ग में दो प्रयास असफल रहे। 84 किलोग्राम वर्ग में पहला प्रयास भी उनके लिए थोड़ा असहज लग रहा था, लेकिन उन्होंने क्लीन एंड जर्क में अपनी लय वापस हासिल की और तीनों प्रयासों में सफल रहीं। क्लीन एंड जर्क में मीराबाई चानू ने 109 किलोग्राम भार उठाने के बाद 112 किलोग्राम और फिर 115 किलोग्राम भार उठाया। 31 वर्षीय मीराबाई चानू ने अनाहेम में 2017 वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने बोगोटा में साल 2022 में 49 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर अपने नाम किया। 11 अक्टूबर तक चलने वाली वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 अगले साल होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में से एक है।

यूरोप लीग

रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, भुगतना पड़ा अंजाम, लिली ने 1-0 से हराया

रोम, एजेंसी। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1-0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया।

इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है। अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2-0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2-1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा

टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के ताबड़तोड़ आक्रामक बल्लेबाजों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाया।

जडेजा का रिकॉर्ड

36 वर्षीय जडेजा ने इस मैच में चार छक्के लगाए और अपने टेस्ट करियर में कुल 79 छक्कों तक पहुंच गए। यह संख्या एमएस धोनी के 78 छक्कों को पार कर गई। जडेजा ने अपनी आक्रामक पारी और निरंतर छक्कों की क्षमता से टीम के लिए दबाव बनाने का काम किया। **भारत में सबसे ज़्यादा छक्के** - भारतीय टेस्ट क्रिकेट में जडेजा से अधिक छक्के केवल तीन बल्लेबाजों ने लगाए हैं- वीरेंद्र सहवाग (91), ऋषभ पंत (90) और रोहित शर्मा (88)। जडेजा ने यह मुकाम अपने आक्रामक बल्लेबाज़ी अंदाज़ और बड़े शॉट खेलने की कुशल तकनीक से हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना

विश्व टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा छक्के इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम हैं, जिन्होंने 179 पारियों में 136 छक्के जड़े। इसके बाद ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) का स्थान है। जडेजा का प्रदर्शन उन्हें विश्व स्तर पर भी उल्लेखनीय बनाता है। टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी

भारत 'ए महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 'ए महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी। इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है।

अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं।

चीन में होने वाली यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।

भारत 'ए टीमः

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो
डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग
मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो
फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

नो हैंडशेक पार्ट 4...

- सूर्या की तरह वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को आईना दिखाएंगी भारत की बेटियां!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच महिला वर्ल्ड कप में 5 अक्टूबर को भिडंत होनी है. लेकिन इस मुकाबले में दोनों ही टीमों के बीच मैदान पर माहौल कैसा रहेगा, क्या जो भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशिया कप के दौरान ऐसा किया? वही काम हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी करती दिखेगी. इस पर कई सवाल हैं. पुरुष टीम ने 3 बार एशिया कप के दौरान हैंडशेक नहीं किया, ऐसे में सवाल है? क्या महिला क्रिकेट टीम नो हैंडशेक पार्ट 4 को वर्ल्ड कप के दौरान कंटीन्यू करेगी. इस बार का एशिया कप 2025 का ऐसे समय में हुआ, जब भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं. पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद दोनों टीमें पहली बार क्रिकेट के मैदान में आमने-सामने उतरी थीं.

Football World Cup:

2026 विश्व कप का आधिकारिक मैच बॉल ट्रियोन्डा लॉन्च, तीन देशों की एकता और जुनून का प्रतीक

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड), एजेंसी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने लॉन्च के दौरान कहा, फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आधिकारिक मैच बॉल आ चुका है और यह वाकई शानदार है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए आधिकारिक मैच बॉल ट्रियोन्डा का अनावरण कर दिया गया है। यह टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजबानी में आयोजित होगा और किक-ऑफ में अब केवल नौ महीने का समय बाकी है। फीफा और एडिडास ने मिलकर इस ऐतिहासिक बॉल को तैयार किया है, जो पहली बार तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हो रहे विश्व कप की एकता और जुनून को दर्शाती है। ट्रियोन्डा नाम का अर्थ स्पेनिश भाषा से लिया गया है, जिसका मतलब है तीन लहरें। यह नाम उन तीन मेजबान देशों- कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका को मिलाकर इस वर्ल्ड कप की मेजबानी के जश्न को दर्शाता है। फीफा ने कहा कि यह बॉल सिर्फ एक खेल उपकरण नहीं, बल्कि तीनों राष्ट्रों की साझी ताकत और फुटबॉल प्रेम का प्रतीक है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने लॉन्च के दौरान कहा, फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आधिकारिक मैच बॉल आ चुका है और यह वाकई शानदार है। एडिडास ने एक और आइकॉनिक बॉल बनाई है, जिसका डिजाइन अगले साल की मेजबान टीमों- कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की एकता और जुनून को प्रतिबिंबित करता है।

गॉफ का शानदार प्रदर्शन जारी, लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं; लिस को हराया

बीजिंग, एजेंसी। गत चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गत चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद में बाकी रह गए लोगों को सितंबर का राशन मिलेगा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिले में सितंबर का राशन लेने से वंचित रह गए लोगों के लिए राहत की खबर है। वे अब आठ अक्तूबर तक अपने डिपो से राशन ले सकेंगे। इसे लेकर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। जिले में करीब साढे तीन लाख राशन कार्ड धारक हैं, जिन्हें हर महीने सरकारी डिपो के माध्यम से राशन वितरणकिया जाता है। सितंबर माह में राशन वितरण के दौरान अनेक कार्ड धारक राशन लेने से रह गए।इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की बढ़ती समस्या को देखते हुए विभाग ने सितंबर के आवंटित गेहूं, चीनी और फोर्टिफाईड सरसों तेल के वितरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर आठ अक्तूबर कर दी है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अदित्या कौशिक ने कहा कि राशन वितरण की अवधि बढ़ाने का उद्देश्य जरूरतमंद परिवार सरकारी योजना के तहत मिलने वाले खाद्यान्न से वंचित न रह जाए।

मराठा आरक्षण पर अपनी ही सरकार के विरोध में पंकजा मुंजे

बीड़ , एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे मराठा आरक्षण को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज करवाती नजर आ रही हैं। गुरुवार को उन्होंने मराठों को सरकारी नौकरियों और एडमिशन के समय दिए जाने वाले आरक्षण का समर्थन किया। हालांकि उन्होंने कहा कि मराठों को यह आरक्षण ओबीसी जाति से छीनकर नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस समुदाय के लोग पहले से ही भूख से जूझ रहे हैं। बीड़ जिले के सावरगांव घाट में दशहरा के अवसर पर आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए पंकजा ने कहा कि लोगों को जातिवाद के राक्षस को नष्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷गोपीनाथ मुंडे ने मराठा आरक्षण का समर्थन किया था और हम भी इसके पक्ष में हैं लेकिन इसे हमारी थाली से मत छीनिए। मेरा समुदाय आज भी भूख से जूझ रहा है। लोगों का संघर्ष देखने के बाद मेरी नींद उड़ गई है।÷ उन्होंने कहा, ÷मैंने कभी भी उन लोगों की जाति पर ध्यान नहीं दिया, जिनके लिए मैंने चुनाव प्रचार किया। मैंने इसे नजर अंदाज किया और हमेशा मानवता को महत्व दिया।जरांगे के मुंबई में 29 अगस्त से पांच दिन तक अनशन करने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने दो सितंबर को एक सरकारी आदेश जारी किया गया था। इसके तहत मराठा समुदाय के पात्र सदस्य कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे प्रमाण पत्र जारी होने के बाद उक्त सदस्य ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर पाएंगे। हालांकि, इसे लेकर ओबीसी समुदाय के सदस्यों में नाराजगी फैल गई है, जो मराठों को ओबीसी श्रेणी में शामिल किए जाने का विरोध कर रहे हैं।

सीएम स्टालिन के आवास से लेकर भाजपा कार्यालय तक

बम से उड़ाने की धमकी; जांच में जुटी पुलिस

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में गुरुवार को एक के बाद एक बम धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर ला दिया। राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के अलवरपेट स्थित निजी आवास को निशाना बनाते हुए एक अज्ञात ईमेल से बम विस्फोट की धमकी भेजी गई, जिसके बाद पुलिस और बम-निरोधक दस्ते ने पूरे इलाके की तलाशी ली। इसी तरह, राज्य बीजेपी मुख्यालय (टी नगर) और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तृशा के तेयनम्पेट स्थित घर को भी धमकी मिली। धमकी में चेन्नई राज भवन को भी निशाना बनाया गया। पुलिस ने सभी स्थलों पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब बीते एक महीने में मुख्यमंत्री स्टालिन को लगातार कई बार धमकी मिल चुकी है। 15 अगस्त को ध्वजारोहण समारोह से पहले भी उन्हें बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। उस मामले में एक व्यक्ति गणेश को गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में भी चेन्नई पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक कॉल मिली थी, जिसमें फोन करने वाले विनोथकुमार ने दावा किया था कि सीएम आवास पर बम लगाया गया है। हालांकि, वह धमकी भी झूठी निकली। 2024 में भी स्टालिन को लेकर

बड़ा हड़कंप मचा था, जब उनके अमेरिका जाने वाले विमान पर बम की ईमेल धमकी आई थी। चेन्नई एयरपोर्ट पर कड़ी जांच के बाद उस मामले को भी फर्जी घोषित किया गया। अगस्त 2023 में एक युवक को सीएम आवास पर बम लगाने की झूठी धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

ग्रेटर नोएडा और फरीदाबाद को जोड़ने के लिए बनेगा पुल

- 4 लेन सड़क भी बनेगी
- कंपनी को चयनित करने की प्रक्रिया जारी है

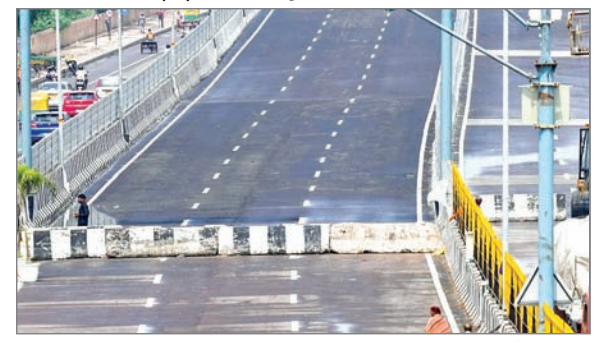

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा को फरीदाबाद से जोड़ने के लिए अगले महीने काम शुरू हो जाएगा। गौतमुद्ध नगर की सीमा में मंझावली पुल तक 1.7 किलोमीटर की नई सड़क बनेगी। साथ ही, शहर के अंदर करीब पांच किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण कर चार लेन का बनाया जाएगा। इसके लिए कंपनी को चयनित करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारी ने बताया कि हरियाणा की सीमा में मंझावली गांव के सामने यमुना पर ग्रेटर नोएडा जाने के लिए पुल तैयार है, लेकिन ग्रेटर नोएडा के अट्टा गुजरान गांव से सड़क का निर्माण कार्य पूरा न होने के चलते यातायात नहीं हो पा रहा है। मंझावली पुल को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने के लिए कुल 4.99 किलोमीटर की सड़क बननी है। इसमें करीब 1.7 किलोमीटर नई सड़क बनेगी, जो मंझावली पुल से सीधी जुड़ेगी। शेष 3.29 किलोमीटर की सड़क पहले से ही बनी हुई है। पूरी सड़क को चार लेन बनाने के लिए चौड़ीकरण किया जाना है। पीडब्ल्यूडी को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से सड़क निर्माण और चौड़ीकरण के लिए अगस्त में 65.50 करोड़ के बजट पास किया जा चुका है। वहीं, सड़क के लिए चार गांवों की कुल 6.888 हेक्टेयर जमीन ली गई है। पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अधिकारी कंचन का कहना है कि सड़क निर्माण का काम अगले महीने तक शुरू हो जाएगा, इसके लिए बजट और जमीन मिल चुकी है। अब कंपनी के चयन की प्रक्रिया जारी है। सड़क बनने से लोगों की राह आसान होगी। ग्रेटर नोएडा-नोएडा से फरीदाबाद को जोड़ने के लिए यमुना पर मंझावली में पुल के साथ सड़क बनाने का कार्य पूरा कर लिया गया। अब केवल उद्घाटन का इंतजार है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सड़क बनने के बाद पुल को लोगों की आवाजाही के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

हरियाणा में बच्चों को फंदे से लटका बाप ने की खुदकुशी

बल्लभगढ़, , एजेंसी। बल्लभगढ़ के गांव नेकपुर में गुरुवार देर रात एक पिता ने अपने तीन बच्चों संग फंदा लगा लिया। पिता और 12 साल की बेटी की मौत हो गई, जबकि बेटा और दूसरी बेटी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। पत्नी से अनबन और पुलिस की कार्रवाई को लेकर पिता ने यह कदम उठाया। पुलिस के मुताबिक गांव नेकपुर के 30 वर्षीय कर्मवीर ने देर रात तीनों बच्चों संग आत्महत्या का प्रयास किया। इसमें पिता और 12 साल की बेटी की मौत हो गई। दो बच्चे गंभीर हालत में सर्वोदय अस्पताल में इलाजरत हैं। बताया जा रहा है कि कर्मवीर और उसकी पत्नी में लंबे समय से झगड़ा चल रहा था। पत्नी मायके चली गई थी और छह दिन पहले ही लौटी थी। इसी दौरान मारपीट की घटना हुई और पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। शिकायत के बाद पुलिस घर पहुंची थी। पुलिस की कार्रवाई और धमकी से कर्मवीर डर गया।

असम पुलिस ने गायक और एक म्यूजिशियन को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी , एजेंसी।
असम पुलिस ने गुरुवार को मशहूर गायक जुबिन गर्ग की मौत मामले में संगीतकार शक्हरज्योति गोस्वामी और गायिका अमृतप्रभा महांता को गिरफ्तार किया। दोनों सिंगापुर में उस यॉट पार्टी में मौजूद थे जहां 19 सितंबर को गर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान कुछ सबूत हाथ लगे, जिसके बाद दोनों को हिरासत में लिया गया। घटना के वीडियो फुटेज में गोस्वामी जुबिन के बेहद पास तैरते दिखाई दिए, जबकि अमृतप्रभा ने पूरी घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया था। इससे पहले जुबिन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और नॉर्थईस्ट

इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महांता को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अब उन पर हत्या (धारा 103, भारतीय दंड संहिता) का आरोप भी जोड़ दिया है। दोनों को गुवाहाटी लाकर कोर्ट ने 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सीआईडी के स्पेशल डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जांच जारी है और हत्या की धारा जोड़ने का निर्णय सबूतों के आधार पर लिया गया।

दूसरी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

जुबिन गर्ग का पहला पोस्टमॉर्टम सिंगापुर में हुआ था। वहां की रिपोर्ट जल्द ही परिवार को सौंपी जाएगी। विसरा रिपोर्ट दिल्ली की सेंट्रल फॉरेंसिक लैब से आने के बाद ही सार्वजनिक होगी। सीआईडी की नौ सदस्यीय विशेष जांच टीम इस मामले की पड़ताल कर रही है। गुप्ता ने बताया कि टीम जल्द ही सिंगापुर जाएगी और इसके लिए भारत सरकार ने एमएलएटी के तहत औपचारिक अनुरोध भेजा है।

कौन हैं आईपीएस योगेश गुप्ता, जिनके केस में केरल सरकार को लगा झटका

- 4 साल में 8 बार हो चुका है ट्रांसफर
- नेताओं की भी खोल दी थी फाइल

तिरुअनंतपुरम , एजेंसी।
केरल कैडर के 1993 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी योगेश गुप्ता का तबादला अक्सर सुर्खियों में रहता है। हाल ही में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) की कोच्चि पीठ ने केरल सरकार को बड़ा झटका देते हुए राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे आईपीएस अधिकारी योगेश गुप्ता की विजिलेंस रिपोर्ट पांच दिनों के भीतर केंद्र सरकार को भेजें। 1993 बैच के केरल कैडर के अधिकारी गुप्ता पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार के साथ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं ताकि उनका नाम केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिज़र्व (सीडीआर) पदों के लिए विचाराधीन हो सके। सीएटी ने कहा कि गृह मंत्रालय के बार-बार लिखे गए पत्रों का राज्य सरकार द्वारा जवाब न देना किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं है। योगेश गुप्ता को पिछले चार सालों में आठ बार ट्रांसफर किया गया है। हाल ही में उन्हें फायर एंड रेस्क्यू सर्विस से हटाकर रोड सेफ्टी कमिश्नर बना दिया गया। वे पूर्व में सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) के निदेशक रहे, जहां उनकी कई कार्रवाइयां सरकार को असुविधाजनक लगीं।

केंद्र ने मांगी थी रिपोर्ट, राज्य ने रोका: अप्रैल 2024 में केंद्र सरकार ने योगेश गुप्ता को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसे शीर्ष पदों पर विचार करने के लिए उनका प्रोफाइल और विजिलेंस रिपोर्ट मांगी थी। राज्य पुलिस प्रमुख ने मई में रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंप दी थी, लेकिन इसे गृह मंत्रालय को नहीं

भेजा गया। इसके बावजूद, राज्य सरकार ने हाल ही में पुलिस प्रमुख के पद के लिए यूपीएससी को योगेश गुप्ता का विजिलेंस क्लियरेंस भेजा था। योगेश गुप्ता पर आरोप है कि वीएसीबी प्रमुख रहते हुए उन्होंने कुछ शिकायतों पर जांच शुरू की और कुछ मामलों में सरकार से मंजूरी लिए बिना अफसरों पर कार्रवाई का आदेश दिया। योगेश गुप्ता ने सीएटी को बताया कि ये सभी जांचें अदालतों के आदेश पर शुरू की गई थीं। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. के एम अब्राहम के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया। उस दौरान वीएसीबी ने केस से जुड़े फाइलें साझा की थीं। इसके अलावा, योगेश गुप्ता ने नेता पी. पी. दिव्या के खिलाफ भी जांच शुरू करवाई थी, जिन्हें पिछले साल एक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की आत्महत्या मामले में घेरा गया था।

केरल सरकार पर सवाल

राज्य सरकार ने सीएटी से कहा कि योगेश गुप्ता पर एक विजिलेंस जांच लंबित है। लेकिन न्यायाधिकरण ने कहा कि जांच लंबित होना रिपोर्ट न भेजने का कारण नहीं हो सकता है। आदेश में कहा गया, ÷रिकॉर्ड में ऐसा कोई तथ्य या वैध आधार नहीं है जिससे रिपोर्ट न भेजने को सही ठहराया जा सके।

अमेरिका में तेजी बढ़ रहा कोरोना का नया एक्सएफजी वैरिएंट

वाशिंगटन एजेंसी। कोविड-19 महामारी ने हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर व्यापक तबाही मचाई थी। समय के साथ टीकाकरण और उपचार ने स्थिति में कुछ राहत प्रदान की, लेकिन वायरस का बदलता स्वरूप अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। अब कोरोना का नया एक्सएफजी वैरिएंट सामने आया है, जिसे स्ट्रेटस भी कहा जा रहा है। इससे लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट के कई मामले सामने आए हैं। अमेरिका में यह ऐसे समय में आया है जब सर्दी जुकाम के मामले सबसे अधिक सामने आते हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने 20 सितंबर 2025 तक कोविड गतिविधि को मध्यम स्तर का मूल्यांकन किया था, लेकिन नेवाडा, यूटा, कनेक्टिकट और डेलावेयर सहित 19 राज्यों में वायरस के उच्च या बहुत उच्च स्तर की रिपोर्टें आ रही हैं। स्ट्रेटस, जनवरी 2025 में दक्षिण-पूर्व एशिया में पहली बार देखा गया था और अब अमेरिका तक फैल चुका है।

हमलों से डरा कनाडा का थिएटर, 'कांतारा' सहित कई भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द

ओंटारियो, एजेंसी।
कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ओकविल शहर में स्थित फिल्म.सीए सिनेमाज ने हाल ही में अपने परिसर में हुई दो हिंसक घटनाओं के बाद भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दी है। सिनेमा मैनेजमेंट का कहना है कि यह निर्णय दर्शकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

सिनेमा हॉल के सीईओ जेफ नॉल ने एक बयान जारी कर कहा, ÷हम समझते हैं कि हमारे कई मेहमान इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हमें इस असुविधा और निराशा के लिए खेद है, लेकिन स्टाफ और दर्शकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

है।÷ नॉल ने यह भी कहा कि चूंकि घटनाएं देर रात के समय हुई हैं, इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि हमलावरों का उद्देश्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर थिएटर को बंद करने के लिए मजबूर करना है। पहली घटना 25 सितंबर की सुबह हुई, जब दो नकाबपोश हमलावर गैस कैन लेकर सिनेमा के मुख्य द्वार पर पहुंचे और आग लगा दी। यह घटना तड़के लगभग 5ः20 बजे की है। पुलिस के मुताबिक आग को समय रहते बुझा लिया गया, जिससे नुकसान सीमित रहा। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर एक सफेद एसयूवी में आते दिखाई दिए, जबकि उसी रात एक ग्रे रंग की एसयूवी को पार्किंग क्षेत्र के आसपास कई बार घूमते देखा गया।

दूसरी घटना 2 अक्टूबर को रात करीब 1:50 बजे हुई, जब एक अज्ञात हमलावर ने सिनेमा के दरवाजों पर कई गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया। सौभाग्य से, दोनों घटनाओं के समय सिनेमा हॉल के अंदर कोई मौजूद नहीं था और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

खतरे में है शांति की नींव, मानवाधिकार तार-तार; यूएन चीफ ने महात्मा गांधी को किया याद

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक समुदाय से आपसी मतभेदों को दूर करने और कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग का अनुसरण करने का आह्वान करते हुए कहा कि दुनिया में इस समय बढ़ते तनाव के बीच गांधी का शांति का संदेश नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का संदेश गुरुवार को यहां संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित एक विशेष स्मृति कार्यक्रम के दौरान दिया गया। यह कार्यक्रम दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित किया गया था। गांधी जयंती को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अपने विशेष संदेश में कहा कि आज दुनिया 'हमारी साझा मानवता के चिंताजनक' क्षरण का गवाह बन रही है। गुतारेस ने कहा, 'इस अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। गांधीजी ने न केवल इन आदर्शों की बात की बल्कि उन्हें जिया भी। बढ़ते तनाव और गहराते विभाजन के इस दौर में उनका संदेश नए सिरे से प्रासंगिक है।' आम नागरिक संघर्ष का खामियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो रहा है, मानवाधिकारों का हनन हो रहा है और शांति की नींव खतरे में है।' गुतारेस ने कहा कि गांधी जी का मानना था कि अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में घुसी पुलिस, कैमरे तोड़े और पत्रकारों को पीटा

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान पत्रकार संघ की ओर से आज ब्लैक डे मनाया जा रहा है। गुरुवार को इस्लामाबाद नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों पर हमले के बाद यह कदम उठाया गया। पाकिस्तान फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष अफजल बट ने कहा, पत्रकार इस समय बेहद गुस्से में हैं। देश भर के सभी प्रेस क्लब इस कृत्य की निंदा में काले झंडे फहराएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर के प्रेस क्लब में भी प्रदर्शन हो रहा है। पीओजेके में विरोध प्रदर्शन यह लगातार छठा दिन है। पत्रकार यूनियनों ने शुक्रवार को ब्लैक डे घोषित किया, जिसमें कहा गया कि यह मीडिया स्वतंत्रता पर सीधा हमला था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लाठी लिए पुलिसकर्मियों को पत्रकारों को घसीटते, कैमरे तोड़ते और एनपीसी कैफेटेरिया में कर्मचारियों पर हमला करते दिखाया गया। वीडियो में दिख रहा है कि एक फोटो पत्रकार की शर्ट फटी हुई है और उसका कैमरा तोड़ दिया गया है।

हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे, 3 की मौत

अब मोरक्को में जेन जी का गुस्सा भड़का

रबात, एजेंसी।
उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70 प्रदर्शनकारी नाबालिग थे।

मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8

लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है।

सीएनएन के मुताबिक युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जेन जी 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8 है, जिसमें युवा बेरोज़गारी 35.8 और स्नातकों में 19 तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है। यह आंदोलन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टिकटॉक और डिस्कॉर्ड पर शुरू हुआ था। पिछले रविवार को प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद इसे और समर्थन मिलने लगा। गिरफ्तार हुए लोगों में मोरक्को के स्टार गोलकीपर यासीन बौनू और प्रसिद्ध रैपर एल ग्रांडे टोटो भी शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए। वाणिज्यिक शहर कैसाब्लांका और बंदरगाह शहर टैंजियर में भी विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटन केंद्र माराकेश में भी हिंसा हुई और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रशीद अल खल्फी ने बताया कि अशांति के बाद पूरे मोरक्को में 409 लोगों को हिरासत में लिया गया। 260 से ज़्यादा पुलिस अधिकारी और 20 प्रदर्शनकारी घायल हुए, और 40 पुलिस वाहनों और 20 निजी कारों को आग लगा दी गई। यह विद्रोह नेपाल, इंडोनेशिया, फिलीपींस और मेडागास्कर में पिछले महीने युवाओं के नेतृत्व में हुए बड़े प्रदर्शनों के बाद हुआ है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9334542496